बुधवार
26 जून 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने किया साफ... विस चुनाव में रहेगा नीतीश का ही चेहरा

2

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

स्पीकर पद के लिए एनडीए और इंडिया गठबंधन में रार, आज वोटिंग से होगा फैसला

लोकसभा

- एनडीए की ओर से ओम बिरला तो इंडिया की ओर से के सुरेश का नाम फाइनल
- विपक्ष के उपाध्यक्ष पद की दावेदारी के कारण गहराया विवाद

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष पद को सत्तापक्ष और विपक्ष में सहमति नहीं बन सकी है। ऐसे में ऐसा पहली बार होगा जब स्पीकर पद के लिए चुनाव होगा। ऐसा इसलिए क्योंकि एनडीए और इंडिया गठबंधन दोनों ही ओर से लोकसभा अध्यक्ष पद को लेकर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर दिया गया है। बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए की ओर से ओम बिरला का नाम फाइनल हुआ है। वो पिछले सत्र में भी लोकसभा अध्यक्ष पद का जिम्मा संभाल चुके हैं। इस बार भी उन्होंने स्पीकर पद के लिए नामांकन कर दिया है। उधर इंडिया अलायंस की ओर से के सुरेश का नाम सामने आया। के सुरेश ने भी स्पीकर पोस्ट के लिए विपक्ष की ओर से नामांकन कर दिया। अब बुधवार सुबह 11 बजे लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए वोटिंग होगी। इसी के बाद फैसला होगा कि अगला लोकसभा अध्यक्ष कौन बनेगा।

पहले ऐसी खबरें आई थीं कि स्पीकर पद को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच बात बन गई है। हालांकि, जल्द ही इस पर विपक्ष ने स्टैंड क्लीयर कर दिया। विवाद इसलिए गहराया क्योंकि विपक्ष उपाध्यक्ष पद की दावेदारी कर रहा था। सत्तापक्ष की ओर से इस पर कोई समर्थन नहीं मिला। विपक्ष की यही मांग थी कि स्पीकर सत्ता पक्ष का हो और विपक्षी पार्टी को लोकसभा उपाध्यक्ष का पद मिले। हालांकि, बीजेपी के नेतृत्व वाले सत्ताधारी खेमे ने इस पर स्वीकृति नहीं दी। इसी के बाद चुनाव के लिए विपक्ष ने फैसला लिया। कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल ने कहा कि अगर विपक्ष का डिप्टी स्पीकर नहीं होगा तो हम स्पीकर पद के लिए समर्थन करने की जगह अपना उम्मीदवार खड़ा करेंगे। इसी के बाद विपक्ष की ओर से के. सुरेश ने नामांकन किया।

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा पहले उपाध्यक्ष कौन होगा ये तय करें फिर अध्यक्ष के लिए समर्थन मिलेगा, इस प्रकार की राजनीति की हम निंदा करते हैं। स्पीकर किसी सत्तारूढ़ पार्टी या विपक्ष का नहीं होता है वो पूरे सदन का होता है, वैसे ही उपाध्यक्ष भी किसी पार्टी या दल का नहीं पूरे सदन का होता है। किसी विशिष्ट पक्ष का ही उपाध्यक्ष हो ये लोकसभा की किसी परंपरा में नहीं है।

15 मई 1952 को पहली बार हुआ था स्पीकर का चुनाव

15 मई 1952 को पहली लोकसभा के स्पीकर का इलेक्शन हुआ था। इस चुनाव में सत्ता पक्ष के जीवी मावलंकर उमीदवार थे। उनके सामने शंकर शांताराम मोरे थे। मावलंकर के पक्ष में 394 वोट, जबकि 55 वोट उनके खिलाफ पड़े थे। इस तरह मावलंकर देश के पहले लोकसभा स्पीकर बने थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, वहीं अब अगर बात आजादी से पहले की करें तो इससे पहले सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसेंबली यानी इम्पीरियल लेजिस्लेटिव काउंसिल के निचले सदन के स्पीकर को चुनने के लिए 1925 में चुनाव हुआ था। 1925 से लेकर 1946 तक सेंट्रल लेजिस्लेटिव एसेंबली के स्पीकर के लिए 6 बार चुनाव हुआ।

योगी सरकार का बड़ा फैसला: पेपर लीक की रोकथाम 2024 अध्यादेश को मंजूरी

पेपर लीक किया तो होगा आजीवन कारावास, लगेगा 01 करोड़ जुर्माना

- उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं को पारदर्शी और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने उठाया एक और बड़ा कदम
- पेपर लीक करने वालों को 2 साल से लेकर आजीवन कारावास तक के दंड का किया गया है प्राविधान
- कैबिनेट बैठक में कुल 44 प्रस्तावों में से 43 को मिली मंजूरी

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश में परीक्षाओं को पारदर्शी और शुचितापूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए योगी सरकार ने एक और अहम कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को लोकभवन में आयोजित कैबिनेट बैठक में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक की रोकथाम के लिए अध्यादेश को मंजूरी प्रदान की गई है। इस अध्यादेश के तहत उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सजा के कड़े प्राविधान सम्मिलित किए गए हैं, जिनमें 2 साल से लेकर आजीवन कारावास तक का दंड और एक करोड़ रुपए तक के जुर्माने को शामिल किया गया है। उल्लेखनीय है कि योगी सरकार पहले भी पेपर लीक जैसे मामलों पर कड़े कदम उठा चुकी है और अब इस अध्यादेश को इसी क्रम में एक और बड़ा कदम माना जा रहा है।

विभिन्न परीक्षाओं पर लागू होगा अध्यादेश

लोकभवन में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक के बाद वित्त एवं संसदीय मंत्री सुरेश खन्ना ने मंजूर किए गए प्रस्तावों के विषय में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कैबिनेट के समक्ष कुल 44 प्रस्ताव रखे गए थे, जिसमें 43 को कैबिनेट ने मंजूरी प्रदान की है। अनुमोदित प्रस्तावों में सार्वजनिक परीक्षाओं में अनुचित साधनों और पेपर लीक रोकथाम अध्यादेश 2024 भी शामिल रहा। वित्त मंत्री ने बताया कि पेपर लीक के संबंध में मंत्रिपरिषद के द्वारा अध्यादेश के प्रस्ताव को अनुमोदित किया गया है, जिसमें यदि कोई संस्था या उससे जुड़े लोग पकड़े जाएंगे तो उन्हें 2 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास की सजा और एक करोड़ रुपए तक के जुमार्ने का प्राविधान किया गया है। उन्होंने बताया कि अध्यादेश के तहत लोकसेवा आयोग, उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन बोर्ड, उत्तर प्रदेश बोर्ड, विश्वविद्यालय, प्राधिकरण या निकाय या उनके द्वारा नामित संस्था भी इसमें सम्मिलित हैं। यह अध्यादेश किसी प्रकार की भर्ती परीक्षाओं, नियमितीकरण या पदोन्नती करने वाली परीक्षाएं, डिग्री-डिप्लोमा, प्रमाण पत्रों या शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षाओं पर भी लागू होगा। इसके अंतर्गत फर्जी प्रश्नपत्र बांटना, फर्जी सेवायोजन वेबसाइट बनाना इत्यादि दंडनीय अपराध बनाए गए हैं। अधिनियम के प्राविधानों के उल्लंघन पर अध्यादेश के अंतर्गत दोषियों को 2 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा, जबकि एक करोड़ रुपए के जुर्माने का प्राविधान किया गया है।

सॉल्वर गिरोह से होगी नुकसान की भरपाई

मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि यदि परीक्षा प्रभावित होती है तो उस पर आने वाले वित्तीय भार को सॉल्वर गिरोह से वसूलने तथा परीक्षा में गड़बड़ी करने वाली संस्था तथा सेवा प्रदाताओं को सदैव के लिए ब्लैक लिस्ट करने का भी प्राविधान किया गया है। अधिनियम में अपराध की दशा में संपत्ति की कुर्की भी प्राविधानित की गई है। इसके तहत समस्त अपराध संज्ञेय, गैर जमानती एवं सत्र न्यायालय द्वारा विचारणीय एवं अशमनीय बनाए गए हैं। जमानत के संबंध में भी कठोर प्राविधान किए गए हैं।

तीन विकास प्राधिकरणों का किया गया सीमा विस्तार: योगी सरकार ने वाराणसी, बरेली और मुरादाबाद विकास प्राधिकरणों के विस्तार के प्रस्ताव को भी मंजूरी प्रदान की है। इसके तहत इन विकास प्राधिकरणों में कई राजस्व गांवों को सम्मिलित किया गया है। वित्त मंत्री ने बताया कि इसके अंतर्गत वाराणसी विकास प्राधिकरण में 215 राजस्व गांव सम्मिलित किए गए हैं। वहीं बरेली विकास प्राधिकरण में भी 35 राजस्व गांव शामिल किए गए हैं। इसी तरह मुरादाबाद विकास प्राधिकरण में 71 राजस्व गांवों को सम्मिलित किया गया है।

अयोध्या में 750 करोड़ रु से भारतीय मंदिर संग्रहालय बनाएगा टाटा संस

प्रदेश के पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि अयोध्या में टाटा संस अपने सीएसआर फंड से भारतीय मंदिर संग्रहालय का निर्माण कराएगा। इस प्रस्ताव को भी कैबिनेट से मंजूरी मिल गई। उन्होंने बताया कि इसके माध्यम से टाटा संस कुल 750 करोड़ रुपए खर्च करेगा। यह संग्रहाल विश्वस्तरीय होगा। उन्होंने बताया कि टाटा संस द्वारा एक प्रस्ताव भारत सरकार के माध्यम से प्राप्त हुआ था,जिसमें सीएसआर फंड से 650 करोड़ की लागत से वो एक विश्वस्तरीय मंदिर संग्रहलाय बनाने का कार्य करेंगे। 650 करोड़ के साथ-साथ साइड के डेवलपमेंट में 100 करोड़ रुपए खर्च करेंगे।

बिहार के छह आईएएस अफसरों का तबादला

पटना। आईएएस अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सिंह फिर से पटना के डीएम बनाये गए हैं। पटना के वर्तमान जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक के साथ-साथ छह आईएएस अफसरों का भी तबादला किया गया है। इस संबंध में सामान्य प्रशासन विभाग ने अधिसूचना जारी की है। पटना के वर्तमान डीएम शीर्षत कपिल अशोक को बिहार राज्य पथ निर्माण निगम में एमडी के पद पर भेजा गया है। साथ ही वह विभाग में विशेष सचिव के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे। एनबीपीडीसीएल के एमडी आईएस आदित्य प्रकाश को स्वास्थ्य विभाग में अपर सचिव बनाया गया है। आईएएस अधिकारी लक्ष्मण तिवारी राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में ओएसडी के पद पर तैनात किया गया है। आईएस नीलेश रामचंद्र देवरे को नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी में प्रबंध निदेशक बनाया गया है। वह ब्रेडा और बिहार राज्य संचरण कंपनी के एमडी की भी जिम्मेदारी संभालेंगे। आईएस हिमांशू शर्मा को जीविका का मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी बनाया गया है।

डॉ चंद्रशेखर जनवरी 2021 में पटना के डीएम बनाये गये थे। फिर 26 जनवरी को उनका ट्रांसफर कर उन्हें मुख्यमंत्री सचिवालय में विशेष सचिव बनाया गया था और शीर्षत कपिल अशोक को पटना का डीएम बनाया गया था। अब फिर वह वापस पटना के डीएम बनाये गये हैं। डॉ चंद्रशेखर सिंह 2021 में पटना के डीएम बनने से पहले मुजफ्फरपुर के डीएम थे।

बांग्लादेश से दोस्ती प. बंगाल के हितों को बेचने की कीमत पर नहीं हो सकती: ममता

- प. बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पीएम मोदी को पत्र लिख जताई नाराजगी
- तीस्ता जल-बंटवारा समझौते और फरक्का बैराज संधि के नवीनीकरण से जुड़े मुद्दे पर रखी बात

एजेंसी/कोलकाता

एक हफ्ते में तीसरी बार पीएम को लिखा पत्र

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर कहा है कि बांग्लादेश के साथ दोस्ती पश्चिम बंगाल के हितों को बेचने की कीमत पर नहीं हो सकती। उन्होंने तीस्ता जल-बंटवारा समझौते और फरक्का बैराज संधि के नवीनीकरण पर ढाका के साथ चल रही बातचीत से राज्य को बाहर रखने पर अपनी नाखुशी जाहिर की। सीएम ने लिखा, ऐसा लगता है कि बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना के साथ उनकी हाल की दिल्ली यात्रा के दौरान बैठक में गंगा और तीस्ता नदियों से संबंधित जल-बंटवारे के मुद्दों पर चर्चा हुई है। इस मामले में राज्य सरकार की राय और परामर्श के बिना इस तरह के एकतरफा विचार-विमर्श और चर्चा न तो स्वीकार्य है और न ही वांछनीय है।

एक हफ्ते से भी कम समय में बनर्जी का पीएम मोदी को यह तीसरा पत्र था। पहले पत्र में उन्होंने पीएम से तीन नए आपराधिक कानूनों पर अमल को टालने का आग्रह किया था। दूसरे पत्र में उन्होंने मेडिकल कॉलेजों के लिए प्रवेश परीक्षा में पेपर लीक और अनियमितताओं के आरोपों के बीच नीट को खत्म करने का अनुरोध किया था। उन्होंने पत्र में लिखा, मुझे पता चला है कि भारत सरकार 1996 की भारत बांग्लादेश फरक्का संधि का नवीनीकरण करने जा रही है, जो 2026 में समाप्त होने वाली है। सीएम ने कहा: यह एक संधि है, जो बांग्लादेश और भारत के बीच पानी के बंटवारे के सिद्धांतों से जुड़ी है, और जैसा कि आप जानते हैं कि इसका पश्चिम बंगाल के लोगों की आजीविका को बनाए रखने में बड़ा योगदान है। फरक्का बैराज में जो पानी मोड़ा जाता है, वह कोलकाता बंदरगाह में जहाज के आवागमन को बनाए रखने में मदद करता है।

सीएम अरविंद केजरीवाल को झटका... दिल्ली हाई कोर्ट ने जमानत देने से किया इनकार

एजेंसी/नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को दिल्ली हाई कोर्ट ने बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने उनकी जमानत पर रोक बरकरार रखी है, और अब इस मामले की सुनवाई 10 जुलाई को होगी। केजरीवाल को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने राहत देते हुए 1 लाख के निजी मुचलके पर जमानत दे दी थी लेकिन ईडी इस फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट गई थी, और कोर्ट ने पहले ही दिन केजरीवाल की जमानत को लेकर आई निचली अदालत के फैसले पर रोक लगा दी थी और आज कोर्ट के फैसले के बाद वह रोक फिलहाल बरकरार रहेगी। दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सुधीर कुमार जैन की पीठ ने 20 जून को ट्रायल कोर्ट द्वारा दिए गए अरविंद केजरीवाल के जमानत आदेश पर रोक लगा दी।

ओवैसी ने संसद में लगाया जय फिलिस्तान का नारा

एजेंसी/नई दिल्ली

हैदराबाद से लोकसभा सांसद और एआईएमआईएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष संसद ने असदुद्दीन ओवैसी मंगलवार को उस समय विवादों में आ गए, जब उन्होंने सांसद पद की शपथ लेने के बाद जय फिलिस्तान का नारा लगाया। ओवैसी द्वारा जय फिलिस्तान का नारा लगाने का बीजेपी ने विरोध किया है। बता दें कि मंगलवार को 18वीं लोकसभा के दूसरे दिन असदुद्दीन ओवैसी ने सांसद पद की शपथ ली। शपथ लेने के बाद उन्होंने जय फिलिस्तीन का नारा लगाया। जिसको लेकर विवाद खड़ा हो गया। असदुद्दीन औवैसी जब शपथ लेने आए तो उस समय प्रोटेम स्पीकर के तौर पर राधा मोहन सिंह कुर्सी पर बैठे थे। उसी दौरान शपथ लेकर के बाद उन्होंने ह्यजय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन, अल्लाह हू अकबर का नारा लगाया।

औवेसी के नारा लगाते ही सदन में बैठे बीजेपी सांसदों ने विरोध करना शुरू कर दिया। वहीं जब असदुद्दीन औवेसी से मीडिया ने संसद शपथ के बाद लगाए गए नारे को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि हमने ऐसा कुछ नहीं कहा है। सभी सदस्य पता नहीं क्या-क्या बोल रहे हैं। किसी के लिए कोई रोक नहीं है। औवेसी ने कहा कि मैंने वहां की आवाम की आवाज के तौर पर उनके नारे को बुलंद किया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इमरजेंसी के 50वें वर्ष में प्रेस वार्ता कर कांग्रेस पर किया वार

इमरजेंसी लगा कांग्रेस ने अधिकारों को प्रतिबंधित कर दिया था

केटी न्यूज/लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार के दौरान लगाई गई इमरजेंसी के 50वें वर्ष में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों पर जमकर प्रहार किया। प्रेस वार्ता करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज जब 50 वर्ष के उपरांत हम इमरजेंसी की उन यादों को स्मरण करते हैं तो स्वाभाविक रूप से कांग्रेस में चेहरे बदले होंगे, लेकिन उसका चरित्र और उसके हाव भाव आज भी वही है जो 1975 में था। उस समय कांग्रेस का एक बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था।

कैसे कांग्रेस ने उस समय देश के नागरिकों के मौलिक अधिकारों को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया था। कैसे न्यायालय के अधिकारों को कांग्रेस ने उस समय बंधक बनाकर रख दिया था। और आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही नेतृत्व बदला हो, चेहरा बदला हो, लेकिन उसका चरित्र वही है।

रात के अंधेरे में रची गई थी लोकतंत्र का गला घोंटने की साजिश

सीएम योगी ने कहा कि 50 वर्ष पूर्व आज के ही दिन देर रात्रि एक काला अध्याय लिखा गया था, जब कांग्रेस की तत्कालीन सरकार ने भारत के संविधान का गला घोंटते हुए लोकतंत्र को पूरी तरह समाप्त करने की साजिश रची थी। 25 जून 1975 को रात के अंधेरे में इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार ने कैसे भारत के लोकतंत्र को नष्ट करने का प्रयास किया था। उस समय अटल बिहारी वाजपेई, मोरारजी देसाई, जय प्रकाश नारायण, लाल कृष्ण आडवाणी समेत विपक्ष के सभी नेताओं को जेल में बंद करके लोकतंत्र का गला घोंटने का प्रयास किया था। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का यह तानाशाही पूर्ण रवैया आज या 1975 में ही नहीं, बल्कि आजादी के तत्काल बाद भी देखने को मिला था, जब संविधान को अंगीकार करने के मात्र दो वर्ष के अंदर ही उसने संविधान संशोधन करके धारा 370 को उसमें जबरन डालकर देश की अखंडता को चुनौती देने का प्रयास किया था। इसके उपरांत भी उसने समय-समय पर, कभी मीडिया को प्रतिबंधित करके, कभी अन्य तरीके से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से लोकतंत्र के सभी स्तंभों को कमजोर करने का प्रयास किया था। 25 जून 1975 उसकी पराकाष्ठा के रूप में देश और दुनिया ने देखा है।

ऑनलाइन हाजिरी बननी शुरू, मनमाने ढंग से आनेवाले शिक्षक शिकंजें में

- 2023 के बाद बहाल शिक्षकों की नहीं बनी है आईडी, नये शिक्षक एप से नहीं बना पा रहे उपस्थिति
- अक्षांश-देशांतर सही मिलान नहीं होने के कारण कई शिक्षकों की छूटी उपस्थिति
- एप में हाजिरी बनाने के साथ फोटो भी करना है अपलोड

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग ने नई व्यवस्था के तहत सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की ऑनलाइन हाजिरी बननी मंगलवार से शुरू हो गई। इसको लेकर शिक्षा विभाग की ओर से तैयारी की जा चुकी है। पहले चरण में यानी 25 जून से ऑनलाइन हाजिरी बनाने का कार्य शुरू हो गया। इसमें जिले में सभी प्रकार के हजारों शिक्षकों को शामिल किया गया है। सभी शिक्षकों को पूर्व में ही कहा गया था कि 24 जून तक उन्हें अपना रजिस्ट्रेशन ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर कर लेना है। डीइओ सुभाष कुमार गुप्ता ने सभी बीइओ को यह जिम्मा दिया था कि वे प्रधानाध्यापकों से समन्वय स्थापित कर सभी शिक्षकों का रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर कराना सुनिश्चित करें। सभी प्रधानाध्यापक व शिक्षकों को कहा गया है कि वे प्ले स्टोर से ई-शिक्षाकोष एप अपने मोबाइल में इंस्टॉल कर लें। इसमें अपनी आइडी की मदद से रजिस्ट्रेशन कर लॉगइन करें। शिक्षा विभाग की ओर से कहा गया है कि अब सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले सभी शिक्षकों की हाजिरी एप से ही बनेगी। इसकी मॉनिटरिंग निदेशालय स्तर से की जाएगी। शिक्षक स्कूल पहुंचने के बाद ई-शिक्षाकोष पोर्टल के माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराएंगे। शाम को छुट्टी होने के बाद निकलते समय एप पर मार्क आउट करना होगा। यह एप स्कूल परिसर से 500 मीटर के दायरे में ही काम करेगा। इस एप की मदद से शिक्षक के स्कूल पहुंचने और वहां से निकलने के प्रतिदिन की जानकारी निदेशालय को मिल जाएगी। विलंब होने की स्थिति में निदेशालय सीधे कार्रवाई करेगा।

कई शिक्षकों को ई शिक्षाकोष एप ने दिया धोखा, नहीं बनी हाजिरी

डीइओ ने कहा कि सभी शिक्षकों को अनिवार्य रूप से इस पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर हाजिरी बनाना होगा। इससे मनमाने तरीके से स्कूल आने और जल्दी निकल जाने वाले शिक्षकों पर शिकंजा कसना शुरू हो गया है। जिले के बहुत से शिक्षक मंगलवार को भागम भाग की स्थिति में अपने विद्यालय पहुंचे। शिक्षक नियत समय पर अपने विद्यालय तो पहुंच गए लेकिन पहुंचने के बाद ई शिक्षाकोष एप ने उन्हें धोखा दे दिया। विद्यालय में नियत समय पर पहुंचने के बाद ऐप खुल नहीं रहा था। बहुत से शिक्षक एप में अपनी उपस्थिति नहीं बना पाए जिसका प्रमुख कारण नेटवर्क, लोकेशन और एप का लॉगिन नहीं होना रहा। ऐसे में शिक्षकों पर लगाम लगना शुरू हो गया है। हालांकि पहले दिन कई शिक्षकों का एप नहीं खुल पाया था। कुछ का नेटवर्क नहीं मिल रहा था। तो कई का अक्षांश-देशांतर सही नहीं मिल पा रहा था। जिस कारण ऐसे शिक्षक अपनी उपस्थिति नहीं बना सके। नये नियम के तहत उपस्थिति के साथ फोटो अपलोड करना है।

नीट पेपरलीक केस के 13 गिरफ्तार आरोपियों को नहीं मिली जमानत

केटी न्यूज/पटना

पटना व्यवहार न्यायालय ने मंगलवार को कथित पेपरलीक केस के 13 गिरफ्तार आरोपियों को जमानत नहीं दी। इस केस की सुनवाई एडीजे 5 राजेंद्र कुमार सिंह के कोर्ट में हुई। सरकारी वकील ने बताया कि कथित पेपर लीक केस अब सीबीआई के पास चला गया है। इसके बाद एडीजे 5 ने आदेश दिया कि ऑर्डर पेपर के साथ दें। इसके बाद इस मामले की सुनवाई सीबीआई की विशेष अदालत में होगी। कोर्ट ने दो जुलाई को अगली सुनवाई की तारीख दी है। इतना ही नहीं कथित पेपरलीक केस मुख्य आरोपी नालंदा निवासी संजीव मुखिया की अग्रिम जमानत याचिका पर भी कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने संजीव मुखिया केस की सुनवाई करने की अगली तारीख 15 जुलाई को दी है। यानी 15 जुलाई को ही पता चल पाएगा कि संजीव मुखिया जेल जाएंगे या बेल पर बाहर रहेंगे। फिलहाल बिहार पुलिस उसकी तलाश में छापेमारी कर रही है। वहीं दिल्ली से पहुंचे सीबीआई के अधिकारियों ने ईओयू के एडीजी के साथ मीटिंग की।

भाजपा ने कहा...नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में लड़ेंगे और अपार बहुमत करेंगे प्राप्त

भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व ने किया साफ... विस चुनाव में रहेगा नीतीश का ही चेहरा

- डिप्टी सीएम पूर्व में ही कह चुके हैं सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जाएगा अगला विधानसभा चुनाव

केटी न्यूज/पटना

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में भले ही भारतीय जनता पार्टी के पास सबसे ज्यादा विधायक हो। लेकिन विधानसभा चुनाव वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ेगी। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने फिर से यह बात स्पष्ट कर दी है। 2020 के विधानसभा चुनाव में जिस तरह से एनडीए उम्मीदवार सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरे थे, उसी तरह इस बार यानी 2025 के चुनाव में भी उतरेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पहले भी यह बात साफ कर चुके हैं। उनकी बात को दोहराते हुए अब भाजपा के वरीय नेता नीरज कुमार ने कहा कि 2025 का विधानसभा चुनाव हमलोग नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में लडेंगे और अपार बहुमत के साथ सरकार बनायेंगे। हमारी पार्टी के केंद्रीय और राज्य नेतृत्व दोनो का यही फैसला है। सम्राट चौधरी ने पहले ही बताया किसके साथ लड़ेंगे चुनाव भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी कि बिहार में भाजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही आगे भी रहेगी। लोकसभा सीट बंटवारे के समय सीट घटाए जाते समय ही भारतीय जनता पार्टी की ओर से जनता दल यूनाइटेड को इस बात का आश्वासन दिया गया था और बाकी घटक दलों ने भी उसी को देखते हुए कम सीटों पर समझौता किया था। लोग लगातार सवाल कर रहे थे कि क्या 2025 के विधानसभा में भाजपा सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाड़ लड़ेगी। इस सवाल का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि इसमें दिक्कत क्या है। बिहार में 1996 से नीतीश कुमार के नेतृत्व में भाजपा चुनाव लड़ रही है और आगे भी लड़ती रहेगी। नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए ने अपनी जीत दर्ज की है। जनता का भरोसा आज भी एनडीए पर ही है। नीतीश कुमार आज भी सबकी पंसद है। वह सूबे का विकास करने में पूरी तरह से सक्षम है। इसलिए वहीं चेहरा रहेंगे।

पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान दिए गए 826 करोड़ रु. के 350 ठेकों को किया गया रद्द

केटी न्यूज/पटना

बिहार की एनडीए सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति के लिए राज्य की पिछली 'महागठबंधन' सरकार के दौरान दिए गए 826 करोड़ रुपये के 350 ठेकों को रद्द कर दिया है। एजेंसी के मुताबिक यह जानकारी एक मंत्री ने मंगलवार को दी है। उन्होंने कहा कि ठेकों को रद्द करने का फैसला लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग की जांच के बाद लिया गया, जिसमें पता चला कि ठेकेदारों के चयन की प्रक्रिया में अनियमितताएं थीं। एजेंसी के मुताबिक पीएचईडी मंत्री नीरज कुमार सिंह ने बताया, राज्य में पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान विभाग ने कई ठेके दिए थे। विभाग की जांच में पता चला कि 826 करोड़ रुपये के 350 ठेके देने में उचित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। ये ठेके ग्रामीण जलापूर्ति से संबंधित थे, जिसमें हैंडपंप और मिनी जलापूर्ति प्रणाली लगाना शामिल था। उन्होंने कहा कि विभाग ने प्रारंभिक जांच रिपोर्ट राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी को सौंप दी है। रिपोर्ट मिलने के बाद मैंने हाल ही में विभाग के सीनियर अधिकारियों की मीटिंग बुलाई और बाद में निरस्तीकरण आदेश जारी कर दिया गया। जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। राज्य में पिछली महागठबंधन सरकार के दौरान आरजेडी नेता ललित यादव पीएचईडी मंत्री थे।

तेजस्वी ने कहा ...एनडीए के शासन काल में पिछले 3 दिनों में 33 अपराधिक घटनाएं घटीं, पीएम चुप क्यों

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार की लगभग सभी जनसभाओं में लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के शासनकाल को जंगल राज बताते हुए इसके दोहराव को रोकने की अपील की थी। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन ने बिहार की 40 में से 30 सीटें जीत भी लीं। अब बिहार में विधानसभा चुनाव की तैयारी है। इस तैयारी के बीच बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता और राज्य के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा है कि क्या उन्हें जंगल राज के जंगली सपना सिर्फ चुनावी सभाओं के दौरान तेजस्वी यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से पूछा है कि क्या उन्हें जंगल राज के जंगली सपने सिर्फ चुनाव के दौरान आते हैं। तेजस्वी ने तीन दिनों में बिहार के अंदर 33 बड़ी आपराधिक घटनाओं की सूची सौंपते हुए यह सवाल पूछा है। आपके पावन मुखारविंद से सूबे में दिन दुगुनी रात चौगुनी वृद्धि कर रहे रिकॉर्डतोड़ अपराध पर दो शब्द निंदा की अपेक्षा है। वैसे भी सभी न्यायप्रिय एवं विवेकशील बिहारी कहते हैं कि आपको चुनाव के वक्त ही जंगलराज के जंगली सपने आते है। आपकी जानकारी और संज्ञान के लिए दिन की आपराधिक घटनाओं की दर्दनाक अल्प सूची सांझा कर रहा हूं।

गया बाल सुधारगृह में बाल कैदी ने लगाई फांसी, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

केटी न्यूज/गया

गया जिले में सोमवार की देर शाम बाल सुधार गृह में एक बाल कैदी की मौत हो गई। बाल कैदी की पहचान अमित राज डेल्हा थाना क्षेत्र के बैरागी मोहल्ला निवासी राजेश पासवान के पुत्र अमित राज (17) के रुप में हुई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया।

पुलिस का कहना है कि बाल कैदी अमित राज जान लेवा हमला मामले में बाल गृह में कैद था, जिसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। हालांकि परिजनों का आरोप है कि अमित राज की हत्या की गई है। घटना के संबंध में रामपुर थानाध्यक्ष रवि कुमार का कहना है कि डेल्हा थाना क्षेत्र के बैरागी मोहल्ले का रहने वाला अमित राज उर्फ टकला ने बाल सुधार गृह के बाथरूम में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। सूचना मिलने पर बाल कैदी को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज लाया गया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

उन्होंने कहा कि परिजनों के शिकायत पर मामले की छानबीन की जा रही है। घटना के बाद बाल सुधार गृह प्रशासन ने बाल कैदी अमित राज की फांसी लगाने की सूचना के बाद आनन-फानन में बाल कैदी को इलाज के लिए अनुग्रह नारायण मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया, जहां डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। मौत की जानकारी होते ही परिजनों में हड़कंप मच गया। परिजन अस्पताल में ही हंगामा करने लगे। कुछ देर तक अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में अफरातफरी का माहौल बना रहा। परिजनों का कहना है कि मेरे बच्चे की हत्या की गई है। हालांकि अस्पताल प्रशासन के समझाने के बाद आक्रोशित परिजन शांत हुए। थानाध्यक्ष ने कहा कि आप आवेदन दीजिये, मामले की जांच की जाएगी।

बेतिया में हत्या मामले में पति-पत्नी सहित दो बेटों को उम्रकैद

पटना। बेतिया में हत्या मामले में न्यायालय के एक फैसले ने इलाके में सनसनी पैदा कर दी है। दरअसल, हत्या के एक मामले की सुनवाई पूरी करते हुए एडीजे पुष्पा कुमारी ने कांड के नामजद पति-पत्नी और उसके दो बेटो को दोषी करार देते हुए चारों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। सभी सजायाफ्ता योगापट्टी थाना क्षेत्र के पिपरा नौरंगिया पांडेय टोला निवासी हैं। जानकारी के मुताबिक, योगापट्टी के पिपरा नौरंगिया पांडेय टोला में जमीन के विवाद को लेकर धनंजय पांडेय की हत्या की गई थी। घटना के दिन आरोपी संजय पांडेय ने सुबह अपने चाचा धनंजय पांडेय के घर पहुंचकर धमकी दी कि पोखरा वाली जमीन हमारी है। उसे छोड़ दो अन्यथा अंजाम बुरा होगा। इसके बाद दोपहर दो बजे दिन में आरोपी हथियार लेकर धनंजय पांडेय के दरवाजे पर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर धनंजय पांडेय की हत्या कर दी।

एक दिवसीय दौरे पर बेगूसराय पहुंचे कृषि मंत्री मंगल पांडेय ने कांग्रेस पर साधा निशाना

पूर्व पीएम इंदिरा गांधी ने देश को फिर से गुलाम बनाने की नीयत से लगाया था आपातकाल: पांडेय

केटी न्यूज/पटना

बिहार सरकार के स्वास्थ्य एवं कृषि मंत्री मंगल पांडे बेगूसराय के प्रभारी मंत्री बनने के बाद मंगलवार को एक दिवसीय दौरे पर बेगूसराय पहुंचे। इस दौरान भाजपा कार्यकताओं ने मंत्री मंगल पांडे का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान मंत्री मंगल पांडे ने कार्यकताओं के साथ एक बैठक की। बैठक के दौरान कार्यकताओं ने सम्मान समारोह का भी आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के बाद कार्यकताओं के साथ मंत्री मंगल पांडे ने 25 जून को आपातकाल विरोध दिवस के रूप में भी मनाया। इस दौरान सभा में मंत्री मंगल पांडे ने कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार है। लगातार विकास की गंगा बह रही है। देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पूरे देश में विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज पूरे 50 साल हुए हैं, यह संपूर्ण क्रांति आपातकाल के खिलाफ थी। इस आपातकाल को हम काला कानून मानते हैं, जिस दिन यह आपातकाल लागू हुआ था उस दिन से काला दिन मानते हैं। वह दिन 25 जून था और 25 जून को आज हम सब लोग आपातकाल लागू किए जाने को लेकर इकट्ठा हुए हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि आज का दिन हम लोग काला दिवस के रूप में मनाते हैं। मंत्री मंगल पांडे ने इस दौरान कांग्रेस पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि श्रीमती इंदिरा गांधी ने देश की प्रधानमंत्री रहते हुए, इस देश की आजादी की लड़ाई लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों की चिंता न करते हुए, 47 में देश को कितने संघर्ष के बाद जो आजादी मिली थी उसकी चिंता न करते हुए एक बार फिर से इस देश को गुलाम बनाने के लिए आपातकाल लागू किया था। उन्होंने कहा कि आपातकाल का मतलब लोकतंत्र खत्म करना चाहती थीं श्रीमती इंदिरा गांधी जी। 1975 में देश में आपातकाल लगाकर लोकतंत्र की हत्या की थी। इसलिए कांग्रेस के लोगों को आज के दिन पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए।

इस दौरान मंगल पांडे ने आपराधिक घटनाओं को लेकर कहा कि जब लालू का राज बिहार में था तो उस समय खुलेआम हत्या होती थी। उनके आवास से ही आपराधिक घटना की रचना की जाती थी। उस पर क्यों नहीं तेजस्वी यादव बोलते हैं। उस समय को क्यों नहीं याद करते हैं तेजस्वी यादव। इसलिए बिहार में कानून का राज्य है और कानून के राज्य में कोई नहीं बच सकता है। वहीं, नीट परीक्षा 2024 में हुई धांधली (पेपर लीक) को लेकर मंगल पांडे ने कहा कि जांच चल रही है। जो दोषी है उस पर कार्रवाई भी की जा रही है। इसमें जो दोषी पाए जाएंगे उनको बख्शा नहीं जाएगा।

चौसा के युद्ध ने बदल दिया था दिल्ली का तख्त, जान बचाकर भागे थे हुमायूं

केटी न्यूज/बक्सर

♦ 485 वर्ष पहले का एक पल का कारनामे की वजह से चौसा का भिस्ती बन गया था एक दिन का राजा

अफगानी शासक शेरशाह व मुगल शासक हुमायूं के बीच चौसा में हुए युद्ध के एक पल के कारनामे में चौसा के मामूली भिस्ती की जीवन ही बदल दिया। इस कार्य से खुश होने के बाद मुगल शासक ने छह वर्ष बाद उसे एक दिन का राजा बना दिया था। जिसने एक दिन की मिली बदशाहीयत में चमड़े का सिक्का चलाया। जो आज भी संग्रहालय में भिस्ती निजामुद्दीन की यादें ताजा कर देता है।

जी हम बात कर रहे हैं 485 वर्ष पूर्व उस ऐतिहासिक गाथा की जो चौसा में 26 जून 1539 को हुई थी। इस युद्ध ने जहा दिल्ली का तख्त बदल दिया था। वर्षो से चल रहे मुगल शासक की गद्दी पर इस युद्ध की बदौलत अफगानी शासक शेरशाह ने कब्जा जमा लिया। वही इस युद्ध मे हार के बाद मुगल शासक को जान बचा भागना पड़ा था। जिस अफगान शासक शेरशाह ने मुगल शासक हुमायूँ को गोरिल्ला युद्ध के तहत मात दी थी। इस युद्ध में 8000 आमीर सैनिकों की मौत हुई थी। इस युद्ध मे मुगल शासक की तीन रानिया भी मौत के आगोश में समा गयी थी। जिसमे हुमायूं की खास रानी हुमा भी शामिल थी। वही हुमायूं गंगा नदी में कूद कर जान बचाने के प्रयास में डूबने लगा था। जिसको चौसा के भिस्ती निजामुद्दीन ने मशक के सहारे हुमायूं की जान बचाई थी। शेरशाह के शासनकाल के बाद दुबारा हुमायूं के गद्दी पर बैठने के बाद चौसा की कहानी की याद आयी। जिसने भिस्ती निजामुद्दीन को बुलावा भेज बुलाया और उसने निजामुद्दीन को एक दिन के लिए राजा घोषित की।

इस ऐतिहासिक स्थल की मीडिया के प्रभाव पर लीडर शिप के निर्देश पर पुरातत्व विभाग द्वारा खुदाई कराई गई। खुदाई के दौरान मिले अवशेषों व प्राचीनतम मूर्तियों से इसकी पहचान 5000 वर्ष से भी पुरानी थी। खुदाई में मिली मूर्तियां पटना संग्रहालय में रखी गयी है। जहा बताया गया कि जब म्यूजियम का निर्माण होगा तो खुदाई में मिले सारे अवशेष व मूर्तियां यही रखी जानी है।

इधर बात करे तो सबसे पहले ग्रामीणों की मांग पर तत्कालीन डीएम संदीप पौन्ड्रिक ने इस स्थल पर शिलापट्ट के साथ गेस्ट हाउस बनवाया, लेकिन वर्ष 2010 में पुरातत्व विभाग की खुदाई के दौरान गेस्ट हाउस को तोड़ दिया गया। वर्ष 2012 में सेवा यात्रा के तहत मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ऐतिहासिक स्थल पर पहुंचे जहा इसके विकास की कई बातें कही गई। मगर, स्थल के सवारने की बात बेमानी रही।

वर्ष 2021 में विरासत सवारने के लिए पहल की गई। जिला प्रशासन द्वारा पर्यटकों को लुभाने हेतु मनरेगा योजना के तहत 37 लाख की लागत से सौंदर्यीकरण के कई योजना पर काम किया गया। लगभग चार करोड़ की लागत से शेरशाह युद्धस्थली का सौंदर्यीकरण हेतु जून माह प्रथम किश्त का एलाटमेंट भी कर दिया गया। जिसको पूरा करने की अवधि 12 माह तय की गई थी। लेकिन, कार्य गति धीमी होने से विकास की रफ्तार भी धीमी है। राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा तीन करोड़ नवासी लाख सतहत्तर हजार रुपये से ऐतिहासिक मैदान में चहारदीवारी का जीर्णोद्धार, टिकट कक्ष, शौचालय, मुक्त खड़े चबूतरे का कार्य, मुख्य द्वार व पिछला द्वार, पार्क का जीर्णोद्धार, कंक्रीट सड़क, लैंड स्केपिंग, गुड अर्थ, सैंड स्टोन से पाथवे, पार्क में दस बेंच तथा 35 सोलर लाइट इत्यादि लगाई जानी है।

एक नजर

योग को बढ़ावा देने के लिए डोनेट किया तिरपाल

डुमरांव। योग को बढ़ावा देने के लिए पिछले लंबे समय से प्रयासरत योग शिक्षक सह व्याख्याता संजय कुमार सिंह का प्रयास अब रंग लाने लगा है। उनके प्रयास से अब शहर के शहीद पार्क में हर सुबह दर्जनों महिलाएं नियमित योगाभ्यास करने आ रही है। हालांकि पार्क में उन्हें खाली जमीन पर बैठ योग के अलग-अलग आसनों का अभ्यास करना पड़ता था। जिसे देखते हुए योग शिक्षक ने महिलाओं के बीच तिरपाल वितरित किया है। अब यहा योगाभ्यास करने आने वाली महिलाओं को तिरपाल पर बैठ अभ्यास करने की सुविधा मिल गई है। जिससे उनमें उत्साह व्याप्त है। तिरपाल वितरित करने के बाद संजय ने कहा कि किसी की सहायता करना सबसे बड़ा धर्म है और किसी को दान देना सबसे महान कार्य है। मौके पर कोमल कुमारी, आशा देवी, श्रेया देवी, दुर्गावती देवी, माधुरी देवी, सुनीता देवी, संगीता कुमारी, सहित शांति महिला विकास समिति एवं नेहरू विकास समिति के सदस्य मौजूद रहे।

व्यवसायी के घर से 2.5 लाख नगद समेत लाखों के आभूषण चोरी, जांच में जुटी पुलिस

राजपुर। स्थानीय थाना क्षेत्र के भलुहा गांव के एक व्यवसायी के घर से अज्ञात चोरों ने ढाई लाख नगद समेत लाखों रूपए मूल्य के आभूषण उड़ा लिए और आसानी से चंपत हो गए। घर के सदस्यों की सुबह नींद खुली तो खुले दरवाजे व अस्त-व्यस्त सामानों को देख भौचक हो गए। इस घटना की सूचना पुलिस को दी गई। जहा पुलिस पहुंच मामले की छानबीन की जा रही है। घटना सोमवार की रात्रि की है। बताया जाता है कि जहां किराए के मकान में रह रहे व्यवसायी सोनू साह भलूहा में रहकर व्यवसाय करता है। तथा व्यवसाय को विस्तार करने के लिए किसी बैंक से लोन लेकर ढाई लाख रुपए की निकासी की थी। वह प्रतिदिन की तरह सोमवार की रात्रि खाना खाकर घर के सभी सदस्य छत पर सोने चले गए। तथा मंगलवार के अहले सुबह जब स्वजनों की नींद खुली तो घर के दरवाजे खुले व बिखरे पड़े सामानों को देख भौचक हो गए। इस दौरान वह रखे रुपयों व आभूषणों को गायब देखा तो उनके होश उड़ गए। परिवार के अन्य सदस्य चीखने-चिल्लाने लगे। इस घटना की जानकारी के बाद आसपड़ोस के लोगों की भीड़ लग गई। इसकी सूचना राजपुर थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने चोरी की घटना की छानबीन में जुट गई। हालांकि, खबर लिखे जाने तक प्राथमिकी दर्ज नही हो पाई थी। वही, चोरी की इस वारदात के बाद ग्रामीणों में भय व्याप्त है।

परिवार नियोजन जनसंख्या स्थितिकरण को लेकर प्रखंड में चलाया जाएगा अभियान

डुमरांव। स्थानीय पीएचसी के सभागार में परिवार नियोजन जनसंख्या स्थितिकरण दिवस को लेकर मंगलवार को एक बैठक आहूत की गई। बैठक में उपस्थित स्वास्थ्य कर्मियों, आशा फैसिलेटरों, सेविकाओं सहित विकास मित्रों को बताया गया की आपकों गांव-गांव घुमकर लोगों को इसके लिए जागरूक करना है। परिवार नियोजन के जो सुरक्षित स्थायी य अस्थायी उपाय हैं, उसे बताना है। नसबंदी के ऑपरेशन को भी सही से जानकारी देनी है। यह पखवाड़ा 11 से 31 जुलाई तक चलेगा। इससे पहले गांव के मोहल्लों में जाकर घर-घर पुरूष व महिलाओं से मिलकर उन्हें सारी बातों से अवगत कराना है। महिलाओं का बंध्याकरण की अपेक्षा पुरूष नसबंदी का ऑपरेशन आसान है। इसलिए कोई भी पुरूष या महिला स्थायी उपाय के लिए करा सकता है। बहुत से अस्थायी उपाय भी हैं, जिसे खाकर या लगाकर जनसंख्या पर रोक लगाया जा सकता है। यह सारे उपाय निःशुल्क है। एक खुशहाल जिंदगी जीने के लिए किसी भी उपाय को अनाया जा सकता है। मौके पर पीएचसी प्रभारी डा. आरबी प्रसाद, बीडीओ राकेश पांडेय, बीईओ, सीडीपीओ, प्रखंड स्वाथ्य प्रबंधक, प्रखंड प्रसार पदाधिकारी, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी सहित अन्य मौजूद रहे।

अस्पतालों में जल्द मिलेगी विशेषज्ञ चिकित्सकों की सेवा : सिविल सर्जन

चौसा। मंगलवार को सिविल सर्जन डॉ. सुरेश चंद्र सिन्हा ने चौसा सीएचसी का निरीक्षण किया। वे सीएचसी के नये भवन में स्थानांतरित होने के बाद पहली बार निरीक्षण करने पहुंचे, जहा सभी कक्ष व कार्यों का निरीक्षण किया साथ ही बैठक कर चिकित्सकों व कर्मियों को दिशा निर्देश दिया। सीएस सुरेश चंद्र सिन्हा डीपीएम वीपी सिंह के साथ दोपहर बाद चौसा सीएचसी पहुंचे थे। हालांकि, निरीक्षण को लेकर अस्पताल कर्मियों में पहले से तैयारी की गई थी। जहा वे पहुंचते नए भवन में सभी कक्ष का बारी-बारी से भ्रमण कर मुआयना किया गया। उन्होंने कहा अब अस्पताल में पर्याप्त कक्ष है बशर्ते इसके मेंटनेंस करते रहना होगा, इस पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इस दौरान प्रभारी चिकित्सक डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव ने मानव बल यानी अस्पताल में ड्रेसर, वार्ड ब्वाय, जीएनएम, महिला चिकित्सक के अलावा डाटा कर्मी आदि जरूरत की बात कही गई। तो उन्होंने कहा इसके लिए राज्य में इस सूचना से अवगत कराया जाएगा। जबकि, अन्य समस्या डाटा ऑपरेटर आदि अन्य जरूरत को जल्द व्यवस्थित किया जाएगा। सीएस ने सभी पूर्व के कागजात व फाइलों की जांच कर कई दिशा निर्देश दिए गए।

सीएस ने बताया कि पूरे जिले में महिला चिकित्सक व चिकित्सक की कमी है। यहां इतने बड़े अस्पताल का निर्माण कराया गया है तो ल्द विशेषज्ञ चिकित्सक उपलब्ध कराए जाएंगे।

10 दिन पहले ही दुबई के लिए घर से गया था मृतक, साथ रह रहे युवक ने दी सूचना

काजीपुर के कामगार की दुबई में हुई इलाज के दौरान मौत, पसरा मातम

♦ दुबई के जबलाली स्थित अलबस्ति कंपनी में बतौर सेटरिंग कारपेंटर करता था काम, छोटा भाई मॉरीशस में रह करता है मजदूरी

केटी न्यूज/सिमरी

घटना की सूचना मिलने के बाद घर पर जुटे ग्रामीण।

स्थानीय थाना क्षेत्र के काजीपुर गांव निवासी एक कामगार की दुबई में मौत हो गई है। इसकी जानकारी मिलते ही मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया है। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मृतक अभी 15 जून को ही घर से दुबई के लिए चला था और 18 जून को वहां पहुंचा था। इसी बीच 24 जून को बुखार लगने से उसकी मौत हो गई। उसके साथ रह रहे पड़ोसी गांव दुरासन के एक युवक ने घरवालों को इस मनहूस घटना की जानकारी दी। बाद में कंपनी वालों ने भी घरवालों को अपने स्तर से इतला किया तथा दो दिन बाद शव भेजने का आश्वासन दिया है। मृतक की पहचान काजीपुर के महेन्द्र सिंह के 41 वर्षीय पुत्र मनोज सिंह के रूप में हुई है। परिजनों की मानें तो वह एक दशक से खाड़ी देशों में रह रहा था।

वर्तमान में वह दुबई के जबलाली इलाके में स्थित अलबस्ति कंपनी में बतौर सेटरिंग कारपेंटर काम करता था। उसका छोटा भाई शोभनाथ भी अभी मॉरीशस में रह मजदूरी करता है। जबकि बड़ा भाई भोला सिंह मध्य प्रदेश के कंपनी में रह जीविकोपार्जन करता है। भाई की मौत की खबर सुन भोला गांव आ चुका है। जबकि शोभनाथ भी मॉरीशस से चलने की तैयारी कर रहा था। मनोज की मौत की खबर से गांव में भी मायूसी छाई है।

मनोज सिंह (फाइल फोटो)

पति की मौत के बाद सदमे में है पत्नी : ग्रामीणों ने बताया कि शोभनाथ शादीशुदा था। उसे एक लड़का तथा एक लड़की भी है। लड़की निधि बड़ी है जो इंटर में पढ़ती है। वहीं उनका लड़का सूरज मैट्रिक का छात्र है। पिता की मौत की जानकारी मिलने के बाद से दोनों का रो रोकर बुरा हाल है। वहीं, पति की मौत की खबर सुनने के बाद पत्नी संगीता देवी के आंसू थमने के नाम नहीं ले रहे है। कमाऊ बेटे के मौत से परिवार पर मानो गम का पहाड़ टूट पड़ा है। दूसरी ओर, बूढ़े पिता महेन्द्र का जैसे बुढ़ापे का सहारा ही खत्म हो गया है।

जंगली सुअर के हमले में जख्मी किसान की इलाज के दौरान मौत

केटी न्यूज/ब्रह्मपुर

ब्रह्मपुर थाना क्षेत्र के गरहथा खुर्द गांव में एक जंगली सुअर के हमले में गंभीर रूप से जख्मी एक किसान की इलाज के दौरान मौत हो गई है, जबकि दूसरा गंभीर रूप से जख्मी हो इलाजरत है। घटना उस वक्त हुई जब भरी दोपहरी किसान गांव से थोड़ी दूर बधार में अपने मवेशियों को चरा रहा था।

इसी दौरान अचानक एक जंगली सुअर आ गया तथा मवेशियों को काटने लगा। जिसे बचाने के लिए किसान बृजनाथ यादव उम्र 55 वर्ष अपनी लाठी लेकर सुअर से भिड़ गये। इस दौरान सुअर ने उन्हें लहूलुहान कर दिया और भागने के क्रम में एक अन्य ग्रामीण हरिकीर्तन पासवान को भी जख्मी कर दिया। बाद में परिजन उन्हें इलाज के लिए पटना ले गए, जहां इलाज के दौरान ही उनकी मौत हो गई। इस घटना के बाद ग्रामीण जंगली सुअर के आतंक से सहमें हुए है। ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी है। हालांकि समाचार लिखे जाने तक वन विभाग की टीम जंगली सुअर का रेस्क्यू करने नहीं पहुंची थी। इधर ग्रामीण इस कदर भयजदा है कि बधार में मवेशियों को चराना छोड़ दिए है। अधिकतर लोग सुअर के डर से अपने बच्चों को भी घर से बाहर नहीं निकलने दे रहे है। वही, इस घटना के बाद से मृतक के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। गौरतलब है कि दियारे इलाके में अक्सर जंगली सुअर का आतंक किसानों को झेलना पड़ता है।

फर्जी प्रमाण पत्र पर नौकरी करने वाले तीन शिक्षक बर्खास्त, शिक्षकों में हड़कंप

केटी न्यूज/बक्सर

♦ लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के निर्देश पर डीईओ ने किया है बर्खाश्त

लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी द्वारा कराए गए जांच में ब्रह्मपुर अंचल के विभिन्न विद्यालयों के तीन शिक्षकों का प्रमाण पत्र फर्जी मिला है। जिसके बाद लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी के निर्देश पर जिला शिक्षा पदाधिकारी अनिल कुमार द्विवेदी ने तीनों शिक्षकों को बर्खाश्त कर दिया है। इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। बर्खास्त शिक्षकों मे भरत कुमार यादव कन्या मध्य विद्यालय गायघट, उमेश प्रसाद मध्य विद्यालय बड़की नैनीजोर एवं राम प्रवेश यादव मध्य विद्यालय चंद्रपुरा शामिल है।

तीनों शिक्षकों के शैक्षणिक प्रमाण पत्रों को फर्जी करार देते हुए सुनिल कुमार नामक व्यक्ति ने जिला लोक शिकायत में मामला दर्ज कराया था। जिसके बाद जांच शुरू की गई। जांच में तीनों के सर्टिफिकेट के साथ छेड़छाड़ का मामला सामने आया। जिसके बाद लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी ने जिला शिक्षा पदाधिकारी को बर्खाश्त करने का फैसला सुनाया। जिसको देखते हुए तीनों शिक्षकों पर कार्रवाई की गई है। लोक शिकायत पदाधिकारी के न्यायालय मे सुनवाई के दौरान तीनों पर लगे आरोपों को सही पाया गया है। तीनों की सर्टिफिकेट में छेड़छाड़ किया गया है। फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर वे लोग विद्यालय में कार्यरत थे। विभाग उनपर कार्रवाई में जुटा है।

147 प्राथमिक व मध्य विद्यालयों में से मात्र 58 में बना ऑनलाइन हाजिरी

डुमरांव। ऑनलाइन हाजिरी बनाने शिक्षक नहीं दिखा रहे रूचि। डुमरांव प्रखंड में कुल 147 प्राथमिक और मध्य विद्यालयों में 1082 शिक्षक पदस्थापित हैं। शिक्षा विभाग के नये आदेश के आलोक में सभी शिक्षकों को ऑनलाइन फीजिकली हाजिरी बनाना है। आदेश के आलोक में मंगलवार को बीआरपी ओमप्रकाश राय ने इसकी जानकारी देते हुए बताया की बहुत कम शिक्षकों ने ऑनलाइन हाजिरी बनाया है। ऑलाइन हाजिरी मात्र 128 ने ही बनाया है। ऐसे में सहज अनुमान लगया जा सकता है कि ऑनलाइन हाजिरी बनाने में शिक्षक कितना सक्रीयता दिखा रहे हैं। बता दें कि प्रखंड के 147 स्कूलों मात्र 58 स्कूल के शिक्षकों ने फीजिकली अपनी हाजिरी ऑनलाइन बनायी है। हालांकि यह तीन महीने के लिए इसे ट्रायल में रखा गया है। शिक्षा विभाग इस ऑनलाइन के पिछे यह देखना चाहता है कि शिक्षकों की उपस्थिति ऑनलाइन बनाए जाने से शिक्षकों की गैरहाजिर होने और विलंब से पहुंचने में कितनी कमी आती है। शिक्षकों का स्कूलों में उपस्थिति बढ़ती है तो बच्चों और अभिभावकों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है। तीन महीने के ट्रायल में सारी जानकारी छनकर सामने आ जाती है। अभिभावकों का कहना है कि सरकार को इसे लागू कर देना चाहिए।

धारा प्रवाहित तार की चपेट में आने से किसान की मौत

केटी न्यूज/चौसा

♦ जानवरों से फसलों को बचाने के लिए मेड़ पर लगाया था धारा प्रवाहित तार, एक गिरफ्तार

चौसा अंचल के सगरा मौजा में खेतों में डाले धान का बिचड़ा देख-रेख व खाद डालकर कर घर वापस लौट रहे एक अधेड़ किसान की खेतों की मेड़ पर बिछाए गए धारा प्रवाहित तार की चपेट में आने से मौत हो गई। जबकि, उनके साथ आ रहे दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी पर पहुंचे स्थानीय ग्रामीणों ने घायल युवक को आनन-फानन में निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज किया जा रहा है। वही, इस घटना के बाद परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। इस घटना की जानकारी राजपुर थाना को दी गई। जहा पहुंची पुलिस शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेज दी गई। इस घटना में पुलिस ने मेड़ पर करंट दौड़ाए एक युवक को हिरासत में ले थाने ले गई। हालांकि, इस मामले में अभी कोई प्राथमिकी दर्ज नही कराई गई।

राजपुर थाना क्षेत्र के सोनपा निवासी सिपाही कुशवाहा(55 वर्ष) पिता मथुरा कुशवाहा और जलीलपुर निवासी 35 वर्षीय शिव शंकर राय सगरा मौजा स्थित अपने खेत में धान का बिचड़ा डाले थे उसमें खाद डालने के लिए गए हुए थे। खाद डालने के बाद वे दोनों घर लौट रहे थे। इसी बीच कुछ ही दूरी पर उसी गांव के अजीत राय के द्वारा खेतों में धान का बिचड़ा डाला गया था। जिसके मेड़ के चारों तरफ पशुओं से सुरक्षा के लिए धारा प्रवाहित नंगा तार दौड़ाया था। इसी बीच करंट लगे तार के पास सिपाही कुशवाहा पैर फिसल गया, जिससे वह करंट के चपेट में आ छटपटाने लगा। यह देख शिव शंकर राय उन्हें बचाने का प्रयास किया मगर, उन्हें करंट का झटका लगा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि, सिपाही कुशवाहा की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। इस घटना की जानकारी के बाद पहुंचे ग्रामीणों ने शिव शंकर राय को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। इधर घटना की जानकारी के बाद पहुंची राजपुर पुलिस द्वारा पंचनामा तैयार कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। इस घटना के बाद परिजनों का आरोप है कि अजीत राय द्वारा जानबूझकर खेत में अपने डाले गए बिछड़ के चारों तरफ करंट दौड़ाया गया था जो कि यह अपराध की श्रेणी में आता है। वही पुलिस अजीत राय को गिरफ्तार कर थाने ले गई।

प्रखंड स्तरीय खरीफ प्रशिक्षण कार्यक्रम केसठ में आज, घुमाया गया जागरुकता रथ

किसानों को दी जाएगी जानकारी, बनाया जाएगा दक्ष

♦ कार्यक्रम में जिला व प्रखंड स्तरीय कृषि पदाधिकारी एवं कर्मी रहेंगे उपस्थित

केटी न्यूज/केसठ

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंध अभिकरण आत्मा बक्सर के तत्वावधान में प्रखंड स्तरीय खरीफ प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। खरीफ महा अभियान 2024 के तहत आज बुधवार को केसठ प्रखंड मुख्यालय पर प्रखंड स्तरीय खरीफ कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर मंगलवार को ही प्रखंड अंतर्गत सभी पंचायतों में प्रभारी प्रखंड कृषि पदाधिकारी दिलीप कुमार सिंह के नेतृत्व में जागरूकता रथ के माध्यम से किसानों को जागरूक किया गया। इस मौके पर प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉक्टर प्रफुल्ल कुमार, लेखापाल प्रफुल्ल कुमार, किसान सलाहकार विजय कुमार आदि मौजूद रहे।

इस संबंध में जानकारी देते हुए प्रभारी प्रखंड तकनीकी प्रबंधक डॉक्टर प्रफुल्ल कुमार ने बताया कि 26 जून दिन बुधवार को केसठ प्रखंड मुख्यालय पर प्रखंड स्तरीय खरीफ कर्मशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होना है। जिसको लेकर मंगलवार को प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में जागरूकता रथ के माध्यम से किसानों को जागरूक किया गया और किसानों से अपील किया गया कि अधिक से अधिक संख्या में खरीफ प्रखंड स्तरीय खरीफ महोत्सव सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाएं। इस कार्यक्रम में जिले से लेकर प्रखंड स्तरीय कृषि पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहेंगे। इस दौरान किसानों को खरीफ योजनाओं की जानकारी एवं प्रशिक्षण से संबंधित परिचर्चा एवं सुझाव दिया जाना है। किसान योजनाओं की जानकारी लेंगे तथा अपने समस्याओं से उपस्थित अधिकारियों को अवगत कराएंगे। जिसका समाधान कृषि वैज्ञानिक व संबंधित पदाधिकारी करेंगे।

खरीफ महोत्सव के दौरान किसानों को खरीफ खेती खासकर वैज्ञानिक तरीके से धान की खेती करने तथा फसल के रख रखाव की विस्तार से जानकारी दी जाएगी तथा उन्हें जैविक खेती के लिए प्रेरित किया जाएगा। विभिन्न पंचायतों घूमकर जागरूकता रथ भी किसानों को जैविक खेती तथा वैज्ञानिक पद्धति अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा था। जानकारी के अनुसार यह जागरूकता रथ प्रखंड के स्थानीय पंचायत के अलावे, रामपुर, कतिकनार आदि पंचायतों के करीब आधा दर्जन से अधिक गांवों में गया था। रथ पर बंधे ध्वनि विस्तारक यंत्र से किसानों को खरीफ महोत्सव तथा खेती के संबंध में कई जानकारियां भी दी जा रही थी।

गर्मी से निलंबित परीक्षा आज से शुरू होगी

डुमरांव। डीके कॉलेज में बीए समेस्टर की हो रही परीक्षा को भीषण गर्मी को देखते हुए सरकारी आदेश के आलोक में विश्वविद्यालय ने रोक दिया था। रोके गए परीक्षा को 26 जून से शुरू कर दिया जाएगा। बता दें समेस्टर की परीक्षा 15, 19, 20 एवं 21 जून का रोका गया था, जिसे विश्वविद्यालय के आदेश के आलोक में किया जा रहा है। कॉलेज इसकी पूरी तैयारी कर लिया है। सुरक्षा को देखते हुए फोर्स को बुला लिया गया है। परीक्षार्थियों को इस गर्मी में पेयजल के लिए घुमना नहीं पड़े इसके लिए पानी टैंकर को डुमरांव नप से मंगा लिया गया है। इसकी जानकारी देते हुए प्राचार्य राजू मोची ने बताया कि किसी की तवियत बिगड़ने पर डाक्टरों की टीम मौजूद रहेगी इसके लिए पीएचसी प्रभारी को सूचना दे दी गई है। वैसे कॉलेज में आरओ की व्यवस्था भी की गई है।

छात्रों का प्रोफाइल अपलोड नहीं करने वाले 198 प्रधानाध्यापकों को शो-कॉज

केटी न्यूज/बक्सर

ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर कक्षा 1 से 12 के सभी बच्चों को निर्धारित समय तक ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर प्रोफाइल के आंकडों को अपलोड नहीं करने पर डीडीसी ने जिले के विभिन्न अंचलों के कुल 198 प्रधानाध्यापकों से स्पष्टीकरण पूछा है। उन्हें अपना जबाव तीन दिनों के अंदर जिला शिक्षा पदाधिकारी के माध्यम से डीडीसी को देना है।

बता दें कि 24 जून को ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर अपलोड की गई ऑकड़ों की समीक्षा के दौरान यह पाया गया कि अभी तक 198 विद्यालयों द्वारा इसे शुरू भी नहीं किया गया है। जिला शिक्षा पदाधिकारी से प्राप्त निदेश के बावजूद भी संबंधित विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों ने कार्य पूर्ण नहीं कराया गया है जो कि कार्य के प्रति लापरवाही बरतना, कार्य में रूचि नहीं लेना एवं उच्चाधिकारी के आदेश की अवहेलना का द्योतक है। डीडीसी ने उन्हें युद्ध स्तर पर अपने-अपने विद्यालयों में अध्ययनरत बच्चों का इंट्री ई-शिक्षाकोष पोर्टल पर कराना सुनिश्चित करने का निर्देश भी दिया है। वहीं दूसरी तरफ सर्व शिक्षा अभियान के डीपीओ ने इन प्रधानाध्यापकों का माह जून का वेतन भी बंद कर दिया है।

डीएम ने किया ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का निरीक्षण, कहा... तैनात रखें जवान

केटी न्यूज/जहानाबाद

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली एवं निर्वाचन विभाग, बिहार, पटना के निदेशानुसार जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी अलंकृता पांडे तथा पुलिस अधीक्षक अरविन्द प्रताप सिंह द्वारा संयुक्त रूप से जिले के ईवीएम-वीवीपैट वेयर हाउस का त्रैमासिक आतंरिक निरीक्षण किया गया। त्रैमासिक आंतरिक निरीक्षण के क्रम में वेयर हाउस परिसर की साफ-सफाई, सुरक्षा इत्यादि व्यवस्था पर जिला पदाधिकारी द्वारा संतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने निर्देश देते हुए कहा कि साफ-सफाई की बेहतर व्यवस्था रखी जाए। इसमें किसी तरह की कोताही नहीं बरती जाए। उन्होंने कहा कि यहां कभी भी औचक निरीक्षण हो सकता है। साथ ही उन्होंने सुरक्षा का भी निरीक्षण किया। उन्होंने एसपी को निर्देश देते हुए कि यहां पर सुरक्षा बलों की तैनाती रखी जाए। यहां से सुरक्षा बल के जवान नहीं हटाए जाए। उक्त निरीक्षण के क्रम में जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह-जिला पदाधिकारी, जहानाबाद, पुलिस अधीक्षक, जहानाबाद, उप निर्वाचन पदाधिकारी, जिला

अग्निशमन पदाधिकारी, जहानाबाद, ईवीएम-वीवीपैट के वेयर हाउस प्रभारी पदाधिकारी -सह-अवर निर्वाचन पदाधिकारी, जहानाबाद राहुल कुमार एवं जिला निर्वाचन कार्यालय के कर्मी तथा जहानाबाद जिला स्तरीय मान्यता प्राप्त राजैनिक दलों यथा - भारतीय जनता दल, कम्यूनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सिस्ट), लोक जनशक्ति पार्टी के प्रतिनिधिगण-सचिव-अध्यक्ष उपस्थित थे।

जहानाबाद के रतनी प्रखंड के प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को ग्रामीणों ने बनाया बंधक

जहानाबाद। रतनी प्रखंड क्षेत्र में निलंबित प्रधानाध्यापक श्रीराम प्रसाद एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी को आक्रोशित ग्रामीणों ने स्कूल में बंधक बनाया इस दौरान ग्रामीणों ने जमकर हंगामा भी मचाया। इस संबंध में प्रधानाध्यापक का कहना था कि विभागीय आदेश के बाद वे विद्यालय में योगदान करने पहुंचे थे। लेकिन लोगों ने उन्हें विद्यालय में योगदान करने नहीं दिया। मामला रतनी प्रखंड के मध्य विद्यालय जहांगीरपुर का है जहां प्रधानाध्यापक श्रीराम प्रसाद को पूर्व में प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी ने जांच के दौरान निलंबित कर दिया था। लेकिन निलंबन से मुक्त होने के बाद वे आज विद्यालय में योगदान देने पहुंचे थे। इस बात की जानकारी ग्रामीणों को हो गयी। स्कूल में पहुंचे आक्रोशित ग्रामीणों ने उन्हें योगदान तक करने नहीं दिया और स्कूल से उन्हें बाहर कर दिया।

एक नजर

मुख्य पथ पर हुई लूटकांड का हुआ खुलासा

बिक्रमगंज। पिछले 20 मई को थाना क्षेत्र के शिवपुर हाल्ट के आगे मुख्य पथ पर हुई लूटकांड का उद्भेदन पुलिस ने कर लिया है। थानाध्यक्ष सह पुलिस इंस्पेक्टर ललन कुमार ने बताया कि घटना में शामिल अप्राथमिकी अभियुक्त बिक्रमगंज के मुकेश कुमार, सहादत डिहरी दावथ के रामशंकर यादव उर्फ नीतीश कुमार को लोडेड कट्टा-कारतूस व चंवरी दावथ के विजेन्द्र कुमार को घटना में प्रयुक्त काला रंग की बाइक के साथ गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। विदित हो कि बीते 20 मई को एक पिकअप पर सब्जी लादकर व्यवसायी दिनारा से छपरा जा रहे थे। तभी रात्रि में उक्त अभियुक्तों ने बाइक से पीछा करते हुए पिकअप वाहन से लूटपाट की घटना का अंजाम दिया था। इस दौरान अपराधियों ने कट्टा का भय दिखाकर 18 हजार नगद रुपये के साथ तीन मोबाइल भी लूट कर चंपत हो गए थे। इस संबंध में व्यवसायी ने थाना में अज्ञात अपराधियों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई थी।

52 पशु सहित 13 पशु तस्कर गिरफ्तार

नसरीगंज। नासरीगंज प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत नासरीगंज दाउदनगर मुख्य सड़क के समीप से नासरीगंज थाने की पुलिस ने गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए जहां 52 पशुओं को बरामद किया। वहीं 13 पशु तस्कर भी गिरफ्तार किए गए। पुलिस ने पशु लदे हुए 6 वाहन भी बरामद किया है। नासरीगंज थाना अध्यक्ष अमित कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर नासरीगंज दाउदनगर मुख्य सड़क के समीप छापेमारी की गई इस दौरान 6 गाड़ी पर लदे हुए 52 पशु के साथ 13 पशु तस्कर राहुल कुमार, विकेश कुमार यादव, दीपक यादव, राजेश यादव, मोनू कुमार, अजीत यादव, जीतन कुमार, पप्पू कुमार, विकास कुमार, संजय कुमार आदि को गिरफ्तार किया। इस संबंध में संबंधित अधिकारियों को सूचना देते हुए अग्रसर कार्रवाई की जा रही है।

चुलाई शराब के साथ दो महिला गिरफ्तार

दिनारा। उत्पाद विभाग की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर चुलाई शराब के साथ दो महिला आरोपी को गिरफ्तार किया गया। इस संबंध में बिक्रमगंज अनुमंडलीय उत्पाद निरीक्षक भिखारी कुमार ने बताया कि नटवार थाना क्षेत्र के तेनुअज टोला में पुलिस बल ने छापेमारी की। जिस दौरान राम एकबाल चौधरी की पत्नी सरिता देवी एवं उमेश चौधरी की पत्नी रानी देवी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। दोनों महिला के पास से करीब 5 लीटर चुलाई शराब बरामद किया गया। भिखारी कुमार ने बताया कि गिरफ्तार दोनों महिला आरोपी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत सासाराम न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया ।

वृक्षों की कटाई के विरूद्ध सीओ को दिया आवेदन

काराकाट। चौरासी गांव के बधार में बिहार राज्य सरकार की भूमि पर हरे-भरे पेड़ों की अवैध कटाई करने की शिकायत ग्रामीणों ने सीओ काराकाट से की है। इस संबंध में सीओ को दिए गए आवेदन में कहा गया है कि रामबचन सिंह पिता रामआने सिंह एवं उनके परिवार के सदस्य और प्रभावशाली व्यक्तियों द्वारा राज्य सरकार की भूमि पर स्थित हरे-भरे पेड़ों की अवैध कटाई की जा रही है। विगत कुछ दिनों से देखा जा रहा है कि चौरासी गांव में स्थित भूमि पर बड़ी संख्या में पूर्ण रूप से विकसित हरे-भरे पेड़ों को बिना किसी वैध अनुमति के काटा जा रहा है। यह कार्य पर्यावरण के लिए अत्यंत हानिकारक है और वन्यजीवों के आवास को भी नुकसान पहुँचा रहा है। पेड़ों की कटाई न केवल हमारे पर्यावरण के लिए खतरा है, बल्कि यह राज्य के कानूनों का भी उल्लंघन है। ग्रामीण शत्रुध्न सिंह ने सीओ से मामले की जांच कर कार्रवाई करने की मांग की है। सीओ काराकाट डॉ रितेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

आकाशीय बिजली गिरने से एक की हुई मौत

नोखा। ठेकही बलीरामपुर गांव में ठनका गिरने से एक की मौत हो गई। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि नोखा थाना क्षेत्र के ठेकही बलीरामपुर गांव में मेघ गर्जन चमक के साथ ठनका गिरी घर के बाहर ही नली की जल जमाव के कारण सफाई कर रहे थे। जो ठनका गिरने से घायल हो गए। ठेकही बलीरामपुर गांव निवासी आरबी साह पर की गंभीर अवस्था में नोखा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर उपचार के लिए रेफर कर दिया गया। सासाराम में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। उसके बाद परिजनों में कोहराम मच गया। ठेकही बलीरामपुर के वार्ड पार्षद सदस्य तेज नारायण सिंह ने कहा कि नाली में जल जमाव की सफाई कर रहे थे। तब अचानक आकाशीय बिजली गिरी जिसमें आरबी साह गंभीर रूप से जख्मी हो गये थे।

खबरें फटाफट

पूर्व शराब कांड का एक अभियुक्त गिरफ्तार

दिनारा। पुलिस ने पूर्व शराब कांड के मामले में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के जगदीशपुर निवासी जितेंद्र सिंह को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध स्थानीय थाना में पूर्व शराब कांड का मामला दर्ज था ।

पुलिस ने वारंटी को किया गिरफ्तार

दिनारा। पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया । इस संबंध में नटवार थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के नदौआ निवासी हरेंद्र तिवारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया । उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध बिक्रमगंज न्यायालय से वारंट निर्गत था ।

28 को होगा एक दिवसीय नियोजन शिविर का आयोजन

जहानाबाद। बिहार सरकार, श्रम संसाधन विभाग, जिला नियोजनालय द्वारा जहानाबाद जिले में दिनांक 28 जून, 2024 को एक दिवसीय नियोजन शिविर का आयोजन किया जा रहा है। जिला निबंधन सह परामर्श केंद्र सुबह 10:30 बजे से शाम 4:00 बजे तक आयोजित किया जा रहा है। उक्त शिविर के लिए निजी क्षेत्र के नियोजक जिला नियोजनालय में अधिसूचित की गई है। जिसमें 50 रिक्तियां शामिल है। अभ्यर्थी 10वीं पास योग्यता रहते हो। साथ ही उनकी आयु 20 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए।

हथियार के बल पर अपराधियों ने डिलेवरी ब्वॉय की बाइक, करीब चार हजार लूटे थे

जगदीशपुर में डिलेवरी ब्वॉय से लूटपाट करने वाले 3 अपराधी पुलिस गिरफ्त में

- हथियार के बल पर 14 जून की दोपहर घुटुर के डेरा के पास डिलेवरी ब्वॉय से की गयी थी लूटपाट
- गड़हनी और रोहतास के कोचस थाना क्षेत्र से सोमवार रात पकड़े गए तीनों अपराध कर्मी

केटी न्यूज/आरा

जगदीशपुर थाने की पुलिस ने डिलेवरी ब्वॉय लूट कांड का खुलासा करते हुए तीन अपराध कर्मियों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके पास से डिलेवरी ब्वॉय से लूटा गया एक मोबाइल भी बरामद किया गया है। अपराध कर्मियों को गड़हनी और रोहतास के कोचस थाना क्षेत्र से सोमवार की रात गिरफ्तार किया गया। उनमें गड़हनी थाना क्षेत्र के सुल्तानपुर गांव निवासी अक्षय कुमार, मदुरी गांव निवासी अनूप कुमार और कोचस थाना क्षेत्र के बहटूटिया गांव निवासी राजकुमार शामिल हैं। एएसपी परिचय कुमार द्वारा मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस कर यह जानकारी दी गई। बताया कि 14 जून की दोपहर फ्लिफकार्ट कंपनी में डिलेवरी ब्वॉय का काम करने वाले उदवंतनगर थाना क्षेत्र के छोटी सासाराम गांव निवासी प्रमोद कुमार से जगदीशपुर थाना क्षेत्र के घुटुर के डेरा के पास लूट पाट की गयी थी। हथियार के बल पर तीन अपराध कर्मियों द्वारा डिलेवरी ब्वॉय की बाइक, करीब चार हजार रुपए और शिपमेंट की लूट की गयी थी। उसके बाद अपराध कर्मियों की गिरफ्तारी को जगदीशपुर के अपर थानाध्यक्ष जयंत प्रकाश के नेतृत्व में टीम गठित की गयी थी। टीम की ओर से तकनीकी सूत्र और लोकल इनपुट के आधार पर तीनों अपराध कर्मियों की पहचान की गयी। सोमवार की रात तीनों को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया गया। उनके पास से डिलेवरी ब्वॉय से लूटे गए सहित दो मोबाइल बरामद किए गए हैं। लूटी गयी बाइक और लूट में इस्तेमाल हथियार के बारे में पुलिस द्वारा गिरफ्तार अपराधियों से जानकारी ली गयी है। साथ ही तीनों के आपराधिक इतिहास को भी खंगाला जा रहा है। टीम में दारोगा सुधांशु कुमार सहित अन्य पुलिस कर्मी शामिल थे।

शराब तस्कर को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमला मामले में छह लोग गिरफ्तार

- शराब बनाने और बेचने की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम पर रविवार की शाम किया गया था हमला
- खननी कला कांडः थानाध्यक्ष के बयान पर 45 नामजद और डेढ़ सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज
- लाठी-डंडे, फरसा, तलवार, दाव और ईंट-पत्थर से पुलिस टीम पर हमला करने का आरोप

आरा। अगिआंव बाजार थाना क्षेत्र के खननी कला गांव महादलित टोले में पुलिस पर हमला और आरोपित को छुड़ा ले जाने के मामले में अबतक छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। उनमें खननी कला गांव निवासी गुड्डू कुमार उर्फ चितरंजन कुमार, नागेंद्र राम, रवि शंकर कुमार, दशई राम, प्रदीप कुमार उर्फ सूरज कुमार और भगवान बैठा शामिल हैं। इस मामले में थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता के बयान पर 45 नामजद और डेढ़ सौ अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। एएसपी परिचय कुमार की ओर से मंगलवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गई। उन्होंने बताया कि रविवार की शाम सूचना मिली कि खननी कला गांव निवासी सुदर्शन राम परिजनों और सहयोगियों के साथ शराब बनाने एवं बेचने का धंधा कर रहा है। उस आधार पर शराब तस्करों की गिरफ्तारी के लिए थानाध्यक्ष प्रियंका गुप्ता के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। उसमें दारोगा अरविंद कुमार, ट्रेनी दारोगा गांधी नाथ पाठक, गोरे लाल कुमार, एएलटीएफ प्रभारी एएसआई अशोक कुमार मिश्र और सीआइएटी के जवान शामिल थे। टीम तत्काल खननी कला गांव पहुंची। पुलिस द्वारा सुदर्शन राम को गिरफ्तार किया गया और मौके से दस लीटर शराब बरामद की गयी। तभी सुदर्शन राम के परिजनों सहित आसपास के लोगों द्वारा लाठी-डंडे, फरसा, तलवार, दाव और ईंट-पत्थर से पुलिस टीम पर हमला कर दिया गया। हमलावारों ने क्रिकेट खेल रहे बच्चों को अपना सहारा बनाया था। उन्हीं की आड़ में हमलावार लगातार हमला कर रहे थे। इस दौरान किसी तरह से पुलिस कर्मियों ने अपनी जान बचाई थी। हमलावरों द्वारा गिरफ्तार सुदर्शन राम को पुलिस के कब्जे से जबरन छुड़ा भी लिया गया। हमले में पुलिस अधिकारी और जवान चोटिल हो गए। उसके बाद छापेमारी कर बात छह आरोपितों को गिरफ्तार किया जा चुका है। अन्य आरोपितों की पहचान और धरपकड़ को लेकर छापेमारी की जा रही है। पुलिस इसके लिए लगातार अभियान चला रही है।

सुंदरपुर कुड़ियां गांव में हथियार के साथ घूम रहे एक अपराधी को किया गिरफ्तार

आरा। मुफस्सिल थाने की पुलिस ने सुंदरपुर कुड़ियां गांव में छापेमारी कर हथियार के साथ घूम रहे एक अपराध कर्मी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देसी पिस्टल और चार गोलियां बरामद की गयी है। वह सुंदरपुर कुड़ियां गांव निवासी बलवंत कुमार सिंह है। उसे आपराधिक वारदात की साजिश करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एएसपी परिचय कुमार ने बताया कि सूचना मिली कि सुंदरपुर कुड़ियां गांव में बलवंत कुमार सिंह नामक एक व्यक्ति हथियार के साथ घूम रहा है। वह किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। उस आधार पर उसकी गिरफ्तारी को अपर थानाध्यक्ष विनोद कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम तत्काल मौके पर पहुंची, तब पुलिस को देख व भगाने लगा। तब उसे खदेड़ कर गिरफ्तार किया गया।

नोखा प्रखंड में प्रमुख का पद हुआ खाली, विरोध में 10 मत मिले, तो समर्थन में पड़े आठ वोट

केटी न्यूज/नोखा

प्रखंड में प्रमुख का पद मंगलवार से रिक्त हो गया। कई दिनों से विभिन्न तरह के चर्चाओं के बीच आखिरकार प्रमुख की कुर्सी बचाने को लेकर लगाए जा रहे कयास पर विराम लग गया। विदित हो कि मंगलवार को पूर्व से प्रस्तावित तिथि के अनुरूप प्रखंड के सभागार भवन में प्रखंड विकास पदाधिकारी अतुल गुप्ता के देखरेख में शांतिपूर्ण तरीके से मतदान कराया गया। जिसमें प्रमुख रहे धनंजय चौधरी के पक्ष में मात्र आठ वोट मिला। वहीं विपक्ष में 10 वोट पड़े। जिसके बाद प्रखंड प्रमुख की कुर्सी रिक्त हो गई। बीते 13 जून को प्रमुख पद के लिए अविश्वास प्रस्ताव लाया गया था। जिसके बाद वोटिंग करने की तिथि निर्धारित की गई थी। जिसमें दस पंचायत समिति सदस्य एक तरफ और दूसरे तरफ मात्र आठ वोट पड़े। इस पूरी प्रक्रिया बीडीओ

अतुल गुप्ता की निगरानी में व पारदर्शिता के साथ वोटिंग हुई। इसके साथ ही नोखा में प्रखंड प्रमुख का पद खाली हो गया। इसके लिए उन्होंने प्रखंड के पदाधिकारियों को धन्यवाद भी दिया की मतदान से पहले कैसे मतदान करना है लोग आसानी से समझ सके इसपर उन्होंने विशेष ख्याल रखा हालांकि अगला प्रमुख कौन होगा इसपर संशय बरकरार है वही प्रखंड परिसर में मौजूद रहे कहना है कि नोखा प्रखंड को प्रमुख जल्दी मिले जिससे विकास का कार्य ज्यादा दिन तक नहीं रुके।

सड़क निर्माण को लेकर मखदूमपुर में ग्रामीणों ने एनएच-83 को किया जाम

केटी न्यूज/जहानाबाद

मंगलवार की दोपहर ग्रामीणों द्वारा सड़क निर्माण के मांग को लेकर मखदूमपुर बाजार स्थित एनएच 83 को जाम कर बवाल काटा। दरअसल मखदुमपुर से खूनी घाट और टहबल विगहा गांव को जोड़ने वाली सड़क निर्माण में अड़चन आने के बाद ग्रामीण सड़क पर उतर गए और जमकर बवाल काटने लगे, ग्रामीणों का आरोप है। की मखदुमपुर से टहबल बीघा गांव तक स्थानीय विधायक सतीश कुमार द्वारा सड़क निर्माण को लेकर योजना पास कर दिया हैं। लेकिन बीच मे खलकोचक गांव के कुछ ग्रामीण इस सड़क का निर्माण नही होने दे रहे है। जिससे परेशान हो कर मंगलवार की दोपहर ग्रामीण सड़क पर उतर गए और एनएच-83 को दो जगहों पर जाम कर दिया। हालांकि मखदुमपुर थाना प्रभारी राजकुमार सिंह ने ग्रामीणों को समझा बुझा कर जाम खुलवाया। फिर ग्रामीणों ने मखदुमपुर प्रखंड कार्यालय का रुख किया और शांतिपूर्ण तरीके से प्रखंड कार्यालय पर धरना दिया। लेकिन इस दौरान जाम तुड़वाने को लेकर प्रशासन और ग्रामीणों के बीच जमकर तू-तू मैं-मैं देखने को मिली। इस दौरान थाना अध्यक्ष ने लोगों को अपनी बात मनवाने और प्रोटेस्ट का सही तरीका समझाते दिखे।

जिला किशोर न्याय परिषद के प्रधान दंडाधिकारी ने सुनाया फैसला

एक मामले में दोषी किशोर को मिला सामुदायिक सेवा का दंड

- सुधारात्मक कार्रवाई के रूप में जिले में छह महीने तक करना होगा ट्रैफिक का काम

केटी न्यूज/जहानाबाद

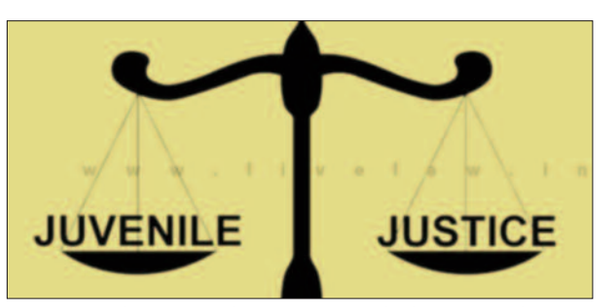

जिला किशोर न्याय परिषद जहानाबाद ने एक मामले में दोषी पाए गए विधि विरुद्ध बालक को सामुदायिक सेवा करने का आदेश दिया है। इस आदेश के तहत उक्त बालक को जिले में छह महीने तक ट्रैफिक का काम करना होगा। उक्त आदेश अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी सह जिला किशोर न्याय परिषद जहानाबाद-अरवल के प्रधान दंडाधिकारी निवेदिता कुमारी ने दिया है। मिली जानकारी के अनुसार जिला किशोर न्याय परिषद ने परसबिगहा थाने में दर्ज एक मामले में दर्ज था। जांच के दौरान पाया गया कि बालक इस कांड में दोषी है। इसके पूर्व किशोर न्याय परिषद ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनी थी। सभी पक्ष सुनने के बाद किशोर न्याय परिषद ने बालक को उक्त कांड में दोषी पाया। किशोर न्याय अधिनियम -2015, संशोधित-2020 के तहत बालक को अधिकत्तम तीन वर्ष की सजा सुनाई जा सकती है या उसके आचरण में सुधार के लिए उसे सामुदायिक कार्य में लगाया गया जा सकता है। इस अधिनियम के तहत किशोर न्याय परिषद ने बालक को उसके आचरण में सुधार के लिए यह कदम उठाया है। इसके तहत उसे जहानाबाद जिले में छह महीने तक ट्रैफिक सेवा करने को कहा गया है। आदेश सुनाने के बाद प्रधान दंडाधिकारी ने स्थानीय पुलिस अधीक्षक को आदेशित किया है कि उक्त विधि विरुद्ध बालक को ट्रैफिक के संबंध में उचित ट्रेनिंग देकर ट्रैफिक का कार्य कराना सुनिश्चित करें। इसके अलावा यह भी कहा गया है कि पुलिस उपाधीक्षक उक्त बालक के कार्य की प्रत्येक माह की उपस्थिति विवरणी एवं उसके द्वारा किये गए कार्य की पूर्ण विवरणी प्रत्येक माह की अंतिम तिथि को जिला किशोर न्याय परिषद को प्राप्त कराएंगे। सामुदायिक सेवा के दौरान वरुण कुमार गौतम, विधि सह परिवीक्षा पदाधिकारी, जिला किशोर न्याय परिषद, जहानाबाद के द्वारा निरीक्षण किया जाएगा ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उक्त बालक सही तरीके से सामुदायिक सेवा प्रदान कर रहा है। विदित हो कि यदि कोई बालक जिसकी उम्र-18 वर्ष से कम हो। किशोर न्याय परिषद ने उसे किसी भी मामले में दोषी पाया है। सजा की अवधी पूरी करने के बाद पुलिस उसके आचरण प्रमाण पत्र पर किसी तरह की रोक नहीं लगा सकती है।

अभी झमाझम बारिश के लिए कुछ दिन और करना होगा इंतजार, 29 तक हो सकती है बारिश

- बिहार के रक्सौल तक मानसून आ चुका है, ऐसे में तीन चार दिन के बाद बलिया में हो सकता है मानसून एक्टिव

केटी न्यूज/ बलिया

जनपद में प्री मानसून की बौछारें पड़ने से तपती गर्मी का असर तो कम हो गया, लेकिन अब उमस ने चैन नींद सब कुछ छीन लिया है। भृगु नगरी को मूसलाधार बारिश की आस है। मौसम विभाग पटना के अनुसार अभी कुछ दिन और इंतजार करना पड़ेगा। 29 जून से मानसून के एक्टिव होने का पूवार्नुमान है। इसके पहले बारिश फिर धूप का सिलसिला जारी रहेगा, जिससे उमसभरी गर्मी बनी रहेगी। जनपद में पटना मौसम विभाग के कमल सिंह गुप्ता के पूवार्नुमान के अनुसार सोमवार यानी 24 जून से प्री मानसून एक्टिव होते देखा गया। लेकिन बारिश की बौछारें एक दूसरे को चिढ़ाने का भी काम किया। हुआ यूं कि जनपद में कल जैसे सिकंदरपुर, बहेरी तहसील क्षेत्र के कुछेक गांवों में वर्षा हुई, लेकिन बाकी गांव में नहीं हुई। धरती जिस तरह से तप रही है, उससे एक दो दिन मूसलाधार बारिश की जरूरत है और यह इंतजार 29 जून के बाद लगभग लगभग खत्म हो जाएगा। बिहार के रक्सौल तक मानसून आ चुका है, ऐसे में तीन चार दिन के बाद बलिया में मानसून एक्टिव हो सकता है, फिर बारिश का सिलसिला जारी हो जाएगा।

मौसम विभाग के अनुसार

25 जून : उमस भरी गर्मी के साथ ही कुछेक जगहों पर बारिश की बौछारें
26 जून : हवा चलने के साथ कुछेक जगहों पर बारिश की बौछारें
27 जून : मौसम उष्ण रहने के साथ कुछेक जगहों पर बारिश की बौछारें
28 जून : आसमान में काले बादल के साथ 40 किमी की बेग से चलेगी हवा
29 जून : अधिकांश जगहों पर बारिश की बौछारें मानसून की एंट्री

आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे किसान

तपती गर्मी से खेत की मिट्टी एक कदम कड़ेर हो गई हैं, बिजली का भी वही हाल है, अधिकांश सरकारी ट्यूबवेल पूर्ति करने में अक्षम है। नहर से भी धूल उड़ रही है। ऐसे में बारिश ही एक मात्र सहारा है। बारिश होने बाद किसान बेहन की तैयारी करेंगे फिर धान की रोपाई। ऐसे में किसान भी आसमान की ओर टकटकी लगाए बैठे है कि काले कजरारे बादल कब बारिश बनकर धरती पर बरसेंगे।

15 दिनों से पानी टंकी की आपूर्ति ठप, पानी के लिए हाहाकार

- जेई साहब नहीं उठाते फोन, न पानी टंकी की समस्या का करते हैं सामाधान

केटी न्यूज / गाजीपुर

मरदह विकास खंड के बोगना गांव स्थित जलनिगम विभाग की टंकी का स्टार्टर खराब होने एवं मोटर जलने से भीषण गर्मी के दौरान 15 दिनों से पेयजल के लिए हाहाकार मचा हुआ है। जलनिगम विभाग के अधिकारियों की उदासीनता एवं लापरवाही से ग्रामीणों को राहत नहीं मिल पा रही है। पेयजल की समस्या से जूझ रहे ग्रामीणों ने बताया कि विभागीय अधिकारी नित्य प्रकाश यादव को इस समस्या के बाबत फोन करने पर वह कभी फोन नहीं उठाते हैं, न कभी बोगना आते हैं। 15 दिन से पेयजल आपूर्ति बाधित होने की समस्या के बाद बोगना स्टार्टर बनाने आए मैकेनिकों ने बताया कि विद्युत मोटर भी जल गया है। इस समस्या से आक्रोशित ग्रामीणों ने जल निगम टंकी पर एकत्र होकर घेराव प्रदर्शन करते हुए जलनिगम विभाग एवं जेई के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जलनिगम के जेई मुदार्बाद.. नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि तत्काल टंकी की खराबी ठीक करवा कर पेयजल आपूर्ति नहीं कराई गई, तो जिला मुख्यालय पर धरना-प्रदर्शन करेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि आपूर्ति बाधित होने से पेयजल सहित नहाने व कपड़े धोने के लिए दूर जाना पड़ता है। पेयजल की सर्वाधिक समस्या पशुओं के लिए हो रही है।

इस बाबत पूछने के लिए जेई नित्य प्रकाश यादव के नंबर पर कई बार फोन मिलाने पर भी उन्होंने फोन नहीं उठाया। संबंधित एई जलनिगम नवनीत कुमार से पूछने पर उन्होंने जेई से बातकर समस्या समाधान कराने की बात कही। इस अवसर पर सत्य नारायण सिंह, पिंटू बरनवाल, मुन्ना सिंह, संजय सिंह, सोनू, अब्बास, रजनीश सिंह, प्रमोद पाण्डेय, राजकुमार राजभर, डब्बू यादव, सूर्य विजय चौहान आदि उपस्थित रहे।

एक नजर

घरेलू कलह से तंग आकर युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर दी जान, छानबीन में जुटी पुलिस

गाजीपुर। भूड़कुड़ा कोतवाली अंतर्गत मंझरिया गांव के पास स्थित रेलवे ट्रैक पर मंगलवार की सुबह मऊ से वाराणसी जाने वाली तमसा पैसेंजर ट्रेन के आगे जाकर एक युवक ने सिर पटरी पर रख अपनी जान दे दी। इसके बाद घटना स्थल पर ट्रेन 10 मिनट तक खड़ी रही। शव को रेलवे पटरी के बाहर करने के बाद ट्रेन आगे बढ़ गई। घटना की सूचना चालक ने जखनियां स्टेशन मास्टर को दी। स्टेशन मास्टर ने तत्काल मेमो भुडकुड़ा कोतवाली भेजा। कोतवाल तारावती सहित पुलिस फोर्स ने पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेज दिया। शव के पास मिले मोबाइल की सूचना पर परिजनों को सूचना दी गई। सैकड़ों की संख्या में परिजन कोतवाली पहुंच गए और रोने-बिलखने लगे। कोतवाल तारावती ने बताया कि युवक की शिनाख्त परिवार के लोगों ने रणधीर (42) पुत्र देवचंद राम निवासी एमाबंसी के रूप में की। परिजनों ने बताया कि बीती रात खाना खाने के बाद परिवार में कहासुनी होने के बाद मृतक सीधे घर से निकल गया। काफी खोजबीन किया गया, लेकिन कहीं पता नहीं चला। परिजनों ने कहा कि मृतक की शादी लगभग 25 वर्ष पूर्व हुई थी। इसकी पत्नी सुनीता बेटा आकाश छोटी बेटी रोशनी सहित पूरा परिवार दहाड़े मारकर रोने बिलखने लगा। बता दें कि रणधीर अपने घर का इकलौता चिराग था, जो जालंधर में प्राइवेट कंपनी में काम करके परिवार का भरण पोषण करता था। कुछ दिन पहले घर आया था और सोमवार को देर रात में खाना खाने के दौरान अपने परिवार में ही किसी बात को लेकर कहासुनी हुई थी। इसके वजह से रणधीर घर से मोबाइल लेकर निकल गया था। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि जब युवक ट्रेन से कट रहा था, तो मोबाइल पर किसी से बात कर रहा था।

अंडरपास के समीप बने ब्रेकर को आक्रोशित ग्रामीणों ने उखाड़ फेंका

गाजीपुर। मरदह थाना अंतर्गत कोदई गांव स्थित अंडरपास के पास सर्विस लेन मार्ग पर बने बड़े ब्रेकर को आक्रोशित लोगों ने मंगलवार को उखाड़कर फेंक दिया। उक्त ब्रेकर की वजह से जहां कुछ लोगों की जान जा चुकी है, वहीं कई लोग घायल हो चुके हैं। लोगों का कहना था कि स्पीड ब्रेकर मानक विहीन बना है। इससे प्रतिदिन दर्जनों लोग गिरकर चोटिल हो रहे हैं। कई बार विभागीय शिकायत के बाद भी किसी ने सुधि नहीं ली। लोगों का मानना है कि अबतक स्पीड ब्रेकर से घायल होकर लगभग दो दर्जन राहगीर अपनी जान गंवा चुके हैं। लेकिन उसके बाद भी जिम्मेदारों के कान पर जूं तक नहीं रेंगा। हद तो तब हो गई, जब बीते शनिवार को भीम आर्मी के जिलाध्यक्ष मनोज कुमार गौतम की चाची मंशा देवी (45) पत्नी रामदरश राम की कोदई गांव से अपने गांव रामगढ़ कासीमाबाद जाते वक्त बाइक से स्पीड ब्रेकर पर गिरकर मौत हो गई। उनकी मौत से खार खाए दर्जनों भीम आर्मी के कार्यकताओं ने मंगलवार की दोपहर कासीमाबाद से मरदह आने वाले पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के सर्विस लेन मार्ग पर कोदई गांव के पास स्थित स्पीड ब्रेकर को उखाड़ कर फेंक दिया और कार्यदाई संस्था के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।जिलाध्यक्ष मनोज कुमार गौतम ने बताया कि हैदरगंज गांव से लेकर हैदरिया गांव तक बने सर्विस लेन मार्ग पर बेतरतीब तरीके के लगभग दो दर्जन स्पीड ब्रेकर बनाएं गए हैं, जो जानलेवा साबित हो रहे हैं। ऐसे में संबंधित विभाग के कर्मचारियों से शिकायत करने के बाद भी कोई सुधि नहीं लिया। इसके बाद हम अपने संगठन के माध्यम से उच्चाधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराने के लिए स्पीड ब्रेकर कोदई गांव के पास उखाड़कर फेंक दिया। आगे कहा कि सर्विस रोड पर मानक के विपरीत बने सभी ब्रेकर को जल्द से जल्द ठीक नहीं किया गया तो हम आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष प्रेमचंद गौतम, मंडल उपाध्यक्ष संतोष कुमार, एडवोकेट संतोष कुमार, एडवोकेट उदय प्रकाश गौतम, एडवोकेट विजय प्रताप, जिला उपाध्यक्ष संदीप कुमार रावण, सत्यप्रकाश आदि मौजूद रहे।

शार्ट सर्किट से लकड़ी व वेल्डिंग की दुकान में लगी आग, लाखों का सामान जलकर राख

बलिया। विकास खण्ड बांसडीह के सामने स्थित लकड़ी एवं वेल्डिंग की दुकान में सोमवार की रात बिजली के शार्ट सर्किट से लगी आग में लाखों रुपए के लकड़ी का सामान एवं वेल्डिंग मशीन, जेनरेटर जलकर राख हो गया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे फायर ब्रिगेड के जवानों ने लोगों की सहायता से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। मिली जानकारी के अनुसार बांसडीह कोतवाली क्षेत्र के बकवा गांव निवासी ओम प्रकाश शर्मा की लकड़ी का दुकान है। जहां पर भवन निर्माण में लगने वाला जंगला, दरवाजा, फ्रेम, सोफा आदि तैयार कर बेचा जाता हैं। उनके बगल में पास में शिवरामपुर निवासी हरेराम शर्मा की भी वेल्डिग की दुकान है। रात करीब 11 बजे ग्रामीणों ने देखा कि लकड़ी की दुकान से आग की लपटे उठ रही है। उन्होंने इसकी सूचना ओम प्रकाश शर्मा को दी तो वह तुरंत अपनी दुकान पर पहुंचे और देखा कि दुकान में आग विकराल रूप धारण कर चुका है। इसके साथ ही हरेराम शर्मा की वेल्डिंग की दुकान को भी आग ने आगोश में ले लिया है। सूचना पर पहुंचे फायर बिग्रेड के जवान एवं आसपास के लोगों की सहायता से आग पर काबू पाया। आग की चपेट में दोनों दुकानदारों के करीब लाखों रुपए से अधिक के सामान, मशीन, जनरेटर जलकर राख हो गया है।

खबरें फटाफट

ट्रैक्टर चालक गिरफ्तार, गैर इरादतन हत्या में भेजा गया जेल

गाजीपुर। गलत लेन से ट्रैक्टर चलाते हुए टेलर को टक्कर

मारकर दुर्घटना करने वाले ट्रैक्टर चालक राजेंद्र राजभर निवासी ग्राम ताजोपुर थाना सरायलखंसी जिला मऊ को मटेहु के पास से गिरफ्तार कर मरदह पुलिस ने गैर इरादतन हत्या के संबंधित धारा के तहत जेल भेज दिया गया। बता दें कि तीन मई को वाराणसी- गोरखपुर फोरलेन मार्ग पर मरदह थाने के हैदरगंज के यशराज ढाबा के पास मऊ की तरफ से आ रही टेलर गाड़ी को गलत लेन से जा रहे ट्रैक्टर चालक ने सामने से टक्कर मार दिया था। दुर्घटना में टेलर चालक कानपुर निवासी अखिलेश सिंह-36 की मृत्यु हो गई थी। मटेहु पुलिस चौकी प्रभारी ओमकार तिवारी ने बताया टक्कर मारने वाले ट्रैक्टर चालक राजेंद्र राजभर के पास ड्राइविंग लाइसेंस भी नहीं है।

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से टैंकर का खलासी झुलसा

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव में धुलाई के लिए टैंकर खड़ा करने के बाद गेज निकलते समय हाई टेंशन तार की चपेट में आने से खलासी झुलस गया। वही टैंकर का टायर धू-धूकर जलने लगा । संयोगवश बिजली कट जाने से बड़ी घटना होते-होते बच गई। अलीनगर थाना क्षेत्र के आलमपुर गांव निवासी हलीम टैंकर का चालक है ।वही पुत्र बाबू 20 वर्ष खलासी है। दोनों पिता पुत्र गाड़ी की धुलाई करने के लिए आलमपुर अपने घर के ही पास हाई टेंशन तार के नीचे खड़ा कर हलीम घर चला गया। वहीं बाबू गाड़ी से गेज निकाल ही रहा था कि ऊपर हाईटेंशन तार से टच कर गया और आग लग गई।

एसडीएम सिकंदरपुर के कार्यों से आमजन त्रस्त व परेशान

सिकंदरपुर तहसील बना भ्रष्टाचार का अड्डा, डीएम के प्रतिनिधि को सौंपा ज्ञापन

- विवादित जमीन को चिह्नित कर एसडीएम करते है धन उगाही व कराते है अवैध कब्जा
- नौ जुलाई को सपाई देंगे एक दिवसीय धरना

केटी न्यूज / बलिया

सिकंदरपुर विधायक मो जियाउद्दीन रिजवी के नेतृत्व में सपाइयों ने डीएम के प्रतिनिधि नगर मजिस्ट्रेट इन्द्रकांत द्विवेदी को सौंपा। जिसमें आरोप लगाया है कि पिछले छह माह से तहसील सिकंदरपुर में भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है। इस तहसील में तैनात सिकंदरपुर उप जिलाधिकारी रवि पासवान बिना पैसे लिए कोई भी कार्य नहीं करते हैं। यह क्षेत्र में विवादित जमीन को चिन्हित करते है और उसे अपने अधिकारों का दुरुपयोग कर उस पर कब्जा दिलाना और धन उगाही करने का काम करते है। क्षेत्र की जनता उनके कार्यो व भ्रष्टाचार से त्रस्त एवं परेशान है। समाजवादी पार्टी नौ जुलाई को जनहित की समस्याओं को लेकर तहसील पर एक दिवसीय धरना प्रदर्शन करेगी और समाधान न होने की दशा में अनिश्चितकालीन धरना करेगी। आरोप लगाया है कि ग्राम सभा पितुई में अखिलेश गुप्ता की जमीन को रात के समय अवैध कब्जा कराना। सिकन्दरपुर नगर के चौराहे पर पोस्ट आफिस के रास्ते को अवैध अतिक्रमण कराना। सिकन्दरपुर चौराहे पर संतोष गुप्ता की जमीन को जबरन अवैध कब्जा कराना। हनार्टांड़ में रामदयाल वर्मा की जमीन पर अवैध कब्जा एवं छज्जा निकलवाना। ग्राम सभा ईसार पीथा प?ट्टी में निजी कब्रिस्तान की जमीन पर जबरन काम रोकना। सीसोटार में दियारे की जमीन पर कब्जा करना। पैसा लेकर अपने ही किये आदेश को वापस लेना। ग्राम सभा बालुपुर में हीरा गोड के नाम की जमीन पर कब्जा न दिलाना। ग्रास सभा सिवानकला में सार्वजनिक कुआ और रास्ते पर जबरन कब्जा कराना। एक ही मामले में बिना जांच-परखे अनेक आदेश करना। जनप्रतिनिधि के फोन को न उठाना। उनके पत्रों को फाड़ देना। क्षेत्र के दलाल रात में बैठ कर दलाली करते है एवं तहसील के कार्यों को प्रभावित करते है। ग्राम सभा रुद्रवार में जितेन्द्र राय के निजि जमीन में जबरजस्ती किसी व्यक्ति विशेष को लाभ पहुंचाने के लिए जबरन रास्ता खुलवाया जा रहा है। ग्रान सभा ननहुल में नाली बनवाने के नाम पर द्वेष वश सार्वजनिक रास्ते को खुदवा कर छोड़ दिया गया है।जिससे आमजलमानुस को काफी कविनाईयों का समाना करना पड़ रहा है। जनता इनके कार्यों एवं भ्रष्ट्राचार से त्रस्त एवं परेशान है।

भाजपाइयों ने सिकंदरपुर थाने पर किया प्रदर्शन

- सपा के सिकंदरपुर विस अध्यक्ष समेत दो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज
- एसडीएम कोर्ट के सामने भाजपा नेता को मारने पीटने का है आरोप

केटी न्यूज/ बलिया

सोमवार को एसडीएम सिकंदरपुर कोर्ट के सामने सपा नेताओं द्वारा वरिष्ठ भाजपा नेता की पिटाई के बाद भाजपाइयों ने मंगलवार को सिकंदरपुर थाने पर धरना दिया और दोनों सपा नेताओं के विरुद्ध नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। इसके बाद पुलिस ने विधानसभा अध्यक्ष रामजी यादव समेत दो लोगों के विरुद्ध संबंधीत धाराओं में मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दिया है। तहरीर में पीड़ित लालबचन शर्मा ने उल्लेख किया है कि मैं 24 जून को सिकन्दरपुर एसडीएम कोर्ट में किसी कार्य से गया हुआ था। जहां लाइन में खड़ा था। हमारे साथ कपिल मुनि गुप्ता निवासी बस स्टेशन मनियर रोड भी खड़े थे। इस दौरान सपा नेता अनन्त मिश्रा निवासी जमुई सिकंदरपुर एवं रामजी यादव विधान सभा अध्यक्ष सिकन्दरपुर निवासी बालुपुर एसडीएम कार्यालय में घुस गए।

जब काफी देर हुआ तो मैं अंदर घुस गया और कहाकि हमे भी अपनी बात कहनी है। इस पर नाराज होकर अनन्त मिश्रा और रामजी यादव गाली देते हुए कहा कि ज्यादे नेता बनते हो कहते हुए गर्दन में हाथ लगाते हुए धक्का देते हुए बाहर निकाल दिया। जिसके बाद मैं दीवार से लड़कर गिर गए और बेहोश हो गए। इस मामले में भाजपाइयों ने दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। इस बाबत सिकंदरपुर थानाध्यक्ष दिनेश पाठक ने बताया कि तहरीर के आधार पर सिकंदरपुर के विधानसभा अध्यक्ष रामजी यादव समेत दो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

बलात्कार के दोषी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा

बलिया। बलात्कार व पॉक्सो एक्ट के मामले में सुनवाई करते हुए सिविल कोर्ट अपर सत्र न्यायाधीश की अदालत ने दोषी को 10 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई। सजा पाने वाले दोषी का नाम बृजेश राजभर पुत्र मुन्ना राजभर निवासी बबुरानी थाना पकड़ी। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि वर्ष 2018 में पकड़ी थाने में आरोपी बृजेश राजभर के खिलाफ बलात्कार व पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस द्वारा न्यायालय में चार्जशीट प्रस्तुत करने के बाद साक्ष्यों के न्यायिक परिसीलन के उपरांत आरोपी को दोषी करार देते हुए दस वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई।

भूतपूर्व सैनिकों ने राह चलते राहगीरों की बुझाई प्यास

केटी न्यूज / बलिया

पहले सरहद पर डटकर देश की रक्षा किया और अब प्यासे की प्यास बुझाने के लिए मंगलवार को भूतपूर्व सैनिक मैदान में उतर गए। एनसीसी तिराहा के पास स्थित सैनिक कैंटीन के ठीक सामने निःशुल्क स्टॉल लगाकर न सिर्फ आने जाने वाले राहगीरों की प्यास बुझाई। बल्कि भूतपूर्व सैनिकों ने तत्परता दिखाते हुए चलती साइकिल पर किसी को शरबत दिया तो कोई रिक्शा खींच कर ले जाने वाले के पास पहुंचकर प्यास बुझाई। सेवा भाव के इस कार्यक्रम में उस समय और चार चांद लग गया, जब परिवहन मंत्री उसी रास्ते से गुजरते वक्त रूक गए और खुद जाकर शरबत पीकर भूतपूर्व सैनिकों का आशीर्वाद लिया। बताया कि सेना हमारी शान है, जब जब विकटता आई तो सबसे पहले हमारी सेना ही हमारी ढाल बनी है और आज सेवा निवृत्त होने के बाद भी देश के लिए, देश नागरिक के लिए सेवा भाव देखकर मन प्रसन्न हो गया। इस मौके पर भूतपूर्व सैनिक संगठन के मुख्य सचिव डीएन पांडेय, नगर अध्यक्ष अशोक कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह, चिलकहर ब्लाक अध्यक्ष महात्मा सिंह, प्रेमचंद शर्मा, रमेश वर्मा, कैप्टन आरके राय, बांसडीह ब्लॉक अध्यक्ष पारसनाथ यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा युवा ने एसडीएम व सीओ को पत्रक सौंपा

देवी देवताओं के ऊपर अभद्र टिप्पणी करने से भड़का आक्रोश

- जखनियां गोविंद का रहने वाला हसन नाम का युवक जो कि पिछले दिनों अपने इंस्टाग्राम आईडी आरडीएक्स हसन किंग यू पी -61 के माध्यम से हिंदू देवी देवताओं के ऊपर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए सोशल मीडिया पर किया था वायरल

केटी न्यूज / गाजीपुर

अखिल भारतीय क्षत्रीय महासभा युवा के जिलाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने मनिहारी ब्लॉक के कार्यकताओं के साथ उप जिलाधिकारी जखनियां कमलेश कुमार सिंह एवं क्षेत्राधिकारी बलिराम से मिलकर पत्रक सौंपा। जिलाध्यक्ष ने बताया कि जखनियां गोविंद का रहने वाला हसन नाम का युवक जो कि पिछले दिनों अपने इंस्टाग्राम आईडी आरडीएक्स हसन किंग यू पी -61 के माध्यम से हिंदू देवी देवताओं के ऊपर अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए सोशल मीडिया पर वायरल किया था। इसका उद्देश्य समाज में विद्वेष फैलाना था। जिस भाषा का उपयोग किया था, उससे समाज में उन्माद व धार्मिक संघर्ष फैलने की प्रबल संभावना थी, जैसे ही यह बात पता चली युवा जिलाध्यक्ष ने कड़े शब्दों में निंदा करते हुए उसके आईडी के ग्रुप की पूरी जांच करने की मांग की तथा अधिकारियों से सख्त लहजे में कहा कि इसके पूरे ग्रुप की जांच होनी चाहिए। इसके साथ-साथ जो भी इस कृत में शामिल हैं उसके उपर कठोरता कार्रवाई करते हुए विधि अनुसार जेल भेजा जाए। ताकि समाज में जो गंगा- जमुनी तहजीब है वह कायम रहे। लोगों के बीच शांति सद्भाव बना रहे। इसलिए ऐसे लोगों की जगह समाज में नहीं, बल्कि सलाखों के पीछे है। जिस पर अधिकारियों ने संज्ञान में लेते हुए इसकी पूरी जांच करने का आश्वासन दिया तथा कठोरता कार्रवाई करने का भी आश्वासन दिया। साथ ही नीचे के अधिकारियों को सख्त आदेश दिया गया कि जांच कर सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए। इस मौके पर भवानी प्रताप सिंह, पवन सिंह, अश्वनी सिंह, अमन सिंह, अंकुर सिंह, दिनेश के साथ-साथ स्थानीय लोग मौजूद रहे।

बाप–बेटे के विरुद्ध धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज

- परिवहन मंत्री व डीआईओएस का फर्जी हस्ताक्षर कर कार्यालय में किया था प्रेषित
- उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीरूपुर को कब्जा करने की नीयत से किया था ऐसा

बलिया। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह व अधिकारी का फर्जी लेटरपैड तैयार कर उस पर कूटरचित हस्ताक्षर बनाकर डीआईओएस कार्यालय में प्रेषित करने के मामले में कोतवाली पुलिस ने बाप–बेटे के खिलाफ धोखाधड़ी सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें कि शहर कोतवाली क्षेत्र के अशोक नगर सतनी सराय निवासी महेश प्रताप तिवारी पुत्र स्व.विश्वनाथ तिवारी एवं उनके पुत्र रवि तिवारी ने मंत्री एवं अधिकारी का कूटरचित पत्र तैयार कर तथा उस पर फर्जी हस्ताक्षर बनाकर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नीरूपुर को कब्जा करने की नीयत से जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय में प्रेषित किया है। जिसकी जानकारी होने पर वादी शत्रुधन पांडेय पुत्र लल्लू पांडेय ग्राम दोपही थाना हल्दी ने शहर कोतवाली में तहरीर देकर आरोप लगाया है कि बाप बेटे ने फर्जी तरीके से परिवहन मंत्री का फर्जी लेटरपैड तैयार कर उस पर फर्जी हस्ताक्षर बनाकर जिला विद्यालय निरीक्षक का मार्किंग कर संबंधित वरिष्ठ सहायक कार्यालय जिला विद्यालय निरीक्षक बलिया के पास अपने मोबाईल से ह्वाट्सएप पर भेजा हैं, जबकि इस तरह का कोई पत्र परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह द्वारा जिला विद्यालय निरीक्षक बलिया को प्रेषित नहीं किया गया है। इससे यह पुष्ट होता है कि बाप–बेटे कूटरचित पत्र पर जिला विद्यालय निरीक्षक बलिया का हस्ताक्षर भी जाली और फर्जी है। जिसमें मुकदमा दर्ज कर जांच नितांत आवश्यक है। तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने महेश प्रताप तिवारी व उनके पुत्र रवि तिवारी निवासी अशोक नगर सतनी सराय, थाना कोतवाली के विरूद्ध धारा 419, 420, 467, 468, 471 के तहत मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

2735 कृषि फीडर के जरिए अब किसानों को मिलेगी 10 घंटे मुफ्त बिजली

- पूरे प्रदेश में कुल 23226 फीडर, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में की जा रही 24 घंटे बिजली आपूर्ति
- 14 लाख 21 हजार ट्यूबवेल धारक किसानों को दी जाती है फ्री बिजली

केटी न्यूज / लखनऊ

अन्नदाता किसान सीएम योगी की प्राथमिकता में हैं। किसानों से जुड़ी योजनाओं के क्रियान्वयन व उन्हें लागू करने पर उनका विशेष जोर रहता है। मार्च में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हुई कैबिनेट मीटिंग में ट्यूबवेल से सिंचाई व कृषि कार्यों के लिए मुफ्त बिजली के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई थी। वहीं बजट में भी योगी सरकार की ओर से मुफ्त सिंचाई

के लिए 1100 करोड़ रुपये बजट की व्यवस्था की गई थी। इसे देखते हुए अप्रैल से किसानों को मुफ्त सिंचाई की सुविधा मिलने लगी है। योगी सरकार की ओर से कृषि कार्यों के लिए 2735 फीडर से 10 घंटे निःशुल्क बिजली दी जा रही है। जल्द ही कृषि फीडरों की संख्या 5 हजार से पार पहुंच जाएगी। गौरतलब है कि 14.21 लाख ट्यूबवेल धारक किसानों को फ्री बिजली दी जाती है। भीषण गर्मी में भी यूपी में 24 घंटे ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई। सभी 75 जनपदों में समान रूप से बिजली देकर नागरिकों को सुविधाओं से पूर्ण रखा गया। वहीं आमजन को बिजली की व्यवस्था सुनिश्चित करने के अतिरिक्त कृषि कार्यों के लिए किसानों को भी योगी सरकार की तरफ से 10 घंटे बिजली दी जा रही है।

5433 से अधिक फीडरों को कृषि कार्यों के लिए प्रस्तावित

उत्तर प्रदेश में कुल 23226 विद्युत फीडर हैं। इसमें से 5433 से अधिक फीडर को कृषि कार्यों के लिए पृथक किया जाना प्रस्तावित है। इसमें से 2735 फीडर ऐसे हैं, जिन्हें कृषि कार्यों के लिए अलग किया जा चुका है और इनके माध्यम से सिंचाई व अन्य कृषि कार्यों के लिए किसानों को 10 घंटे निशुल्क विद्युत आपूर्ति दी जा रही है। शेष 20491 फीडरों को बिना अलग किए फीडरों से 24 घंटे विद्युत आपूर्ति की जा रही है।

कृषि फीडरों के लिए तय लक्ष्य को निर्धारित समय में किया जाएगा पूर्ण

उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष आशीष कुमार गोयल ने कहा कि सरकार की मंशा के अनुरूप भीषण गर्मी के बावजूद पूरे प्रदेश में 24 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की गई है। इसी क्रम में अन्नदाता किसानों की बेहतरी के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा शुरू की गई इस योजना को भी प्राथमिकता के आधार पर संचालित किया जा रहा है। अनवरत मॉनीटरिंग के माध्यम से किसानों को सिंचाई समेत अन्य कृषि कार्यों के लिए 10 घंटे निःशुल्क विद्युत आपूर्ति प्रदान की जा रही है। प्रदेश सरकार की तरफ से कृषि फीडरों के लिए तय लक्ष्य को निर्धारित समय में पूर्ण कर लिया जाएगा।

एक नजर

मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता वाले विकास कार्यों की गाजीपुर डीएम ने की समीक्षा

गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में शासन द्वारा मुख्यमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता विकास कार्यों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट

सभागार में सम्पन्न हुई। इस दौरान जिलाधिकारी ने चिकित्सा, स्वास्थ, कृषि, पंचायती राज, पशुधन, ग्राम विकास, वन विभाग, उर्जा, सेवायोजन, बेसिक शिक्षा, लोक निर्माण, सेतु निगम एवं पीएमजेएसवाई, सिचाई एवं जल संसाधन, नमामि गंगे, लघु सिचाई, नलकूप, मत्सय, उद्यान, खाद्य एवं रसद, बाल विकास, समाज कल्याण, महिला कल्याण, अल्पसंख्यक कल्याण, दिव्यांगजन, व्यवसायिक शिक्षा, उद्योग, श्रम, खादी एवं ग्रामोद्योग एवं सहकारिता विभागों की योजनाओं की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त संबंधित विभागों से जुड़ी योजनाओं की माह प्रगति के बारे में समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारी को निर्धारित समय सीमा में विभागीय विकास परक योजनाओं एवं निमार्णाधीन परियोजनाओं को पूरा करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जन कल्याणकारी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर लागू कर पात्र आम जन मानस को त्वरित गति से लाभ पहुचाया जाये। कोई भी पात्र व्यक्ति शासन का लाभ परक योजनाओं से वंचित न रहने पाए। आईजीआरएस प्रकरण में उन्होंने शिकायत पत्रों का समय से निस्तारण करने का निर्देश दिया। कहा कि किसी दशा में कोई शिकायत डिफाल्टर न होने पाए। इसकी समीक्षा सीधे शासन स्तर से लगातार की जा रही है। जिलाधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारी को निर्देश दिया की पंचायत सचिवालय एवं सामुदायिक सचिवालय प्रतिदिन खुलने चाहिए। कहीं भी बंद न मिले। इसके साथ ही गौशालायों में समस्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध रहे। पशुओं के लिए चारा पानी की उपलब्धता सुनिश्चित रहे। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि अपनी-अपनी विभागीय योजनाओं के संबंध में स्टाफ के साथ समीक्षा कर समयान्तर्गत कार्य कराना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी, जिला विकास अधिकारी समेत समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी और समस्त खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

चलती ऑटो रिक्शा का गुल्ला टूटा, वृद्ध की मौत

चंदौली। अलीनगर थाना क्षेत्र के कुछमन गांव के समीप अलीनगर सकलडीहा मार्ग पर मंगलवार की अलसुबह ऑटो का गुल्ला टूट जाने के कारण आटो पलटने से वृद्ध की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। सकलडीहा कोतवाली क्षेत्र के डेढ़गावां निवासी रामनगीना राम लंबे समय से अपने परिवार के साथ आगरा में रहकर एक कंपनी में काम कर रहे थे। आगरा से घरेलू कार्यवश रविवार को अपने गांव आए हुए थे। मंगलवार को सुबह अपने गांव से ही अपनी पुत्री सुंदरी के साथ ऑटो पर सवार होकर मुगलसराय रेलवे स्टेशन जा रहे थे। जैसे ही कुछमन गांव के समीप पहुंचे कि ऑटो का गुल्ला टूट जाने के कारण चक्का बाहर निकल गया। जिससे ऑटो पलट गया। इसमें सवार रामनगीना राम 65 वर्ष गंभीर रूप से घायल हो गए? वहीं पुत्री सुंदरी 35 वर्ष के अलावा अन्य सवारी भी आंशिक रूप से चोटिल हो गए। घायलावस्था में स्थानीय लोगों ने एंबुलेंस द्वारा इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सकलडीहा ले गए। जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। इनकी पत्नी चंपा देवी की लगभग पांच वर्ष पूर्व मौत हो चुकी है। इसके अलावा उनकी पुत्री सुंदरी व तीन पुत्र क्रमशः मंगल, सरोज व लाली भी इनके साथ आगरा में रह रहे थे। इसकी जानकारी होते ही सभी लोग रोते बिलखते ट्रेन द्वारा पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे । पोस्टमार्टम हाउस के बाहर परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया। इस संबंध में तारा जीवनपुर चौकी प्रभारी वरुणेंद्र राय ने बताया कि ऑटो पलटने से वृद्ध मौत हुई है। पोस्टमार्टम कराकर शव को परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सुपुर्द कर दिया जाएगा।

खबरें फटाफट

आदित्य लांग्हे बने चंदौली के नये पुलिस कप्तान

चंदौली। लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की करारी

हार के बाद जिले में प्रशासनिक बड़े पदों पर बैठे अधिकारियों के तबादले की आशंका सच साबित हुई। मंगलवार को देर शाम पुलिस कप्तान डॉक्टर अनिल कुमार की तब आते की लिस्ट सामने आ गई। हालांकि उन्हें चंदौली से बड़े जिले प्रतापगढ़ में पुलिस अधीक्षक का पद दिया गया है। आदित्य लांग्हे को चंदौली का नया पुलिस कप्तान बनाया गया है। आशंका जताई जा रही है कि अभी प्रदेश में एक बार फिर तब आता है एक्सप्रेस ट्रैक पर दौड़ने को तैयार है जिसमें चंदौली जिले के कुछ और बड़े अधिकारियों का ट्रांसफर किया जा सकता है। आदित्य जम्मू-कश्मीर के निवासी हैं और 2016 बैच के आईपीएस हैं।

कृषि विभाग की टीम ने खाद की दुकानों पर की छापेमारी

चकिया (चंदौली)। कृषि विभाग द्वारा मंगलवार को उप कृषि निदेशक जनार्दन प्रसाद और जिला कृषि अधिकारी राजेश राय संयुक्त टीम ने खाद की दुकान पर छापेमारी किया खाद संचालकों में हड़कंप मच गया। खाद संचालकों ने कृषि विभाग की टीम को देखते ही शटर बंद कर भाग खड़े हुए। जांच के दौरान गड़बड़ी अपने पर तीन दुकान बंद होने पर उनके खिलाफ कारण बताओं नोटिस जारी कर दिया। कहा कि सभी दुकानदार अपने भौतिक स्टॉक के साथ स्टॉक रजिस्टर मिलान रखें और किसानों को सरकारी दर पर खाद का बिक्री करें जांच के दौरान पूजा त्रिपाठी, रमेश सिंह यादव, चंदन सिंह बीएन सिंह अखिलेश पांडे, अभिषेक यादव सहित कृषि विभाग के मौजूद रहे।

आपातकाल के 50वें वर्ष में आयोजित काला दिवस विषयक संगोष्ठी में बोले मुख्यमंत्री

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से संविधान व लोकतंत्र को खतरा : योगी

- आपातकाल लोकतंत्र की कुचलने की पराकाष्ठा थी : योगी आदित्यनाथ

केटी न्यूज/गोरखपुर

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस की आस्था कभी भी भारत के संविधान और लोकतंत्र में नहीं रही है। जब भी उसे मौका मिला, उसने संविधान का गला घोंटने और लोकतंत्र को कुचलने का कार्य किया है। जब मौका नहीं मिला तो उसने संविधान और लोकतंत्र की ही दुहाई देकर जनता को झूठी बातों से गुमराह किया। वास्तविकता यही है कि आज भी संविधान और लोकतंत्र को खतरा कांग्रेस और इंडी गठबंधन में शामिल उसके सहयोगी दलों से है। सीएम योगी देश में 25 जून 1975 को तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल (इमरजेंसी) के पचासवें वर्ष में मंगलवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में भाजपा की जिला व महानगर इकाई की तरफ से आयोजित काला दिवस विषयक संगोष्ठी और लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। 28 लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को सम्मानित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि 50 वर्ष पहले आज ही के दिन मध्य रात्रि तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने भारतीय संसदीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय लिखा था। देश के संविधान का गला घोंटकर, आपातकाल लागू कर कांग्रेस ने लोकतंत्र को तहस नहस करने की कुचेष्टा की थी। इमरजेंसी लगाकर कांग्रेस ने नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए थे, न्यायालयों को उनके अधिकारों से वंचित कर

इन लोकतंत्र रक्षक सेनानियों का सीएम योगी ने किया सम्मान

शीतल पांडेय, रमेश विश्वकर्मा, योगेंद्र गुप्ता, सुरेंद्र सिंह, डॉ. केशव सिंह, शिव प्रकाश अग्रवाल, राजाराम, दीप नारायण शुक्ला, सुरेश खन्ना, डॉ. महेश पाठक, राजकिशोर मिश्र, दुर्गा प्रसाद मिश्र, भगवती सिंह, छेदी लाल, धनराज सिंह, शंभू सिंह श्रीनेत, राजेश गुप्ता, क्षत्रपति शुक्ला, हरिलाल चौरसिया, शेषनाथ सिंह,, बलदेव यादव, श्रीकृष्ण गुप्ता, नागेंद्र सिंह, रामेश्वर सिंह, नरेंद्र यादव, लालजी सिंह, अभिमन्यु शाही, हेमंत सिंह, विनय प्रणाचार्य, अभय पांडेय, अभिमन्यु सिंह, रामनरेश।

दिया गया था। जिन लोगों ने इस तानाशाही रवैये के विरोध किया, उन्हें जेल में डालकर अमानवीय यातनाएं दी गईं। कांग्रेस के इस कृत्य से संविधान कराह उठा था, लोकतंत्र तड़प गया था। यह लोकतंत्र को कुचलने की पराकाष्ठा थी।

जब भी अवसर मिला, कांग्रेस ने घोंटा संविधान और लोकतंत्र का गला

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को जब भी अवसर मिला उसने लोकतंत्र और संविधान का गला घोंटने से परहेज नहीं किया। स्वतंत्र भारत में जो संविधान एकता और एकात्मकता के लिए अंगीकार किया गया था, उसमें कुछ दिनों बाद ही जबरन धारा 370 लाकर कांग्रेस ने कश्मीर में आतंकवाद की नींव रख दी। तुष्टिकरण की पोषक धारा 370 नहीं होता तो कश्मीर में आतंकवाद और विस्थापन की समस्या नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1950 से लेकर 2014 तक कांग्रेस की सरकारों ने स्वार्थ पूर्ति के लिए 75 से अधिक संशोधन किए। कांग्रेस ने धारा 356 का इस्तेमाल कर 90 बार से अधिक राज्य सरकारों को बर्खास्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान व भावी पीढ़ी को कांग्रेस के कुकृत्य से अवगत कराने की जरूरत है ताकि फिर किसी पीढ़ी को आपातकाल की तरह अपनी जवानी होम न करनी पड़े। सीएम ने आज सम्मानित होने वाले लोकतंत्र रक्षक सेनानियों के जज्बे को नमन करते हुए कहा कि उन्हें सम्मानित करने का अवसर मिलना सौभाग्य की बात है। सीएम योगी ने कांग्रेस नेतृत्व वाले इंडी गठबंधन में शामिल उसके सहयोगी दलों पर भी सवाल उठाए। कांग्रेस के सहयोगी दलों के पूर्वज आज कहीं से अपनी पार्टी के वर्तमान नेताओं को कांग्रेस के साथ देखते होंगे तो वे खून के आंसू पीने को मजबूर होते होंगे। इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं लोकतंत्र रक्षक सेनानी शीतल पांडेय ने आपातकाल से जुड़े अपने संस्मरण साझा किए। कार्यक्रम में एमएलसी एवं भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह, क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, विधायक विपिन सिंह, महेन्द्रपाल सिंह, राजेश त्रिपाठी, प्रदीप शुक्ल, भाजपा महानगर महामंत्री ओमप्रकाश शर्मा, छोटेलाल मौर्य, मनोज शुक्ल, अच्युतानंद शाही आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

कांग्रेस का सिर्फ चेहरा बदला है,चरित्र नहीं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपातकाल में कांग्रेस का बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। उसने संविधान की मूल आत्मा कही जाने वाली प्रस्तावना में संशोधन करके उसकी आत्मा को नष्ट करने का प्रयास किया था। उस समय आवाज उठाने पर अटल बिहारी वाजपेयी, जय प्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, लाल कृष्ण आडवाणी समेत विपक्ष के सभी नेताओं और लोकतंत्र समर्थकोंको गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। सीएम ने कहा कि आज भी कांग्रेस पार्टी में भले ही चेहरा बदला हो लेकिन आज सत्ता से बाहर होकर भी उसका मूल चरित्र वही है जो आपातकाल के समय था।

भाजपा कार्यकर्ताओ ने मनाया काला दिवस

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता मे सीहीपुर स्थित भाजपा कार्यालय पर काला दिवस मनाया गया। जिसमे मुख्य अतिथि के रूप प्रदेश प्रवक्ता अशोक पाण्डेय और विशिष्ट अतिथि के रूप मे लोकतंत्र सेनानी के जिलाध्यक्ष एव पूर्व विधायक सुरेंद्र प्रताप सिंह उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि के रूप मे प्रदेश प्रवक्ता अशोक पाण्डेय ने कहा कि इंदिरा गांधी द्वारा भारत में 1975 में लगाया गया आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में सबसे बड़ी घटना है। जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि आपातकाल की घोषणा के साथ ही सभी विरोधी दलों के नेताओं को गिरफ्तार करवाकर अज्ञात स्थानों पर रखा गया। सरकार ने मीसा (मैंटीनेन्स ऑफ इंटरनल सिक्यूरिटी एक्ट) के तहत कदम उठायो। उस समय बिहार में जयप्रकाश नारायण का आंदोलन अपने चरम पर था। कांग्रेस के कुशासन और भ्रष्टाचार से तंग जनता में इंदिरा सरकार इतनी अलोकप्रिय हो चुकी थी कि चारों ओर से उन पर सत्ता छोड़ने का दबाव था, लेकिन सरकार ने इस जनमानस को दबाने के लिए तानाशाही का रास्ता चुनो। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुनील तिवारी ने किया। उक्त अवसर पर पियूष गुप्ता सुरेंद्र सिंघानिया ओमप्रकाश सिंह विनीत शुक्ला रोहन सिंह इंद्रसेन सिंह एव समस्त मंडल अध्यक्ष उपस्थित रहे।

आपातकाल भारतीय लोकतंत्र का काला अध्याय : अनामिका

चंदौली। भारतीय जनता पार्टी की बैठक मंगलवार को जिला कार्यालय में आयोजित हुई। इसमें 25 जून 1975 को आपातकाल लगने पर काला दिवस के रूप में मनाया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि प्रदेश मंत्री व जिला प्रभारी अनामिका चौधरी ने कहा कि 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोप दिया था। भारत के मजबूत लोकतंत्र में आपातकाल कभी ना भूला जाने वाला काला अध्याय है। इस दौरान अनामिका चौधरी ने कहा कि आपातकाल लागू होने के अगले 21 महीने में तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने देश के लोकतंत्र और संविधान को बंधक बना लिया था। जनता, मीडिया और विपक्ष के नेताओं पर अनगिनत अत्याचार किए गए। नागरिक अधिकारों को खत्म कर दिया गया था।

चंदौली नगर में धूमधाम से मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की जयंती

विश्वनाथ प्रताप सिंह ने मजलूमों को दिलाया था उनका हक : मनोज

- मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी अरविंद सिंह ने कहा कि चंदौली में गिर गया है राजनीति का स्तर

केटी न्यूज/चंदौली

पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की जयंती मंगलवार को नगर पंचायत कार्यालय सभागार में धूमधाम से मनाई गई। इस दौरान अतिथियों ने उनके चित्र पर श्रद्धा-सुमन अर्पित किया। इसके बाद आयोजित गोष्ठी में उनके व्यक्तित्व व जीवन पर अपने विचार रखे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व एमएलसी अरविंद सिंह ने कहा कि चंदौली में राजनीति का स्तर गिर गया है। एक जमाने में चंदौली की राजनीति दिल्ली तक जानी जाती थी, लेकिन आज जिला पंचायत के कुर्सी पैसे से खरीदी व बेची जाती है। ऐसे लोग किसान, नौजवान का कितना ख्याल रखेंगे यह विचारणीय है। विचारधारा की राजनीति चंदौली से विलुप्त हो चुकी है। कहा कि हालिया चुनाव सपा प्रत्याशी की जीत जनता का आक्रोश था। संविधान बचाने के नाम पर प्रदेश में बदलाव देखने को मिला।

ऐसे ही आक्रोश जब आंदोलन में तब्दील होंगे, तभी देश की तस्वीर बदलेगी। पूर्व प्रधानमंत्री विश्वनाथ प्रताप सिंह ने अपनी कुर्बानियों से नए भारत की संरचना करने का प्रयास किया। कुर्सी की परवाह किए बगैर उन्होंने देश के पिछड़े, गरीबों, मजलूमो को उनका हक दिलाने का काम किया। देश में बाबा साहब का संविधान जरूरी है, जो लोग राम मंदिर बनाने व राम को लाने का दंभ भर रहे हैं। दरअसल संविधान की वजह से ही भव्य मंदिर का निर्माण हुआ है। कहा कि

देश सम्पन्न है तो 80 करोड़ लोगों को राशन की आवश्यकता क्यों है सपा के राष्ट्रीय सचिव मनोज सिंह डब्लू ने कहा कि विश्वनाथ प्रताप सिंह की छवि आज अखिलेश यादव में देखने को मिल रही है। जिस तरीके से अखिलेश यादव आज पिछड़े, दलितों को उनका हक दिलाने के लिए आगे आएं है वह वीपी सिंह के कार्यकाल की याद दिलाता है। नौजवानों को आगे आकर अन्याय के खिलाफ लड़ना होगा। पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह की जयंती पर उन्होंने दो महीने तक लगातार अभियान चलाकर गांवों में पौधरोपण करने व पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया। इसके अलावा कुंवर सुरेश सिंह, अंजनी सिंह, डा. भरतभूषण, विवेक सिंह यादव, सैयद सर्फराज आदि ने विचार रखे। इस मौके पर महेंद्र यादव, डा. संध्या भूषण, मनोज यादव, हरिदास यादव, श्रीराम यादव आदि उपस्थित रहे। अध्यक्षता रामकेश सिंह यादव व संचालन सूर्यनाथ सिंह, धन्यवाद ज्ञापन सियाराम चौहान ने किया।

पिछडों, दलितों के मसीहा थे विश्वनाथ प्रताप सिंह

चंदौली। उत्तर प्रदेश किसान न्याय मोर्चा के कैंप कार्यालय विश्वनाथ चौराहा बिछिया में पूर्व पीएम बीपी सिंह का 93वां जन्मदिन समारोह पूर्वक मनाया गया इस अवसर पर किसान न्याय मोर्चा के प्रदेश संयोजक महेंद्र प्रसाद यादव ने कहा कि स्वर्गीय विश्वनाथ प्रताप सिंह ने अपने कार्यकाल में किसानों, पिछड़ों, अतिपिछड़ों, अल्पसंख्यकों, दलितों के लिए जो काम किया व सदैव याद किया जाएगा। उपाध्यक्ष शमीम अहमद मिल्की ने कहा कि बीपी सिंह ने मंडल कमीशन के रिपोर्ट लागू कर दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों को सरकार में भागीदारी का रास्ता साफ किया, जिसके वजह से आज कौन समाज के पिछड़े दलित अल्पसंख्यक समाज के लोग डीएम एसपी तथा अन्य पदों पर दिखाई दे रहे हैं।

लोगों के जीवन मे उजाला भर रही है ब्रह्माकुमारीज !

सुभाषितम्

शरीर को रोगी और निर्बल रखने के सामान दूसरा कोई पाप नहीं है। - लोकमान्य तिलक

संसद में मोदी सरकार की अग्नि परीक्षा

तीसरी बार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सिर पर कांटों का ताज है। नरेंद्र मोदी 13 साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री बने रहे। 10 साल केंद्र में प्रधानमंत्री रहे। नरेंद्र मोदी की सत्ता का यह 24वां साल है। 23 साल तक मोदी का सत्ता में एकछत्र राज रहा है। 23 साल तक सदन में उनके पास पूर्ण बहुमत था। पहली बार वह अल्पमत की सरकार के प्रधानमंत्री बने हैं। विपक्ष इस समय जोश से भरा हुआ है। भले उसके पास स्पष्ट बहुमत ना हो। लेकिन उसमें इतनी ताकत है, कि वह सरकार से पूरी ताकत से मुकाबला कर सके। सदन के अंदर अब सत्ता पक्ष मनमानी नहीं कर सकेगा। बहुमत के आधार पर कानूनों को हो-हल्ले के बीच पास नहीं करा पाएंगे। कानून पास कराने के पहले सदन के अंदर चर्चा भी करानी होगी। लोकसभा अध्यक्ष के ऊपर भी दबाव होगा, सरकार द्वारा जो भी बिल सदन में पेश किए जा रहे हैं, वह नियम और कानून के तहत पेश हों। उन पर विधिवत चर्चा हो। चर्चा होने के बाद मतदान हो। उसी के बाद बिलों की स्वीकृति प्रदान की जाए। पिछले 10 वर्षों में कई कानून नियम विरुद्ध सदन में पेश किए गए। सदन से उन्हें अध्यक्ष ने पास भी करा दिया। मनी बिल के रूप में ऐसे बहुत सारे नियम और कानून बनाए गए। जो मनी बिल के रूप में सदन के अंदर स्वीकृत ही नहीं हो सकते थे। पिछले 10 साल में संसद सदस्यों के अधिकार भी सदन के अंदर कम हुए हैं। सरकार के मुकाबले सदन के अधिकार सरकार के पास चले गए। बहुत सारे कानून बिना किसी चर्चा के ध्वनि मत से पारित करा दिए गए। तीन अपराध कानून भी उसी श्रेणी में आते हैं। विपक्षी सांसदों को निष्कासित कर सदन में कुछ मिनटों के अंदर ध्वनि मत से कानूनों को पास करा दिया गया। इससे अध्यक्ष पद की साख भी पहले की तुलना में काफी कमजोर हुई है। अब विपक्ष के पास सदन के अंदर ताकत है। अध्यक्ष भी सदन के अंदर विपक्ष की ताकत को अनदेखा नहीं कर सकता है। सदन के अंदर जो भी बिल पेश किए जाएंगे, वह नियम के अंतर्गत सरकार को अध्यक्ष की अनुमति से पेश करने होंगे। ऐसे बिलों में संसद के अंदर बहस भी होगी। सभी सांसदों को बोलने का मौका मिलेगा। मोदी सरकार ने 10 साल में जो कानून पारित कराए हैं। उनको लेकर विपक्ष समय-समय पर अपनी नाराजी जताता रहा है। संसदीय परंपराओं का पालन नहीं किया गया। मजदूरों से संबंधित श्रम कानून, न्यायिक नियुक्ति आयोग कानून, 3 अपराध कानून, दिल्ली सरकार के अधिकारों पर कटौती, चुनाव आयुक्त नियुक्ति कानून और मनी बिल के तहत जो कानून पास कराए जा रहे थे। संसद में विपक्ष की जो अनदेखी सरकार द्वारा की जा रही थी। अब उस सारे मामले में टकराव बनना तय है। संशोधन या अन्य माध्यमों से विपक्ष चर्चा करने की हर संभव कोशिश करेगी। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में टकराव बढ़ेगा। 18वीं लोकसभा के प्रथम सत्र में विपक्ष पेपर लीक, अग्नि वीर, मणिपुर, महंगाई और बेरोजगारी को लेकर सरकार को तगड़ी चुनौती देता हुआ दिख रहा है। सरकार ने अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद को लेकर भी विपक्ष के साथ सहमति बनाने का कोई प्रयास सरकार द्वारा नहीं किया गया। जिसके कारण स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार अध्यक्ष पद के लिए लोकसभा में चुनाव होगा। जिस तरह की स्थितियां लोकसभा में बनती दिख रही हैं, उसमें एक ज्योतिषी जो इन दिनों देश एवं दुनिया में बड़े चर्चित हैं, उनका नाम है- राजीव नारायण, जिन्होंने भविष्यवाणी की है। भाजपा के खिलाफ जन असंतोष बढ़ेगा। विपक्षी दलों का विरोध भी बढ़ेगा। भाजपा के अंदर ही बगावत होगी। भाजपा के लिए अपनी सत्ता बनाए रखना बड़ा मुश्किल होगा। उसी तरह की स्थिति सदन के अंदर बनती हुई दिख रही है। तीसरे कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सहयोगी दलों और भाजपा के ही वरिष्ठ नेताओं से जिस तरह की चुनौती मिल रही है, उससे मोदी के लिए सत्ता में बने रहना, दिन प्रतिदिन कठिन होता जा रहा है। उड़ीसा में भारतीय जनता पार्टी की सरकार जरूर बन गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नवीन पटनायक के साथ जो विश्वासघात का खेला किया है।

चिंतन-मनन

बदला हुआ आदमी

स्कॉटलैंड के एक राजा को शत्रुओं ने पराजित कर दिया। उसे धन-जन की बड़ी हानि हुई और संगी-साथी भी छूट गए। अब बस उसका जीवन बचा था, पर शत्रु उसकी टोह में थे। प्राण बचाने के लिए वह भागा-भागा फिर रहा था। स्थिति यह थी कि राजा अब मरा कि तब मरा। राजा एक खोह में छिपा अपनी मौत की प्रतीक्षा करते हुए सोच रहा था- शत्रु की तलवार पल भर में मेरा काम तमाम कर देगी। तभी राजा ने देखा- एक मकड़ी खोह के दरवाजे पर जाला बनाने में व्यस्त थी। वह कई बार कोशिश करती, नाकाम रहती, लेकिन फिर से उठकर जाला बनाने लगती। राजा ने सोचा- यह व्यर्थ प्रयत्न कर रही है। बिना आधार के जाला भला कैसे बना पाएगी। किंतु आश्चर्य, मकड़ी का एक झीना-सा सूत्र खोह के मुंह पर अटक ही गया। बस फिर एक के बाद एक सूत्र अटकते चले गए और देखते-देखते जाला तेजी से बुना जाने लगा। थोड़ी देर में पूरी खोह के मुंह पर जाला तैयार था। तभी शत्रु के सिपाही वहां आ पहुंचे। लेकिन खोह के मुंह पर मकड़ी का जाला बना देख वापस लौट गए। करीब आई हुई मौत तो वापस चली गई पर राजा को एक गहरे विचार में छोड़ गई। उसने सोचा- मकड़ी बार-बार गिरकर भी निराश और परास्त नहीं हुई तो मैं इंसान होकर भी क्यों डर रहा हूं? मैं भी अवश्य अपने शत्रुओं को परास्त करूंगा। इस मकड़ी ने मेरा संकल्प मजबूत कर दिया है। यह सोचते ही वह खोह से बाहर निकल गया।

- डॉ श्रीगोपाल नारसन

ब्रह्माकुमारीज संस्था कई दशकों से लोगो मे नशे की आदत को दूर करने के लिए लोगो को प्रेरित करती रही है तभी तो ब्रह्माकुमारीज के संपर्क एवं प्रोत्साहन से बड़ी संख्या में लोग नशे की बुरी आदत को छोड़ चुके है और अभी भी यह अभियान जारी है ब्रह्माकुमारीज के व्यसन मुक्ति अभियान से प्रभावित होकर भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग तथा ब्रह्माकुमारीज ने नशा मुक्त भारत के लिए संयुक्त स्कूल स्तर से बड़ी पहल की है। नशा मुक्त भारत के लिए भारत सरकार के सामाजिक न्याय विभाग व ब्रह्माकुमारीज के बीच 3 साल के लिए एमओयू साइन किया गया है। जिसके तहत देशभर में राष्ट्रव्यापी अभियान चलाकर दस करोड़ लोगों को नशा मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है इस अभियान को पूरा करने के लिए स्कूल से लेकर कॉलेज तक व विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों और सामाजिक संस्थानों में लोगों को नशे से होने वाले दुष्परिणाम के बारे में सेमीनार, मोटिवेशनल वर्कशॉप के जरिए जागरूक किया जा रहा है । नई दिल्ली के डॉ. आंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर, 15 जनपथ में केंद्रीय सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास अठावले, विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण और ब्रह्माकुमारी संस्थान की ओर से ब्रह्माकुमारीज संस्थान के प्रबंधन कमेटी की सदस्य राजयोगिनी बीके आशा दीदी, माउंट आबू से प्रबंधन कमेटी के सदस्य डॉ. प्रताप मिडढा, मेडिकल विंग के सचिव डॉ. बीके बनारसीलाल विशेष रूप से मौजूद रहे। इस अभियान का लक्ष्य है कि भारत को विश्व का सर्वोच्च नेता बनाने के लिए नशा मुक्त समाज बनाना होगा। नशा मुक्त भारत अभियान में ब्रह्माकुमारीज आध्यात्मिक संगठन बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है ब्रह्माकुमारीज की ओर से वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका एवं ओआरसी की निदेशिका बीके आशा दीदी ने कहना है कि देश के लोगों को नशा मुक्त जीवन जीने में सहायता करने में उनका संस्थान पूरी तरह समर्पित है। नशा मुक्ति केवल आत्मनिरीक्षण, आत्म-जागरूकता और आध्यात्मिक जागृति से ही संभव हो सकती है। नशा मुक्त भारत अभियान सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय द्वारा ब्रह्माकुमारीज के साथ मिलकर वर्तमान में देश के 372 जिलों में चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य उच्च शिक्षण संस्थानों, विश्वविद्यालय परिसरों, विद्यालयों और समुदायों में पहुंचकर उसमें लोगों की भागीदारी और अभियान का स्वामित्व प्राप्त करना है इस अभियान की पहुंच अब तक 9.50 करोड़ से अधिक लोगों तक हो चुकी है, जिनमें 3.10 करोड़ से अधिक युवा, 2.05 करोड़ से अधिक लोग बड़ी उम्र के है,जो विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से इस अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। नशामुक्ति का संदेश फैलाने के लिए 3 लाख से अधिक शिक्षण संस्थान इस अभियान में अभी तक शामिल हो चुके हैं।नशामुक्ति के बारे में जागरूकता पैदा करने और ब्रह्माकुमारीज संगठन के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क की ताकत को समाज के एक व्यापक वर्ग तक पहुँचाने के लिए, ब्रह्माकुमारीज के मेडिकल विंग और सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय कार्य कर रहा है। इस अभियान के अंतर्गत नशा क्या है, कितने प्रकार का है, क्यों करते हैं, नशा करने कारण के साथ किस उम्र में नशी की लत लगती है, पर अध्ययन कर उसके निवारण पर काम किया जाता है। माना गया है आंतरिक शक्ति की कमी के कारण और गलत संगत से नशे की आदत पड़ती है। 12 से 25 साल के बच्चे मानसिक रूप से परिपक्व नहीं होने से नशे की चपेट में आ जाते हैं।पर्याप्त सम्मान न मिल पाना और प्यार की कमी भी नशे का एक मुख्य कारण है। नशे का विकार डॉक्टरी इलाज से पूरी तरह संभव नही है। नशा मुक्ति के लिए अध्यात्म और मेडिटेशन से जुड़कर ही बेहतर परिणाम प्राप्त किये जा सकते है। ब्रह्माकुमारी संस्था द्वारा तैयार राजयोग मेडिटेशन को नियमित करने से भी नशी की लत से मुक्ति पाना संभव है। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की मेडिकल विंग द्वारा देश को नशा मुक्त करने को लेकर शपथ भी दिलाई जा रही है। जिसमें सरकारी गैर सरकारी संस्थानों के कर्मचारियों ,स्कूली बच्चों के साथ साथ आम लोगों को भी नशा न करने की शपथ दिलाई जा रही है। जिसके तहत प्रण लिया जाता है कि आज से वे नशी का सेवन नहीं करेंगे। लोगों को बुरी आदतों से दूर करने के साथ-साथ वह स्वस्थ रहें और परिवार की देखरेख करें, इसके लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। नशा मुक्ति अभियान कार्यक्रमों में ब्रह्माकुमारी बहने व भाई लोगो को ईश्वरीय ज्ञान ,राजयोग, पवित्रता की धारणा और जनसेवा के प्रति प्रोत्साहित करते हुए इन चारों ही विषयो पर प्रकाश डालते है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान में रहने वाली बहनें समाज के परिवर्तन के लिए निरंतर कार्य कर रही है और वे अपने ज्ञान और योग बल के द्वारा लोगों के विवेक और सद्बुद्धि जागृत करने की निस्वार्थ सेवा कर रही हैं।दरअसल बच्चों में माताएं संस्कार जो डालती हैं जीवन पर्यंत उनके काम आते हैं जीवन की मुश्किल घड़ी में भी संस्कार उन्हें बुरे व्यसनों से बचाए रखते हैं, यदि माताएं बच्चों में बचपन से ही अच्छे संस्कार डालें तो निश्चित ही वे कभी भी व्यसनों के आदी नहीं होंगे। साथ ही समाज में कई ऐसी परिस्थितियां भी होती हैं जिसकी वजह से लोग व्यसनों के शिकार हो जाते हैं।बेरोजगारी, गरीबी इत्यादि के कारण उत्पन्न होने वाली हीनभावना, लोगो को नशे की तरफ धकेल देती है। ऐसे लोगो को सकारात्मक विचारों से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में जोड़ना ही इस अभियान का उद्देश्य है। देहरादून में इस अभियान की शुरूआत पिछले दिनों उत्तराखंड के स्वास्थ्य मंत्री डॉ धन सिंह रावत के माध्यम से ब्रह्माकुमारीज संस्थान द्वारा कराई गई थी। जिसकी प्रेरणा स्रोत बनी राजयोगिनी बीके मंजू, जिन्होंने नशे के अंधेरे से पीड़ितों को निकालकर उनके जीवन मे आध्यात्म का उजाला भरने की बात कही। ब्रह्माकुमारीज तभी से इस अभियान को सतत चलाये हुए है।

हस्तकला के क्षेत्र में सफलता की उम्मीद

- संजय गोस्वामी

अपनी सांस्कृतिक विरासत और वृहद जनसंख्या के कारण भारत पूरे विश्व की हस्तनिर्मित उत्पादों की मांग को पूर्ण करने की क्षमता रखता है। बनारस और चंदेरी का बुनकर परंपरागत साड़ी को समसामयिक बनाने के साथ-साथ यदि निर्यात योग्य उत्पाद जैसे कि स्टोल, स्कार्फ, टाई, बेल्ट, बैग इत्यादि बनाता है, तो उसकी कमाई बढ़ सकती है। बुनकर यदि नवीन चलन के अनुरूप, साड़ियों के साथ अतिरिक्त सामान जैसे बेल्ट, स्टोल, पाउच आदि मैच करके लगा दें, तो यह उनकी आमदनी और निर्यात क्षमता दोनों में वृद्धि करेगा। प्रीमियम हथकरघा उत्पाद जैसे पाटन पटोला, बालूचरी, जामदानी, इक्कत और कानी जैसे उत्पादों को उत्कृष्ट उत्पाद के रूप में प्रस्तुत किए जाने की जरूरत है।ख्हैंडलूम वस्त्र हमारी सांस्कृतिक विरासत के अभिन्न अंग रहे हैं। ऋग्वेद, महाभारत और रामायण में भी कताई-बुनाई की कला के विवरण मिलते हैं। मोहनजोदड़ो एवं हड़प्पा में बुने हुए वस्त्र, हड्डी की सुई, तकली और धुरा आदि के अवशेष मिले हैं तो मिस्र के पिरामिड में गुजराती मूल के ब्लॉक प्रिंटेड कपड़े मिले हैं।आज हथकरघा क्षेत्र में 40 लाख से अधिक बुनकर और श्रमिक कार्यरत हैं। वर्ष 2010 की हथकरघा जनगणना रिपोर्ट से पता चलता है कि बुनकरों की संख्या प्रतिवर्ष 7 फीसद की दर से घट रही है। एक बुनकर की औसत आय केवल 34 सौ रुपए प्रतिमाह है जो भारत के अन्य कारीगरों की औसत आय 45 सौ रुपए प्रतिमाह से कहीं कम है। इसी वजह से नई पीढ़ी इस धंधे को अपनाना नहीं चाहती, जिसके चलते भारतीय हथकरघा उद्योग विलुप्त होने के कगार पर पहुंच गया है। हमारे भारतीय डायस्पोरा को तो मैं हमेशा भाषा, खान-पान, कला, हस्तशिल्प, यह खंड भारतीय मूल के लोगों को उनकी संस्कृति के साथ जोड़ने का प्रयास करता है। हथकरघा उद्योग 40 लाख लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार प्रदान करता है, मगर उन सभी को उच्च स्तरीय उत्पाद के लिए तुरंत प्रशिक्षित नहीं किया जा सकता। अधिकांश को अलग प्रकार की सरकारी सहायता की आवश्यकता होगी। उन्हें सब्सिडी वाले यार्न और क्रेडिट की जरूरत होती है। इस क्षेत्र में 6 फीसद ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध है। अगर इसे प्रभावी रूप से लागू किया जाए, तो बुनकरों को बुनाई, रंगाई, प्रॉसेसिंग और फिनिशिंग हेतु आवश्यक पूंजी उपलब्ध कराई जा सकती है। भारतीय लोगों के महत?व को समझती है जो भारत से दूर रहते हुए भी उसे वैश्विक मंच पर चमकाते हैं। यह क्षेत्र देश में उत्पादित कुल कपड़े का लगभग 19% योगदान देता है और भारत के निर्यात आय में भी काफी वृद्धि करता है। इस समय दुनिया के देशों में भारतीय प्रवासियों की संख्या लगभग 2 करोड़ है। हस्तकला ऐसे कलात्मक कार्य को कहते हैं जो उपयोगी होने के साथ-साथ सजाने के काम आता है तथा जिसे मुख्यत हाथ से या सरल औजारों की सहायता से ही बनाया जाता है। ऐसी कलाओं का धार्मिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व होता है। ज्यादातर देशों की आबादी इतनी नहीं है। इसके साथ-साथ दर्जनों देशों में अपने देश के भारतीय हथकरघा प्रौद्योगिकीविद् विदेशों में काम रहें है व भारत की शान में चार चांद लगा रहे हैं हथकरघा अपने और बहुमुखी सुंदर डिजाइन प्रतिभा में अद्वितीय है, और नवाचारों को प्रोत्साहित करता है सरकार ग्रामीण विकास और कुटीर उद्योग को बढ़ावा देने के लिए कई कार्यक्रम चला रही है। भारत की कुछ शीर्ष कंपनियां भगबती उद्योग,आनंद जूट इंडस्ट्रीज,बूम बाइंग प्राइवेट लिमिटेड,लवसन एक्सपोर्ट्स,अगमो इंटरनेशनल,डी टीआर एक्सपोर्ट्स,इको जूट प्राइवेट लिमिटेड, हरिमन एक्जिम, इंद्रसेन शामलाल, फ्लोरा फैब, माज इंटरनेशनल, जयकिशन दास मॉल जूट उत्पाद (पी) लिमिटेड, बावा पॉलिंस, जो हैंडलूम टेक्नोलॉजिस्ट को नौकारी प्रदान करती हैं हैंडलूम सेक्टर भारत में कपड़ा उद्योग के विकास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है हस्तकरघा उद्योग कृषि क्षेत्र के बाद सर्वाधिक रोजगार उपलब्ध कराने वाला प्रदूषण रहित एक अच्छा उद्योग है। यह उद्योग अपनी परंपरागत कलात्मकता एवं ग्रामीण अर्थव्यवस्था के सुदृढ़ीकरण में महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रहा है। भारत सरकार के कपड़ा मंत्रालय, द्वारा हस्तकरघा बुनकरों के कौशल को उन्नत करने के लिए भी हर कदम उठा रही है और उन्हें विपणन और अवसंरचनात्मक इनपुट सहायता भी प्रदान कर रही है। हस्तकरघा प्रौद्योगिकी में हस्तकरघा और कपड़ा उद्योग के लिए तकनीकी कर्मियों के कमी को पूरा करने के लिए अच्छा उद्योग है। यह फाइबर, कपड़े संरचना और कपड़ा विश्लेषण, बुनाई सिद्धांत और कपड़े की गणना, रंगाई और छपाई के साथ कपड़ा रसायन विज्ञान, कंप्यूटर एडेड कपड़ा डिजाइनिंग, जूट तकनीकी, रेशम तकनीकी, और विपणन आदि से संबंधित है पिछले कुछ समय से इसने विदेश में बहुत तेजी से ग्रोथ की है और इसमें विदेश में जॉब के भी बेहतर ऑप्शंस हैं। गुलामी के दौरान ब्रिटिश सरकार द्वारा भारत की हथकरघा संस्कृति को पूँजीपति के द्वारा कैसे नष्ट किया गया, इसके बारे में जानना आवश्यक है पुराने हस्तशिल्पों का ह्रास भारत के आर्थिक संक्रमण की सर्वाधिक नाटकीय घटना है। भारत में हस्तशिल्प उद्योग सदियों से फलता-फूलता आ रहा था। सत्रहवीं और अठारहवीं शताब्दी के आरंभ में भारत में निर्मित वस्तुएं विश्व प्रसिद्ध थीं। प्राचीनकाल से ही मिश्र वासियों, ईरानियों, चीनियों, यूनानियों, रोमनों, अरबों और यूरोपियनों ने भारत के साथ हस्तशिल्प में बने वस्तुओं के लिए व्यापारिक सम्बन्ध रखे। भारतीय हस्तशिल्प उत्पाद इन देशों में प्रशंसा और ईर्ष्या का कारण बना रहा। युगों तक इसके कारण भारत को ह्यह्यशानदार भारतह्लह्ल कहा गया। परन्तु भारत में जैसे-जैसे अंग्रेजों की राजनीतिक सत्ता में बढ़ोत्तरी हुई और जब उन्होंने भारत के आर्थिक जीवन में हस्तक्षेप करने शुरू किए, भारत के हस्तशिल्प उद्योगों का बड़ा ही आकस्मिक एवं सर्वग्राही विध्वंस होने लगा।भारतीय हस्तशिल्प उद्योगों में ह्रास के यद्यपि अनेक कारण रहे, परन्तु इसके कई कारण कतिपय रूप से महत्वपूर्ण हैं। जैसे इंग्लैंड में औद्योगिक क्रांति के फलस्वरूप अंग्रेजों द्वारा भारत पर अपने औद्योगिक अर्थव्यवस्था को लादना, भारत में पुराने देशी दरबारों के संरक्षण का लोप, मशीन उद्योगों की शुरूआत, विदेशी शासन की भारत में स्थापना और उसका राजनीतिक दबाव, बिट्रेन की आर्थिक नीति जिसके तहत उसने भारत को मूल रूप से कृषि प्रधान बनाए रखने की कोशिश की, 1813 ई. का चार्टर एक्ट इत्यादि। अर्थशास्त्र का एक आधारभूत सिद्धांत है कि सहज श्रम से या औद्योगिक तकनीकों से वस्तुओं के उत्पादन में अपेक्षाकृत कम खर्च होता है। इस तरह मशीन उद्योगों के द्वारा कम समय में अधिक और सस्ते मालों की बिक्री प्रारंभ हुई, जिससे हस्तशिल्प से निर्मित वस्तुओं की मांग तथा बिक्री में कमी आई।मशीनीकरण से नुकसानरू हस्तशिल्प का विनाश अंग्रेजी सत्ता के राजनीतिक दबाव व विदेशी मशीन उद्योगों के सस्ते उत्पादनों के कारण हुआ। इसके परिणामस्वरूप हस्तशिल्प उद्योगों के कारीगरों की जीविका का साधन नष्ट हो गया।

उप-मुख्यमंत्री पद-गैर संवैधानिक मसले पर संवैधानिक बहस ...!

- ओमप्रकाश मेहता

इन दिनों हमारी सरकार संसद और न्यायपालिका में एक गैर संवैधानिक मसले पर संवैधानिक बहस जारी है, और वह मसला है राज्यों की सरकारों में उप-मुख्यमंत्री का पद। वैसे केन्द्र में भी जगजीवन राम तथा चौधरी चरण सिंह जैसे राजनेता उप-मुख्यमंत्री रह चुके है, किंतु संविधान विशेषज्ञों का यह कथन है कि हमारे संविधान में उप-प्रधानमंत्री या उप-मुख्यमंत्री जैसे किसी भी पद का कोई प्रावधान नही है। संविधान के अनुच्छेद-163 और 164 में मुख्यमंत्री और मंत्री मंडल से जुड़े प्रावधान अवश्य है, किंतु इनमें भी उप का कोई प्रावधान या उल्लेख नही है, इसके बावजूद संविधान की शपथ लेकर देश पर राज कर रही केन्द्र व राज्य सरकारें उप-प्रधानमंत्री या उप-मुख्यमंत्री के पद राजनीतिक संतुष्टी हुए कायम किए हुए है, आज भी देश के चौदह राज्यों में उप-मुख्यमंत्री तैनात है, किसी-किसी राज्य में तो एक नही, बल्कि दो-दो उप-मुख्यमंत्री कार्यरत है। वैसे संविधान की इन धाराओं को तोड़ने की सबसे पहले शुरूआत बिहार ने प्रथम विधानसभा चुनावों के बाद की थी जहां 1957 तक अनुग्रह नारायण सिन्हा उप-मुख्यमंत्री रहे थे। उनके बाद 1967 में कर्पूरी ठाकुर बिहार के दूसरे उप-मुख्यमंत्री रहे थे। उत्तरप्रदेश में 1967 में जनसंघ के रामप्रकाश गुप्ता उप-मुख्यमंत्री बने थे, मध्यप्रदेश में जनसंघ के नेता वीरेन्द्र कुमार सखलेचा उप-मुख्यमंत्री बने थे। राज्यों में उप-मुख्यमंत्री के चलने के साथ ही केन्द्र सरकार में उप-प्रधानमंत्री पद की शुरूआत हुई, आजादी के बाद केन्द्र में बनी पहली अंतरिम सरकार में सरदार वल्लभ भाई पटेल उप-प्रधानमंत्री बनाए गए थे, उनके बाद मोरारजी भाई देसाई, जगजीवन राम, चौधरी चरणसिंह, देवीलाल और लालकृष्ण आडवानी उप-प्रधानमंत्री बनाए गए। यही नही 1989 में व्ही.पी. सिंह की सरकार में जब देवीलाल को उप-प्रधानमंत्री बनाया गया तो सुप्रीम कोर्ट में शिकायत दर्ज कराई गई थी कि उन्होंने संविधान के अनुरूप शपथ नही ली थी, किंतु सुप्रीम कोर्ट ने देवीलाल की नियुक्ति को बरकरार रखा। जहां यह मामला सुप्रीम कोर्ट गया तो उसमें भी उप-मुख्यमंत्री व उप-प्रधानमंत्री की नियुक्तियों को संवैधानिक ही माना। अब यदि हम राज्यों में नियुक्त उप-मुख्यमंत्री के पदों की बात करें तो भारत में सबसे पहले इस चलन की शुरूआत भाजपा ने मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ और राजस्थान में दो उप-मुख्यमंत्रियों की नियुक्तियां करके की। अब यही फामुर्ला ओड़िसा सरकार बनाने में भी दोहराया गया है। ओड़िसा के मोहन मांझी की नवगठित सरकार में के.व्ही. सिंहदेव प्रवती परिंदा को उप-मुख्यमंत्री बनाया गया। बिहार में नितीश कुमर के साथ आने के बाद जब एनडीए की सरकार बनी तो इसमें भी दो उप-मुख्यमंत्री बनाए गए थे। यही नहीं महाराष्ट्ज में भी दो उप-मुख्यमंत्री है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद-163(1) कहता है कि राज्यपाल को सलाह देने के लिए मुख्यमंत्री के नेतृत्व में एक मंत्रीमंडल होगा संविधान में यह प्रावधान है कि मुख्यमंत्री की नियुक्ति राज्यपाल करेगें और मुख्यमंत्री की सलाह पर मंत्रीमंडल की नियुक्ति भी राज्यपाल ही करेगें, यद्यपि इन दोनों अनुच्छेदों 163 तथा 164 में उप-मुख्यमंत्री पद का कोई जिक्र नही है। अब आज के युग में केन्द्र तथा राज्यों में ये डिप्टी के पद राजनीतिक संतुलन बनाए रखने के काम आ रहे है।

आज का राशिफल

मेष आज का दिन सफलता से भरा होगा और आपके घर में सुख समृद्धि आएगी। भाग्य आपका साथ देगा।

तुला आपको नुकसान हो सकता है। आपको कोई राजकीय दण्ड भी प्राप्त हो सकता है।

वृषभ आज आपका दिन सफलता से भरा होगा। संतान पक्ष के श्रेष्ठ आचरण और सफलता से हर्ष होगा।

वृश्चिक दिन सफलता से भरा होगा। यदि आप नौकरी करते हैं तो पद और अधिकारों में वृद्धि होगी।

मिथुन आज का दिन अनुकूल नहीं है। आज आपको कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

धनु आज भाग्य का साथ मिलेगा और साथ ही आपको ज्ञान और अनुभव मिलेगा।

कर्क काफी समय से यदि आपकी उन्नति रुकी थी तो आज कोई खबर लिए आ सकती है।

मकर आज अनावश्यक खर्चे सामने आएंगे, जो कि न चाहते हुए भी मजबूरी में करने पड़ेंगे।

सिंह आज करियर के मामले में लाभ होगा। यदि आप व्यापारी हैं तो आपके लिए अच्छे परिवर्तन होंगे।

कुंभ आज करियर के मामले में लाभ होगा। जल्दबाजी में किए गए कार्य से हानि होने की आशंका है।

कन्या आज आपके अधिकारों में वृद्धि होगी। ऑफिस में आपके उत्तरदायित्व भी बढ़ेंगे।

मीन यदि आप किसी वित्तीय संस्था या व्यक्ति से ऋण लेना चाहते हैं तो आसानी से मिल जाएगा।

विशेष

वोट नहीं देने वाले मतदाताओं को सांसदों की धमकी

लोकसभा चुनाव 2024 के बाद उत्तर प्रदेश और बिहार के निर्वाचित सांसदों द्वारा सार्वजनिक रूप से कहा जा रहा है। जिस समुदाय ने उन्हें वोट नहीं दिया है। उनके हम काम नहीं करेंगे।इस तरह की धमकी देने वाले भाजपा के सांसद हैं। भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बयान दिया। इसी तरह का बयान जद यू के सांसद देवेश चंद्र ठाकुर ने दिया। चुनाव परिणाम आने के बाद सांसद और विधायक पूरे क्षेत्र के लिए जिम्मेदार होते हैं। संविधान के अनुसार किसी भी सांसद और विधायक को बिना किसी भेदभाव के काम करना होता है।संसद और विधानसभा में निर्वाचित प्रतिनिधियों को शपथ दिलाई जाती है।

कई प्रदेशों में कांग्रेस संगठन में बदलाव की तैयारी

लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। मध्यावधि चुनाव की संभावनाएं भी लोकसभा गठन के पहले ही दिखने लगी हैं। जिस तरह की राजनीतिक स्थितियां बनी हुई है। केंद्र में स्पष्ट बहुमत की सरकार नहीं है। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों इस बार मजबूत है। एनडीए और इंडिया गठबंधन में शामिल सहयोगी दल अपने-अपने हितों के लिए आपस में लड़ते हुए दिख रहे हैं। इसको देखते हुए कांग्रेस ने अपने प्रभावशाली राज्यों में कांग्रेस संगठन को प्रभावी बनाने के लिए जल्द ही संगठन में फेर बदल करेगी।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1539: बक्सर के पास चौसा की लड़ाई में शेरशाह ने हुमायूं को पराजित किया. 1794: आस्ट्रियाई फौजों को फ्रांसिसियों ने शिकस्त दी जिससे वे बेल्जियम पर कब्जा नहीं कर पाए. 1843: हांगकांग ब्रिटिश उपनिवेश बना. 1858: चीन ने एक संधि के तहत ब्रिटेन को व्यापार के अधिकार दिए. 1900: पहली ग्रांप्रो मोटर दौड़ ला मैन्स फ्रांस में आयोजित की गयी. 1945: राष्ट्रसंघ घोषणापत्र पर 50 देशों ने हस्ताक्षर किए. 1960: मेडागास्कर फ्रांस से स्वतंत्र हुआ. 1960: ब्रिटिश सोमाली लैंड स्वतंत्र हुआ. 1970: अलेक्जैंडर डुबचेक चेकोस्लोवाक कम्युनिस्ट पार्टी से निष्कासित कर दिए गए. 1976: इंडोनेशिया के इरियन जावा में भूकंप से हजारों लोग मारे गए. 1980 बंगाल की खाड़ी में तेल मिला.

दैनिक पंचांग

26 जून 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

बुधवार 2024 वर्ष का 178 वां दिन **दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2081 **शक संवत्** 1946 **मास** आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** पंचमी 20.56 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** धनिष्ठा 13.05 बजे को समाप्त। **योग** विष्कुम्भ 06.14 बजे तदनन्तर प्रीति 03.20 बजे रात्र को समाप्त। **करण** कौलव 10.04 बजे तदनन्तर तैतिल 20.56 बजे को समाप्त।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	कर्क	06.47 बजे से
चंद्र	कुंभ में	सिंह	09.03 बजे से
मंगल	मेष में	कन्या	11.15 बजे से
बुध	मिथुन में	तुला	13.26 बजे से
गुरु	वृष में	वृश्चिक	15.41 ब.से
शुक्र	मिथुन में	धनु	17.57 बजे से
शनि	कुंभ में	मकर	20.02 बजे से
राहु	मीन में	कुंभ	21.48 बजे से
केतु	कन्या में	मीन	23.21 बजे से
राहुकाल		मेष	00.52 बजे से
12.00 से 1.30		वृष	02.32 बजे स
बजे तक		मिथुन	04.30 बजे से

चन्द्रायु 19.5 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23°21'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872022
जूलियन दिन 2460487.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्हेज **तारीख** 19
विशेष अंतर्राष्ट्रीय नशा निरोधक दिवस।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से 07.22	बजे तक	उद्वेग	05.41 से 07.12	बजे तक
अमृत	07.22 से 08.51	बजे तक	शुभ	07.12 से 08.44	बजे तक
काल	08.15 से 10.19	बजे तक	अमृत	08.44 से 10.16	बजे तक
शुभ	10.19 से 11.47	बजे तक	चर	10.16 से 11.47	बजे तक
रोग	11.47 से 01.16	बजे तक	रोग	11.47 से 01.19	बजे तक
उद्वेग	01.16 से 02.44	बजे तक	काल	01.19 से 02.51	बजे तक
चर	02.44 से 04.12	बजे तक	लाभ	02.51 से 04.23	बजे तक
लाभ	04.12 से 05.41	बजे तक	उद्वेग	04.23 से 05.54	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

ग्रीस में चट्टानों के बीचोंबीच बना है ये घर

यूरोपीय देश ग्रीस में एक द्वीप हैं। अजियन समुद्र के तट पर बसा ऐसी ही एक द्वीप टीनो अनोखे घरों और लैंडस्केप के लिए विख्यात है। द लैप पूल हाउस नाम का यह घर आर्किटेक्चर और डिज़ाइनिंग मे रूचि रखने वाले लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है।

गुफाओं और चट्टानों के प्रेरित होकर घर आर्टिसाइडस डल्लास आर्किटेक्टस ने डिज़ाइन किया है। घर का प्रवेश द्वार पीछे जमीन में एक दरार से होकर जाता है। वहीं छत पर अलग अलग जगह मौजूद दरारों से रोशनी और हवा अंदर आ सकती है। इस इलाके चलने वाली सर्द उत्तरी हवाओं से भी ये घर बचाता है।

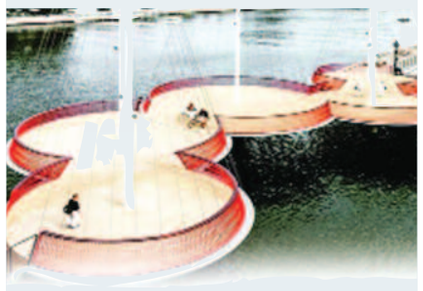

क्रिस्टियन शावन कैनाल पर बना सर्किल ब्रिज है कला का बेहतरीन नमूना

डेनमार्क के ईसाईशवन क्षेत्र में ईसाईशवन नहर के दक्षिणी मुहाने पर फैला ये पुल डेनमार्क की राजधानी में कोपेनहेगन हार्बर के आसपास के इलाकों को एक-दूसरे से जोड़ने का काम करता है। कला का बेहतरीन नमूना पेश करने वाले इस पुल को देखकर जहाज के किनारे का आभास होता है। एक नहर में फैले इस पुल को तैयार करने के लिए बेहतरीन तकनीक के साथ 5 परस्पर जुड़े हुए वृत्तों को स्टील केबल्स के साथ पिरोया गया है। इस पुल को हजारों पैदल चलने वालों और साइकिल चालकों के हिसाब से डिजाइन किया गया है। पुल को विश्व प्रसिद्ध ओलाफुर एलियासन ने डिजाइन किया है। एक कलाकार के रूप में अपने करियर के दौरान उन्होंने कोपेनहेगन, न्यूयॉर्क और बर्लिन में कई अन्य स्थानों में एकल प्रदर्शनियां आयोजित की हैं और निश्चित रूप से उन्होंने दुनिया भर में कई स्थापनाएं, कलाकृतियां और वास्तुशिल्प डिजाइन किए हैं, जिनमें अब सर्किल ब्रिज भी शामिल है।

इन मंदिरों में प्रसाद में कहीं चॉकलेट तो कहीं मिलता है डोसा

पौराणिक लोक कथाओं के मुताबिक़ इस सृष्टि में कुल 33 करोड़ देवी-देवता हैं. इस संसार में जितने देवी-देवता उतने ही मंदिर और करोड़ों की संख्या में उनके भक्त. आप भारत के किसी भी हिस्से में पहुंच जाएं आपको हर जगह मंदिर ज़रूर मिल जाऐंगे. भगवान के आशीर्वाद और प्रसाद के लिए भक्त हज़ारों किमी की यात्रा करके दर्शन करने पहुंचते हैं. हिंदू धर्म में प्रसाद का बेहद महत्व होता है, भक्त तब तक मंदिर की चौखट नहीं छोड़ता, जब तक उसे प्रसाद नहीं मिल जाता.

आज हम भारत के कुछ ऐसे ही मंदिरों की लिस्ट लाये हैं जहां मिठाई, बताशे या गुड़ नहीं, बल्कि कुछ और ही चढ़ाया जाता है. इन मंदिरों में भक्तों को मिलने वाला प्रसाद भी अनोखा होता है. चलिए जानते हैं वो कौन से मंदिर हैं जो अपने अनोखे प्रसाद के लिए प्रसिद्ध हैं.

काल भैरव मंदिर (उज्जैन)

उज्जैन की शिप्रा नदी के किनारे पर स्थित काल भैरव मंदिर में भक्त काल भैरव को 'शराब' चढ़ाते हैं. यही शराब भक्तों को प्रसाद के रूप में वितरित भी की जाती है.

जय दुर्गा पीठम मंदिर (चेन्नई)

चेन्नई के पडप्पई में स्थित जय दुर्गा पीठम मंदिर में प्रसाद के रूप में लोगों को 'ब्राउनी, बर्गर, सैंडविच और चैरी-टमाटर का सलाद' दिया जाता है. इस मंदिर की सबसे ख़ास बात ये है कि इसका प्रसाद FSSAI से प्रमाणित है, जिसमें एक्सपायरी डेट भी लिखी होती है. मंदिर में लगी वेंडिग मशीन में टोकन डालकर भक्त प्रसाद का डिब्बा पाते हैं.

करणी माता मंदिर (राजस्थान)

राजस्थान के बीकानेर में स्थित करणी माता मंदिर चूहों की वजह से विश्व विख्यात है. इस मंदिर में भक्तों को 'चूहों का झूठा प्रसाद' दिया जाता है. कहा जाता है कि इस मंदिर में 20 हज़ार से ज्यादा चूहे रहते हैं, जिन्हें माता करणी की संतान माना जाता है. यहां हर साल लाखों श्रद्धालु माता के दर्शन को पहुंचते हैं और चूहों का जूठा प्रसाद ग्रहण करते हैं.

पडप्पई मंदिर (चेन्नई)

चेन्नई के पडप्पई मंदिर प्रशासन ने 'बर्थडे केक प्रसादम' की भी शुरुआत की है. इसके अंतर्गत भक्तों को उनके बर्थडे पर केक के रूप में विशेष प्रसाद दिया जाता है. मंदिर में इसका रिकॉर्ड रहे इसके लिए भक्तों की जन्मतिथि और उनका पता लिखा जाता है.

कामाख्या देवी मंदिर (गुवाहाटी)

असम के गुवाहाटी स्थित विश्व विख्यात कामाख्या देवी मंदिर में माता का मासिक धर्म के दौरान भीगा हुआ कपड़ा प्रसाद के रुप में बांटा जाता है.

बालसुब्रमणिया मंदिर (केरल)

केरल के बालसुब्रमणिया मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में 'चॉकलेट' दी जाती हैं. स्थानीय मान्यता के मुताबिक़, बालामुरुगन भगवान को चॉकलेट बेहद पसंद है, इसीलिए यहां प्रसाद के रूप में चॉकलेट चढाने की परंपरा है.

काली माता मंदिर (कोलकाता)

कोलकाता के टांगरा क्षेत्र में स्थित काली माता मंदिर में भक्तों को चाइनीज़ प्रसाद दिया जाता है. इस मंदिर में भक्त 'नूडल्स, चावल और सब्जियों' का भोग लगाते हैं. दरअसल, कोलकाता के जिस क्षेत्र में ये मंदिर स्थित है, वहां चाइनीज़ लोगों की अधिकता है. इसीलिए यहां पर विशेष तरह का प्रसाद वितरित किया जाता है.

गोगामेड़ी मंदिर (राजस्थान)

राजस्थान के हनुमानगढ़ ज़िले में स्थित गोगामेड़ी मंदिर में भक्त प्रसाद के रूप लोकदेवता गोगा जी को 'प्याज' चढ़ाते हैं. यही प्याज भक्तों को प्रसाद के रूप में मिलता है.

अलागार मंदिर (तमिलनाडु)

दक्षिण भारत में वैसे तो कई प्रसिद्ध मंदिर हैं, लेकिन तमिलनाडु के मदुरई में बना भगवान विष्णु को समर्पित अलागार मंदिर अपने अनोखे प्रसाद के लिए प्रसिद्ध है. इस मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में 'डोसा' बांटा जाता है.

थ्रिसुर महादेव मंदिर (केरल)

केरल का थ्रिसुर महादेव मंदिर अपने अनोखे प्रसाद के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है. इस मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में धार्मिक चीजों से जुड़ी सीडी, डीवीडी किताबें वितरण की जाती हैं. मंदिर के ट्रस्ट का मानना है कि धर्म और ज्ञान के प्रचार और प्रसार से बड़ा प्रसाद और क्या हो सकता है.

शिव मंदिर (उत्तर प्रदेश)

आपने भैरव बाबा के मंदिर में शराब चढाने के बारे में तो सुना ही होगा. क्या कभी ये सुना है कि शिवलिंग का अभिषेक शराब से किया जाता है? शायद नहीं, लेकिन यूपी के सीतापुर ज़िले में एक ऐसा शिव मंदिर है, जहां भोलेनाथ का अभिषेक शराब से होता है. प्रसाद के तौर पर ये शराब यहां के बंदर पी जाते हैं.

मुनियंडी स्वामी मंदिर (तमिलनाडु)

आप सभी बिरयानी प्रेमियों के लिए तमिलनाडु के मदुरै ज़िले के वडक्कमपट्टी गांव में मुनियंडी स्वामी मंदिर में भक्तों को प्रसाद के रूप में 'चिकन बिरयानी' परोसी जाती है. इस मंदिर में हर साल 3 दिन का उत्सव मनाया जाता है. इस दौरान भक्तों को चिकन और मटन बिरयानी प्रसाद के रूप में दिया जाता है.

पाकिस्तान में मिला 2300 साल पुराना बौद्ध मंदिर

उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान में पुरातत्वविदों ने बौद्ध काल के एक मंदिर की खोज की है, जिसे 2300 साल पुराना बताया जा रहा है। इसके अलावा कुछ अन्य बेशकीमती कलाकृतियां भी खुदाई के दौरान मिली हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के स्वात जिले में मिले इस मंदिर को एक वरिष्ठ अधिकारी ने पाकिस्तान के तक्षशिला में मिले मंदिरों से भी पुराना बताया है। मंदिर की खुदाई के दौरान पाकिस्तानी और इटैलियन पुरातत्व विशेषज्ञों को मंदिर से जुड़ी कुछ अन्य सामान भी बरामद किया है। मंदिर के अलावा पुरातत्वविदों ने बौद्धकालीन 2,700 से अधिक अन्य कलाकृतियां भी बरामद की हैं, जिनमें सिक्के, अंगूठियां, बर्तन और यूनान के राजा मिनांदर के कान की खरोष्ठी भाषा में लिखी सामग्री भी शामिल हैं । इतालवी विशेषज्ञों ने भरोसा जताया है कि स्वात जिले के एतिहासिक बजीरा शहर में खुदाई के दौरान और भी स्थल मिल सकते हैं। उल्लेखनीय है कि इससे पहले साल 2020 में पाकिस्तान के स्वात जिले में ही खुदाई के दौरान पुरातत्वविदों को विष्णु मंदिर के अवशेष भी मिले थे। यह मंदिर कम-से-कम 1,000 साल पुराना था। इस मंदिर की खोज भी पाकिस्तान और इटली के पुरातत्वविदों के संयुक्त दल ने ही की थी।

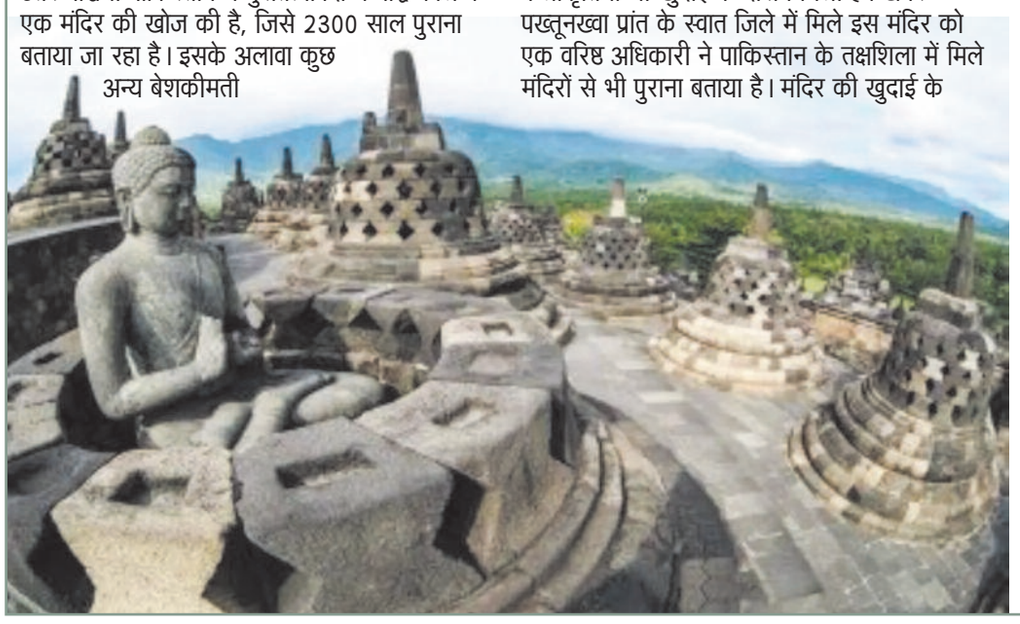

इन नदियों में कभी ना करें जाने की कोशिश

मानवीय इतिहास को कुरेदा जाए तो नदियां इंसानी सभ्यता का हिस्सा रही हैं। पानी के बिना जीवन की कल्पना करना नामुमकिन है। इसलिए हमें बचपन से ही सिखाया जाता है 'जल ही जीवन है'। पृथ्वी पर लाखों छोटी-बड़ी नदियां बहती हैं।

भारत समेत कई देशों में नदियों को पूजा भी जाता है, क्योंकि ये जीवनदायनी हैं। लेकिन, बात पूरे विश्व की कि जाए तो कुछ ऐसी भी नदियां है, जो इंसानों के लिए यमराज से मुलाकात करने के समान है। आज हम आपको विश्व में बहने वाली ऐसी ही पांच नदियों के बारे में बताएंगे, जहां जाने की हिम्मत कोई नहीं कर सकता।

अमेजन नदी

दक्षिण अमेरिका से निकलने वाली 'अमेजन नदी' दुनिया की सबसे बड़ी और लंबी नदी है, जिसकी लंबाई 6200 किलोमीटर से लेकर 7,000 किलोमीटर तक मानी जाती है। अमेजन नदी की घाटी दक्षिण अमेरिका के आठ देशों में फैली है। नदी के आस-पास 300 करोड़ की आबादी बस्ती है। ब्राजील, बोलीविया, पेरू, इक्वाडोर, कोलंबिया, वेनेजुएला, गुयाना, सूरीनाम और फ्रेंच गुयाना तक यह नदी बहती है। घने जंगलों के बीच बहने वाली इस नदी में कई तरह खतरनाक जीव पाए जाते हैं। इस नदी पर कई फिल्में भी बनाई जा चुकी हैं। नदी के आस-पास मौजूद जंगल को धरती के फेफड़े भी कहा जाता है।

रेड रिवर

रेड रिवर देखने में जितनी खूबसूरत नजर आती है उतनी ही खतरनाक भी है। अमेरिका के दक्षिणी हिस्से में बहने वाली ये नदी रातों रात खतरनाक हो जाती है। उसका यही बदलाव स्थानीय लोगों के लिए परेशानी और हादसों का कारण बन जाता है। इसके अलावा नदी में खतरनाक भंवर है। जिसकी चपेट में आया इंसान या जानवर कभी नहीं बच पाता। नदी के अचानक बदलते नेचर के चलते ही इसको खतरनाक माना जाता है।

शाने टिम्पिस्का

अमेजन नदी की सहायक नदी 'शाने टिम्पिस्का' नदी का पानी चाय या कॉफी से भी ज्यादा गर्म है। इस नदी का पानी दो सौ डिग्री सेल्सियस के तापमान पर खौलता है। वैज्ञानिकों को अभी तक इसके पीछे का कारण नहीं पता चला। पेरू से लगे हुए अमेजन जंगल में इस नदी को बॉयलिंग रिवर नाम दिया गया है। इसके अलावा इसको थर्मल रिवर, बॉयलिंग रिवर और मयानतुयाकू नाम भी दिए गए हैं।

येलो रिवर

चीन की येलो रिवर दुनिया की खतरनाक नदियों में शामिल है। दरअसल, ये नदी अपने बहाव क्षेत्र में 24 बार बदलाव करती है। जो चीन में हर साल बाढ़ से होने तबाही की वजह बनती है। चीन के लोग इसे दुख की नदी भी कहते हैं। क्योंकि, रौद्र रूप धारण करने के बाद येलो रिवर अपने रस्ते में आने वाली हर चीज़ को तबाह करती आगे बढ़ती है। इसकी वजह से चीन में हर साल हज़ारों लोगों की जान चली जाती है।

रिओ टिंटो रिवर

खून की तरह लाल ये नदी स्पेन में बहती है। रिओ टिंटो का रंग दुनिया में बहने वाली अन्य नदियों से बिल्कुल अलग है। सोने-चांदी और तांबे की खदानों के बीच से होकर बहने वाली इस नदी के पानी का कहीं भी इस्तेमाल नहीं किया जाता। लावे की तरह बहती इस नदी में कुछ ही जलीय सूक्ष्मजीव ही रहते हैं जो इसके तेजाबी पानी को सहन कर पाते हैं। यह स्पेन के सिएर्रा मोरेना पहाड़ श्रृंखला से निकलती है और अन्ध महासागर में जाकर गिर जाती है।

दुनिया के अजीबों गरीब टैक्स मुस्कुराओ या कंफ्यूज़ हो जाओ

इस दुनिया में आए हैं, तो टैक्स तो देना पड़ेगा. चाय, बिस्कुट या हो कोई महंगी चीज़ आप हर चीज़ के लिए टैक्स देते हैं. अगर सैलरी अधिक है तो उनको तो देना ही देना है.

हम सब जानते हैं कि इनके लिए टैक्स देना पड़ता है. लेकिन कुछ-कुछ टैक्स का मतलब समझ पाना मानो असंभव सा लगता है. दुनिया में ऐसी बहुत सी जगहें है, जहां सरकार बेफ़िज़ूल की चीज़ों पर टैक्स लगा कर लोगों से पैसे ले रही है सरकारें. ख़ास बात ये है कि इन टैक्स के नाम पढ़कर शायद आप मुस्कुराओ या कंफ्यूज़ हो जाओ. चलिए इसी क्रम में दुनिया के कोने-कोने से अजीबों गरीब टैक्स की लिस्ट लेकर आए हैं जो अगर नहीं होते, टैक्स जैसी चीज़ मज़ेदार नहीं लगती. नज़र डालते हैं इन अजीबो गरीब टैक्स की लिस्ट पर

टैटू टैक्स

क्या आपने कभी सुना है की टैटू बनवाने के लिए भी टैक्स देना ज़रूरी होता है? लोग टैटू अपने शरीर पर कुछ यादों को छपवाने के लिए बनवाते हैं. लेकिन इसके लिए भी उन्हें एक कीमत चुकानी पड़ती है. संयुक्त राज्य अमेरिका में स्थित अर्कांसस 2002 से विभिन्न टैटू स्टूडियो से सेल्स टैक्स लेता है.

बैचलर टैक्स

क्या मतलब कोई अपनी मर्ज़ी से अकेले भी नहीं रह सकता है क्या? ये टैक्स संयुक्त राज्य अमेरिका के मिसौरी में लिया जाता है. यहां 21 साल से 50 साल के बैचलर पुरुषों से 1 डॉलर टैक्स लिया जाता है.

कद्दू टैक्स

कद्दू सुनते ही दिमाग में हैलोवीन का त्योहार आ जाता है. जहां लोग खूब सजते और संवरते हैं. लेकिन क्या आप जानते हैं कि न्यू जर्सी (संयुक्त राज्य अमेरिका) में कद्दू एक कर-मुक्त खाना है, लेकिन अगर इसे पेंट, वार्निश या काटकर और सजावट के रूप में बेचा जाता है, तो इसपर सेल्स टैक्स लगता है.

खिड़की टैक्स

इस टैक्स को प्रॉपर्टी टैक्स भी कहा जाता है. इस टैक्स को लगाने का एक ही उद्देश्य था. इस टैक्स में लोगों के घरों में कितनी खिड़कियां हैं, उसपर लगता था. ताकि अमीर और गरीब का पता लगाया जा सके. लेकिन बाद में इन देशों द्वारा इस तरह के करधन के ख़िलाफ़ बहुत से आंदोलन के कारण इसे ख़त्म कर दिया गया था.

ब्लूबेरी टैक्स

ब्लूबेरी टैक्स फलों की अधिक कटाई को रोकने के लिए लगाया जाता है. जो बदले में वनस्पति को पनपने में मदद करता है. यूनाइटेड स्टेट्स के मेन में काफ़ी ज़्यादा है. इसीलिए मेन में, ब्लूबेरी के उत्पादन पर प्रति पाउंड डेढ़ पैसा टैक्स लगाया जाता है.

प्लेइंग कार्ड टैक्स

एक कारण है कि अलबामा अपने कैसीनो के लिए क्यों नहीं जाना जाता है और इसका सबसे बड़ा कारण टैक्स है. अलबामा संघ का एकमात्र राज्य है जिसने राज्य के भीतर ख़रीदे गए कार्डों के डेक के लिए 10% प्लेइंग कार्ड टैक्स चार्ज करता है.

टॉयलेट फ्लश टैक्स

पानी के ख़र्च पर नज़र रखने के लिए ये टैक्स मैरीलैंड में लगाया था. जहां 5 डॉलर प्रति माह का टैक्स लगता है. जो बाद में मैरीलैंड सीवेज ट्रीटमेंट सिस्टम में जाता है.

कैंडी टैक्स

कोई टॉफ़ी और कैंडी पर कैसे टैक्स लगा सकता है? लेकिन Chicago में ऐसा होता है. कैंडी अगर मैदा या आटा से बनी हो, तो उसपर साधारण टैक्स लगता है. वहीं अगर कैंडी बिना मैदा के बनती है, तो उसपर 5.25% का टैक्स लगाया जाता है.

फैट टैक्स

भारत के केरल राज्य में 14.5% का टैक्स लिया जाता है. ताकि लोग कम मात्रा में जंक खाना खाएं और अपने स्वास्थ्य के ऊपर ध्यान दें.

एंटरटेनमेंट टैक्स

फैट टैक्स ही नहीं, बल्कि भारत में एंटरटेनमेंट टैक्स भी लिया जाता है. हां, एक स्पेशल तरह का टैक्स है, जो स्पोर्ट्स इवेंट, मूवीज़ और थिएटर शो पर लगता है जो हर एक राज्य में अलग-अलग होता है.

शादियों में जमकर पैसा उड़ाते हैं भारतीय ! हर शादी पर औसत खर्च 12 लाख से ज्यादा, 130 बिलियन डॉलर की इंडस्ट्री

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में शादी-विवाह का बड़ा बाजार बनता जा रहा है। इंडियन वेडिंग इंडस्ट्री का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। यह अब 130 बिलियन डॉलर के साथ फूड और ग्रासरी के बाद दूसरे नंबर पर पहुंच चुका है। इसके आने वाले समय में और बढ़ने की पूरी संभावना है। निवेश बैंकिंग और पूंजी बाजार फर्म जेफरीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि भारतीय विवाह बाजार का आकार अमेरिकी बाजार से दोगुना है, लेकिन चीन से छोटा है। उद्योग का समग्र आकार विभिन्न उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित था और रिपोर्ट उद्योग को सेवाएं देने वाले विभिन्न केंद्रों का दौरा करने के बाद तैयार की गई थी। इसमें अनुमान लगाया गया है कि एक शादी पर औसत व्यय लगभग 15,000 डॉलर या 12.5 लाख रुपये होता है। वहीं एक औसत

भारतीय जोड़ा शादी पर शिक्षा (प्री-प्राइमरी से स्नातक तक) की तुलना में करीब दोगुना खर्च करता है। यह अमेरिका जैसे देशों से एकदम विपरीत है, जहां शिक्षा पर होने वाला खर्च आधे से भी कम है।

एक शादी पर इतना खर्च

आंकड़े बताते हैं कि एक शादी पर औसत खर्च भारत की प्रति व्यक्ति जीडीपी 2,900 (2.4 लाख रुपये से अधिक) के करीब पांच गुना और लगभग 4 लाख रुपये की औसत वार्षिक घरेलू आय से तीन गुना से अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत का जीडीपी अनुपात से शादी पर खर्च 5 गुना कई अन्य देशों की तुलना में काफी ज्यादा है। 20 लाख रुपये से लेकर 30 लाख रुपये तक की लक्जरी शादियों में औसत से कहीं ज्यादा खर्च होता है।

ये खर्चे शामिल नहीं

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इस बजट में पांच से छह समारोह, टॉप लेवल के होटलों में रुकना, भव्य सजावट, खानपान और मनोरंजन के खर्च शामिल हैं।'आभूषण, शादी की पोशाक और हवाई यात्रा से संबंधित खर्च इन अनुमानों में शामिल नहीं हैं। अमीर लोग कई और आयोजन करते हैं, जिनमें भव्य प्री-वेडिंग इवेंट और क्रूज शामिल हैं।

इनका है बड़ा बाजार

भारतीय शादियां कई श्रेणियों जैसे आभूषण, परिधान, खानपान, ठहरने और यात्रा जैसे कई क्षेत्रों को बढ़ा रही हैं। आभूषण उद्योग में आधे से ज्यादा राजस्व दुल्हन के आभूषणों की बिक्री से आ जाता है। वहीं कपड़ों पर होने वाले कुल खर्च का 10 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा शादियों और समारोहों में पहने जाने वाले कपड़ों से होता है। रिपोर्ट के मुताबिक, विवाह संबंधी आभूषणों पर व्यय का सबसे बड़ा हिस्सा होता है, जो लगभग एक चौथाई होता है, इसके बाद खानपान पर 20 प्रतिशत और समारोहों पर 15 प्रतिशत व्यय होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्ष भारत में विवाह करने का आह्वान किया था और लोगों से विदेशों के बजाय देश में ही विवाह करने का आग्रह किया था।

संक्षिप्त समाचार

मई में रत्न-आभूषण आयात में 23.61 प्रतिशत का उछाल

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी) की एक रिपोर्ट के अनुसार मई, 2024 में देश में रत्न-आभूषणों के सम्पूर्ण आयात में 23.61 प्रतिशत की भारी वृद्धि दर्ज की गयी जबकि इस दौरान निर्यात में 6.14 प्रतिशत की गिरावट आई। मई में रत्न-आभूषणों का समग्र आयात गत वर्ष के इसी माह के 1.53 अरब डालर (12625.59 करोड़ रुपए) की तुलना में 1.89 अरब डॉलर (15794.26 करोड़ रुपए) रहा। इसे घरेलू बाजार में मजबूत मांग का परिणाम माना जा रहा है क्योंकि देश आगामी त्यौहारी सीजन के लिए तैयार हो रहा है। मई 2024 में रत्न एवं आभूषणों का सकल निर्यात 2.48 अरब डालर (20713.370 करोड़ रुपए) से कुछ अधिक रहा जो पिछले वर्ष की इसी अवधि के करीब 2.65 अरब डॉलर (21795.65 करोड़ रुपए) की तुलना में 6.14 गिरावट दर्शाता है। कामा ज्वेलरी के एमडी कॉलिन शाह ने कहा, ''रत्न एवं आभूषण उद्योग एक साल से अधिक समय से चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहा है। पहले रूस और यूक्रेन के बीच और फिर इज़राइल और हमास के बीच भू-राजनीतिक तनाव के फैलने से निर्यात पर गहरा असर पड़ा है क्योंकि विदेशी बाजारों में मांग अस्थिर रही है। इसके अलावा, इस साल 60 से ज़्यादा देशों में चुनाव होने हैं, जो एक और महत्वपूर्ण घटना है, जिससे इन देशों में व्यापार में और बाधा आ सकती है। उन्होंने कहा कि इन वैश्विक घटनाओं पर कड़ी निगरानी रखने की ज़रूरत है क्योंकि ये आगे चलकर साल के बाकी समय में व्यापार गतिविधियों की दिशा तय करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि भारत में त्योहारी सीजन की शुरुआत के साथ, हम उम्मीद करते हैं कि व्यापार गतिविधियों में धीरे-धीरे तेजी आएगी।

स्पैम कॉल पर लगाम के लिए ट्राई का दूरसंचार कंपनियों को निर्देश

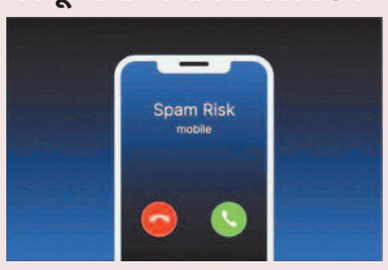

नई दिल्ली, एजेंसी। दूरसंचार नियामक ट्राई ने अनचाही कॉल पर अंकुश के लिए दूरसंचार कंपनियों से कहा कि वे अपने मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल को स्पैम संबंधी शिकायतों के पंजीकरण और वरीयता एवं सहमति की सेटिंग के लिए उपयोगकर्ताओं के अधिक अनुकूल बनाएं। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने यह भी कहा कि सभी सेवा प्रदाताओं को पिछली तिमाही के बजाय मासिक आधार पर प्रदर्शन निगरानी रिपोर्ट पेश करनी होगी। विनियामक ने एक विज्ञप्ति में कहा, अनचाहे वाणिज्यिक संचार (यूसीसी) यानी स्पैम को कम करने के अपने निरंतर प्रयास में ट्राई ने सेवा प्रदाताओं को अपने मोबाइल ऐप और वेब पोर्टल को बेहतर बनाना अनिवार्य कर दिया है, ताकि स्पैम कॉल संबंधी शिकायतों के पंजीकरण और वरीयता की सेटिंग के लिए उन्हें उपयोगकर्ताओं के अधिक अनुकूल बनाया जा सके। ट्राई ने सेवा प्रदाताओं को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि स्पैम शिकायत के पंजीकरण और वरीयता प्रबंधन के विकल्प उनके मोबाइल ऐप और वेबसाइट पर आसानी से उपलब्ध हों। इसके अलावा यदि उपयोगकर्ता अपने कॉल ब्योरा और अन्य प्रासंगिक डेटा तक पहुंच की अनुमति देते हैं तो शिकायतों के पंजीकरण के लिए जरूरी ब्योरा स्वचालित रूप से दर्ज हो जाना चाहिए। विज्ञप्ति के मुताबिक, स्पैम कॉल के लिए निगरानी तंत्र को मजबूत करने के लिए ट्राई ने प्रदर्शन निगरानी रिपोर्ट (पीएमआर) के प्रारूपों में भी संशोधन लागू किए हैं।

फ्यूचर एंड ऑप्शंस से कमाई पर लग सकता है 30 फीसदी टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी। फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस (एफएंडओ) ट्रेडिंग करने वालों के लिए बुरी खबर है। अब फ्यूचर एंड ऑप्शंस से होने वाली इनकम पर टैक्स चुकाना पड़ सकता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, सरकार एफएंडओ ऑप्शंस से हुई इनकम को लॉटरी या क्रिप्टोकरेंसी से हुई कमाई मान सकती है। लॉटरी से हुई कमाई पर ज्यादा टैक्स लगता है। यही स्थिति क्रिप्टोकरेंसी से हुई इनकम के साथा है। सरकार ने फ्यूचर्स एंड ऑप्शंस कारोबार में तेजी से बढ़ते घाटे को लेकर चिंता जताई थी। कई लोग एफएंडओ में पैसा लगा रहे हैं और उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। ऐसे में सरकार अब एफएंड से होने वाली कमाई को व्यापारिक आय की जगह सट्टेबाजी आय की केटेगरी में लाने पर विचार कर रही है। इसका मतलब है कि एफएंडओ से होने वाले मुनाफे पर अब लॉटरी जीतने या क्रिप्टोकरेंसी में निवेश से होने वाली कमाई जैसा ही 30 प्रतिशत

का फ्लैट टैक्स लग सकता है। अगर यह बजट में पास हो जाता है, तो एफएंडओ में हुए घाटे को किसी और व्यापार से हुए मुनाफे से कम नहीं किया जा सकेगा। बल्कि एफएंडओ के घाटे को सिर्फ एफएंडओ के मुनाफे से ही घटाया जा सकेगा। एफएंडओ कारोबार, खासकर छोटे निवेशक इससे काफी परेशान हैं। उनका कहना है कि ये बदलाव उनके लिए अनुचित साबित होगा। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि ये कदम फायदेमंद हो सकता है क्योंकि हाल के कुछ सालों में एफएंडओ में छोटे निवेशकों की भागीदारी काफी बढ़ गई है।

पिता के कारोबार में 22 की उम्र में एंट्री, 9,938 करोड़ के साम्राज्य में बदल डाला !

नई दिल्ली, एजेंसी। अमीरा शाह भारतीय उद्यमी हैं। वह मेट्रोपोलिस हेल्थकेयर लिमिटेड नाम की मशहूर पैथोलॉजी लैब चेन का नेतृत्व करती हैं। 44 साल की अमीरा 9,938 करोड़ रुपये के मार्केट कैप वाली इस कंपनी की प्रमोटर और प्रबंध निदेशक हैं। वह मुंबई में इस कंपनी की स्थापना करने वाले पैथोलॉजिस्ट डॉ. सुशील शाह की बेटी हैं। अमीरा ने सिर्फ 22 साल की उम्र में पिता का कारोबार संभाल लिया था। फिर इसे बुलंदियों तक पहुंचा दिया।

गोल्डमैन सैक्स से करियर की शुरुआत

अमीरा शाह ने मुंबई के एचआर कॉलेज ऑफ कॉमर्स एंड इकोनॉमिक्स से कॉमर्स में ग्रेजुएशन किया। इसके बाद वह टेक्सास विश्वविद्यालय से फाइनेंस में डिग्री हासिल करने के लिए अमेरिका चली गईं। अमीरा हार्वर्ड बिजनेस स्कूल की पूर्व छात्रा भी हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत न्यूयॉर्क में गोल्डमैन सैक्स के साथ की थी।

22 की उम्र में संभाला पिता का बिजनेस

हालांकि, बाद में अमीरा शाह ने भारत में पिता के व्यवसाय में शामिल होने के लिए अपनी नौकरी छोड़ दी। उन्होंने 22 साल की उम्र में 2001 में पिता के कारोबार की कमान संभाल ली। बिजनेस के लिए लगातार काम करते हुए अमीरा ने इसे सफलतापूर्वक आज 9,938 करोड़ रुपये की मार्केट कैप वाली कंपनी में बदल दिया है।

2019 में स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्टिंग

अमीरा शाह के नेतृत्व में मेट्रोपोलिस को अप्रैल 2019 में स्टॉक एक्सचेंजों में सफलतापूर्वक सूचीबद्ध किया गया। वह एक ऐक्टिव फाइनेंशियल इन्वेस्टर और बिजनेस मेंटर भी हैं। अमीरा ने 2017 में महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यवसायों को सलाह, परामर्श और माइक्रो-फंडिंग के लिए एक गैर-लाभकारी मंच एम्पावरेंस की नींव रखी।

50 सबसे शक्तिशाली महिलाओं में बनाई जगह

अमीरा शाह अलग-अलग राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर मुखर वक्ता के रूप में दिखाई दी हैं। उन्हें 2017, 2018 और 2019 में फॉर्च्यून इंडिया की ओर से कारोबारी जगत में 50 सबसे शक्तिशाली महिलाओं में भी शामिल किया गया था। वह टोरेंट फार्मा सहित विभिन्न भारतीय कंपनियों के बोर्ड में स्वतंत्र निदेशक भी हैं।

जीएसटी के बाद सस्ती हुई घरेलू उपयोग की वस्तुएं, अमित शाह बोले- सरकार और सुधार के लिए प्रतिबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कानून के लागू हुए करीब सात साल हो गए हैं। इसे एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया था, जिसमें 17 स्थानीय करों और शुल्कों को शामिल किया गया था। जीएसटी के आने के बाद पिछले करीब सात साल में कई ऐसे उत्पादों और सेवाओं पर से कर हटाया गया है, जिनका इस्तेमाल गरीब और आम लोग करते हैं। इससे न सिर्फ घरेलू उपयोग की वस्तुएं सस्ती हुई हैं बल्कि आम लोगों पर कर का बोझ घटा है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के आंकड़ों के मुताबिक, छाछ-दही (पैकेट वाले नहीं), आटा, कॉस्मेटिक, टेलीविजन, मोबाइल फोन और रेफ्रिजरेटर जैसी वस्तुएं जीएसटी लागू होने के तत्काल बाद सस्ती हो गईं। इससे परिवारों की आमदनी पर दबाव कम हुआ और बचत में इजाफा हुआ है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि हमारे लिए ये सुधार 140 करोड़ भारतीयों के जीवन को बेहतर बनाने के साधन हैं। जीएसटी लागू होने के बाद घरेलू उपयोग की वस्तुएं काफी सस्ती हो गई हैं। इससे गरीब और आम आदमी को काफी बचत हुई है। हम लोगों के जीवन को बदलने के लिए सुधारों की इस यात्रा को जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

जीएसटी चुकाने वालों का जीवन आसान बनाने का लक्ष्य

जीएसटी की नई दरें लागू करने को लेकर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, मैं करदाताओं

को आश्वस्त करना चाहती हूं कि हमारा इरादा जीएसटी भुगतान करने वालों का जीवन आसान बनाने का है। हम न्यूनतम अनुपालन की दिशा में काम कर रहे हैं।

अगले साल से सीसीआई नहीं करेगा मुनाफाखोरी-रोधी आवेदन पर फैसला

जीएसटी परिषद ने मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों के तहत करदाताओं को बड़ी राहत देने की योजना बनाई है। परिषद ने सिफारिश की है कि एक अप्रैल, 2025 से भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) मुनाफाखोरी-रोधी से जुड़ा कोई भी नया आवेदन स्वीकार नहीं करेगा। ऐसे मामलों को सीसीआई से जीएसटी अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 53वीं बैठक में राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने कहा, जो मामले पहले दर्ज किए जा चुके हैं, उनकी सुनवाई जारी रहेगी और उन पर फैसला किया जाएगा। मौजूदा मुनाफाखोरी-रोधी प्रावधानों के तहत उद्योग द्वारा मूल्य वृद्धि के मामले में हमेशा विवाद की आशंका थी। भले ही यह लागत में वृद्धि या किसी और कारण से हो। जीएसटी के लागू हुए सात साल हो गए हैं। ऐसे में मूल्य निर्धारण बाजार की ओर से होना चाहिए, न कि कानून के जरिये।

सरकार और सुधार के लिए प्रतिबद्ध : शाह

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि जीएसटी से घरेलू वस्तुओं की कीमतों को कम करने में मदद मिली है।साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू करने की सराहना की। शाह ने कहा कि राजग सरकार नागरिकों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए और अधिक सुधार करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के आंकड़ों के अनुसार जीएसटी लागू होने के बाद आटा, सौंदर्य प्रसाधन, टेलीविजन और रेफ्रिजरेटर सहित ज्यादातर घरेलू सामान सस्ते हुए हैं। शाह ने सोशल मीडिया मंच पर लिखा, जनता की सरकार के सिद्धांतों पर खरा उतरते हुए पीएम मोदी ने जीएसटी लागू किया।

मुंबई से लंदन तक ऐसे फैला हिंदुजा समूह, ईरानी की इस्लामिक क्रांति की भी है बड़ी भूमिका

नई दिल्ली, एजेंसी। हिंदुजा परिवार ब्रिटेन का सबसे धनवान परिवार है। हिंदुजा परिवार के नेतृत्व वाला हिंदुजा समूह करीब 110 साल पुराना है। हालांकि इन दिनों हिंदुजा परिवार गलत कारणों से सुर्खियों में है। दरअसल हिंदुजा परिवार के चार सदस्यों को स्विट्जरलैंड की एक अदालत ने साढ़े चार-साढ़े चार साल जेल की सजा सुनाई है। सजा पाने वालों में प्रकाश हिंदुजा और उनकी प प्रतिशती कमल और बेटे अजय के साथ ही उनकी बहू का नाम शामिल है। आरोप है कि हिंदुजा परिवार के सदस्यों पर घरेलू नौकरों के शोषण का आरोप है।

प्रकाश हिंदुजा, कमल, अजय और बहू नम्रता पर आरोप हैं कि उन्होंने स्विट्जरलैंड के जिनेवा स्थित अपने बंगले में काम करने वाले कामगारों का शोषण और गैरकानूनी तरीके से कर्मचारियों को काम पर रखा। उन्हें कम वेतन पर 18 घंटे तक काम कराया गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हिंदुजा परिवार के सदस्यों ने स्विस कानून के तहत तय न्यूनतम वेतन के दसवें हिस्से के बराबर वेतन कर्मचारियों को दिया, जो कानून का उल्लंघन है। परिवार के सदस्यों पर मानव तस्करी के भी आरोप लगे, लेकिन अब परिवार के वकीलों ने बताया कि मानव तस्करी के आरोपों से परिवार के सदस्यों को बरी कर दिया गया है। हिंदुजा परिवार के सदस्यों ने अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की है। हालांकि इस मामले में किसी भी सदस्य को हिरासत में नहीं लिया गया है।

हिंदुजा परिवार में संपत्ति बंटवारे को लेकर भी विवाद हुआ था, जिसने खासी सुर्खियां बटोरी थी। दरअसल, 2014 में हिंदुजा समूह के संस्थापक दीपचंद हिंदुजा के चार बेटों श्रीचंद, गोपीचंद, प्रकाश और अशोक के बीच एक समझौता हुआ। इसमें कहा गया था कि एक भाई के नाम पर रखी गई सम्पत्ति एक की नहीं बल्कि चार भाइयों की होगी। यही समझौता विवाद की जड़ है। समझौते के करीब एक साल बाद हिंदुजा भाइयों में सबसे बड़े श्रीचंद हिंदुजा ने हिंदुजा बैंक ऑफ स्विटजरलैंड पर अकेले स्वामित्व का दावा किया। इसके लिए उन्होंने हाईकोर्ट में अपने तीनों अन्य भाइयों पर केस कर दिया। याचिका में कहा गया 2014 में हुआ समझौता कानूनी तौर पर वैध नहीं था। संपत्ति बंटवारे का ये मामला लंदन की कोर्ट ऑफ प्रोटेक्शन में चल रहा था।

मुंह के बल गिरा सोना, आज खुलते ही बिखर गए दाम, चांदी का भी हाल बेहाल

नई दिल्ली, एजेंसी। सोने की कीमतों में गिरावट के चलते अब यह 71 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब पहुंच गया है। वहीं चांदी के भाव 90 हजार रुपये प्रति किलोग्राम से नीचे आ चुके हैं। अभी आने वाले समय में सोने-चांदी की कीमतों में और गिरावट आने की संभावना जताई जा रही है।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी मंगलवार को 5 अगस्त 2024 की डिलीवरी वाला सोना करीब 152 रुपये गिरकर 71,639 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया है। सोने में सुबह से ही गिरावट देखी जा रही है। सोना आज सुबह गिरावट के साथ खुला है। वहीं 5 अक्टूबर 2024 की डिलीवरी वाला सोना 164 रुपये गिरकर 71,893 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एमसीएक्स एक्सचेंज पर आज यानी मंगलवार को 5 जुलाई 2024 की डिलीवरी वाली चांदी 226 रुपये गिरकर 88,773 रुपये प्रति किलोग्राम पर ट्रेड कर रही है। वहीं 5 सितंबर 2024 को डिलीवरी वाली चांदी 101 रुपये लुढ़कर 90,875 रुपये के स्तर पर पहुंच गई है। सोने की वैश्विक कीमतों में भी आज तेजी देखी जा रही है। कॉमेक्स पर सोने का वैश्विक वायदा भाव 0.38 फीसदी या 8.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,335.60 डॉलर प्रति औंस पर हैं। वहीं, सोने का वैश्विक हाजिर भाव 2,326.04 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच चुके हैं।

चांदी की वैश्विक कीमत

चांदी के वैश्विक भाव में आज गिरावट आई है। कॉमेक्स पर चांदी का वायदा भाव 0.18 फीसदी या 0.05 डॉलर की गिरावट के साथ 29.80 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गए हैं। वहीं, चांदी का वैश्विक हाजिर भाव 29.49 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया है।

सोने की कीमतों में कल भी गिरावट देखने को मिली थी। सोना कल गिरावट के साथ खुला था। वहीं चांदी में भी लगातार गिरावट देखी जा रही है। आज भी चांदी गिरावट के साथ ट्रेड कर रही है। पिछले सप्ताह की शुरुआत में सोने और चांदी दोनों की कीमतों में तेजी देखी जा रही थी।

पूंजीगत व्यय की गति कम करने के दबाव के बावजूद रेलवे का आवंटन बढ़ने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जुलाई महीने में किसी भी दिन बजट पेश कर सकती हैं। संसद के जारी शपथ ग्रहण सत्र के दौरान ही बजट की तारीख पर स्थिति साफ हो सकती है। बजट 2024-25 में सरकार की ओर से बुनियादी ढांचे पर बजटीय पूंजीगत व्यय की गति को कम करने के दबाव के बावजूद रेलवे क्षेत्र के लिए आवंटन अधिक रहने की उम्मीद है। आइए जानते हैं कि इस साल फरवरी में पेश हुए अंतरिम बजट में रेलवे के हिस्से क्या आया था और जुलाई में आने वाले केंद्रीय बजट 2024-25 में रेलवे को कितनी राशि मिलने का अनुमान है।

2024-25 के अंतरिम बजट में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रेलवे को सकल बजटीय सहायता (जीबीएस) के रूप में 2,52,200 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके साथ ही अतिरिक्त बजटीय संसाधनों (ईबीआर) से अतिरिक्त 10,000 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे। रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि जीबीएस कम से कम इसी स्तर पर रहने का अनुमान है। वहीं कुल बजट संभावित रूप से 2.6 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ सकता है। पिछले कुछ वर्षों में पूंजीगत व्यय वित्तपोषण में जीबीएस की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ी है, जबकि ईबीआर में गिरावट आई है। इबीआर में भारतीय रेलवे वित्त निगम , संस्थागत वित्तपोषण, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे स्रोतों से उधार शामिल हैं। ईबीआर के लिए आवंटन सरकार को यदि आवश्यक हो तो निवेश में देरी करने की अनुमति देता है, लेकिन बजटीय समर्थन में वृद्धि तत्काल खर्च और पूंजीगत व्यय के प्रति प्रतिबद्धता का संकेत देती है। इस बीच, उद्योग के अंदरूनी सूत्रों ने कहा कि सड़क और राजमार्ग निर्माण खर्च अपने चक्र के अंत के करीब है। इसके लिए अंतरिम बजट में 2.78 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। ऐसे में इस बार के बजट में निवेश का महत्वपूर्ण फोकस रेलवे पर रह सकता है। सरकार रेलवे के बुनियादी ढांचे के सभी क्षेत्रों में पर्याप्त निवेश के साथ जीडीपी के सापेक्ष रसद लागत को कम करने के लिए रेलवे का खर्च मजबूती से जारी रखने के लिए तैयार है।

कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ोतरी के बाद अब दूध भी महंगा हुआ

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्नाटक में कुछ दिन पहले ही पेट्रोल और डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई थी। अब राज्य में दूध की कीमतें बढ़ा दी गई हैं। ईंधन की कीमतें बढ़ने के नाम पर कर्नाटक मिल्क फेडरेशन ने मंगलवार को दूध के कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की। दूध के नए दाम बुधवार से लागू हो जाएंगे। हालांकि, दूध की बढ़ी कीमतें लागू होने के बाद ग्राहकों को हर पैक पर 50 ग्राम अतिरिक्त दूध मिलेगा।

कर्नाटक मिल्क फेडरेशन के मुताबिक अब नंदिनी दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति पैक की बढ़ोतरी की जा रही है। हालांकि, ग्राहकों को अब हर पैक पर 50 मिलीलीटर अतिरिक्त दूध मिलेगा। मतलब कि 500 मिलीलीटर दूध के पैकेट के स्थान पर 550 मिलीलीटर वाले पैकेट आएंगे और 1 लीटर वाले पैकेट के स्थान पर 1.05 लीटर वाले पैकेट आएंगे। कर्नाटक में दूध की कीमतें आखिरी बार जुलाई 2023 में बढ़ाई गई थीं।

अब नंदिनी का टोंड दूध, जिसकी कीमत 500 मिलीलीटर के लिए 22 रुपये और 1000 मिलीलीटर के लिए 42 रुपये थी, अब 550 मिलीलीटर और 1050 मिलीलीटर के लिए क्रमशः 24 रुपये और 44 रुपये होगी। इसी तरह, 500 मिलीलीटर के लिए 23 रुपये की कीमत वाले शुभम दूध की कीमत अब 550 मिलीलीटर के पैकेट के लिए 25 रुपये होगी और 1050 मिलीलीटर की कीमत 50 रुपये होगी, जो कि 1000 मिलीलीटर के मौजूदा 48 रुपये से 2 रुपये अधिक है। मूल्य वृद्धि का असर नंदिनी द्वारा उत्पादित सभी पैकेटों पर पड़ेगा, जिसमें टोंड दूध, डबल टोंड दूध, होमोजिनाइज्ड टोंड दूध, होमोजिनाइज्ड गाय का दूध, विशेष दूध, शुभम् दूध, समृद्धि दूध, होमोजिनाइज्ड शुभम् दूध, संतुष्टि दूध और शुभम् गोल्ड दूध शामिल हैं। देश में दूध की सबसे बड़ी सहकारी कंपनी अमूल ने इसी महीने दूसरी तारीख को दूध की कीमतों में हर किलो पर दो रुपये की बढ़ोतरी की थी। इसके एक दिन बाद ही मतलब कि तीन जून 2024 को अपने दूध की कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी। उस समय मदर डेयरी ने कहा था कि दूध संग्रहण की लागत बढ़ रही है।

संक्षिप्त समाचार

इजरायली सेना का दावा, हमास का वरिष्ठ हथियार विशेषज्ञ मारा गया

यरूशलम, एजेंसी। इजरायली सेना ने सोमवार को दावा किया कि उसने गाजा पट्टी में हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी को मार गिराया है जो हथियारों में विशेषज्ञता रखता था। इजरायल ने कहा कि गाजा के दक्षिणी शहर रफा में हमला जारी है। एक अपडेट में सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने इजरायली सेना के हवाले से बताया कि एक हवाई हमले में मुहम्मद सलाह की मौत हो गई है। वो हमास के हथियार निर्माण मुख्यालय में प्रभारी के पद पर था और सभी तरह के हथियारों में उसकी विशेषज्ञता थी। इजरायली सेना के मुताबिक, सलाह रणनीतिक हथियार विकसित करने के एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा था। उसने कई दस्तों की कमान संभाली थी जो हथियार विकसित करने का काम करते थे। इजरायली सेना ने यह भी कहा कि उसके सैनिक रफा क्षेत्र में इंटेलिजेंस से मिली जानकारी के आधार पर अभियान जारी रखे हुए है। सेंट्रल गाजा में भी अभियान जारी है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, जवाबी कार्रवाई में इजरायली हमले में गाजा में लगभग 37,600 लोग मारे गए हैं।

'स्पेससूट से रिसने लगा पानी, नासा को अंतरिक्ष पर चहलकदमी की योजना करनी पड़ी रद्द

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी 'नेशनल एयरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) ने एक अंतरिक्ष यात्री के 'स्पेससूट से पानी के रिसाव के बाद 'अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर अंतरिक्ष में चहलकदमी की योजना रद्द कर दी गई। 'स्पेससूट अंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा पहना जाने वाला विशेष परिधान होता है। अंतरिक्ष यात्रियों ट्रेसी डायसन और माइक बैरेट ने अंतरिक्ष स्टेशन के 'एयरलॉक के 'हैच को खोला तभी डायसन ने अपने 'स्पेससूट की शीतलन प्रणाली से पानी के रिसाव की सूचना दी जिसके बाद अंतरिक्ष पर चलहकदमी की योजना रद्द कर दी गई। बैरेट ने कहा, यहां अब हर जगह पानी है। नासा ने बताया कि दोनों अंतरिक्ष यात्रियों को कोई खतरा नहीं है। इन अंतरिक्ष यात्रियों को खराब हो चुके एक संचार बॉक्स को हटाना था तथा अंतरिक्ष में घूमती प्रयोगशाला के बाहर से सूक्ष्मजीवों के नमूने एकत्र करने थे। इस महीने की शुरुआत में भी एक अन्य अंतरिक्ष यात्री को ''स्पेससूट में असुविधा होने के बाद अंतरिक्ष में चहलकदमी के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया था।

अमेरिकी सांसद मीक्स बोले- भारत अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के सदस्य ग्रेगरी मीक्स ने कहा है कि भारत अमेरिका का एक प्रमुख सहयोगी है और चीन के खतरों से निपटने के लिए महत्वपूर्ण देश है। मीक्स ने हाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की थी। अमेरिकी प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति के 'रैंकिंग सदस्य और सदन की वित्तीय सेवा समिति के वरिष्ठ सदस्य मीक्स ने रविवार को 'सीएनएन को दिए एक साक्षात्कार में कहा, आप 1.3 अरब लोगों के बारे में बात कर रहे हैं। भारत का अमेरिका के लिए सहयोगी होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, आप देखते हैं कि (अमेरिका के राष्ट्रपति) जो बाइडन ने लोगों और देशों को एक साथ लाने के लिए क्या किया है। उदाहरण के लिए, भारत 'क्वाड (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) का एक अभिन्न अंग है। हमारे भारत के साथ-साथ दक्षिण कोरिया, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ संबंध हैं। मीक्स उस उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे जो हाल में भारत गया था और नयी दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी से मिला था। मीक्स ने कहा, हम यह सुनिश्चित करते हैं कि हम चीन के खतरों और हिंद-प्रशांत में मौजूद खतरों से निपटें और फिलीपीन के साथ काम करें। ऐसे में भारत एक प्रमुख सहयोगी और अहम देश है। यह महत्वपूर्ण है। मीक्स ने कहा, ''आप जानते हैं कि हमने प्रधानमंत्री मोदी के साथ संवाद किया है। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है और अमेरिका सबसे पुराना लोकतंत्र है।

यात्रियों की नाक से बहने लगा खून, कान में हुआ दर्द; फ्लाइट में मची अफरा-तफरी

ताइपे, एजेंसी। ताइवान जा रहे कोरियन एयर के विमान में तकनीकी खराबी के कारण यात्रियों को नाक से खून बहने और कान में दर्द की शिकायत से अफरातफरी मच गई। पायलट ने विमान को वापस मोड़ने का फैसला किया और इंचियोन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की। बाद में 13 यात्रियों को अस्पताल ले जाया गया। दक्षिण कोरिया की योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार शनिवार को कोरियन एयर के विमान केई-189 के केबिन प्रेशराइजेशन सिस्टम में अचानक खराबी आ गई और विमान तेजी से 30 हजार फीट से लगभग नौ हजार फीट नीचे आ गया। इससे कुछ यात्रियों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हुईं। कथित तौर पर ऊंचाई में अचानक गिरावट से दो यात्रियों को नाक से खून बहने लगा, जबकि 15 अन्य ने कान में दर्द और घुटन महसूस की। एक ताइवानी यात्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि भोजन परोसने के तुरंत बाद विमान नीचे की ओर झुक गया और केबिन में उथल-पुथल मच गई। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार यात्री ने बताया कि उसे कान और सिर में तेज दर्द के साथ चक्कर भी आ रहे थे, जबकि विमान में सवार बच्चे डरे हुए और रो रहे थे।

विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे रिहा, जासूसी के आरोप में अमेरिका से हुई डील

वाशिंगटन, एजेंसी। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे इस सप्ताह अमेरिकी जासूसी कानून का उल्लंघन करने के लिए अपराध स्वीकार करेंगे। इस डील के तहत ब्रिटेन में उनकी कैद खत्म हो गई है और उन्हें ऑस्ट्रेलिया लौटने की इजाजत भी मिल गई। 52 वर्षीय जूलियन असांजे पर अफगानिस्तान और इराक में युद्धों से संबंधित अमेरिकी सेना की खुफिया जानकारियों को लीक करने का आरोप है। उन्होंने क्लासीफाइड अमेरिकी दस्तावेजों को प्राप्त करने और उन्हें उजागर करने की साजिश रचने के आपराधिक मामले में अपनी गलती मानने पर हामी भर दी है।

जूलियन असांजे को बुधवार को स्थानीय समयानुसार सुबह 9 बजे साइपन द्वीप पर होने वाली सुनवाई में 62 महीने की सजा सुनाई जानी है। जूलियन पहले ही अपनी सजा काट चुके हैं। विकीलीक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में कहा कि वह सोमवार को यूके की बेलमार्श जेल से बाहर आए और फिर यूके हाई कोर्ट ने उसे जमानत दे दी है। उसी दोपहर वह फ्लाइट में भी बैठ गए। विकीलीक्स द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में नीली शर्ट और जींस पहने असांजे को एक निजी जेट में सवार होने से पहले एक दस्तावेज पर

हस्ताक्षर करते हुए दिखाया गया है।

क्या है विकीलीक्स का पूरा मामला

2010 में विकीलीक्स ने अफगानिस्तान और इराक में अमेरिका के युद्धों से संबंधित लाखों क्लासीफाइड अमेरिकी सैन्य दस्तावेज़ लीक कर दिए थे। अमेरिकी सैन्य इतिहास में यह इस तरह का सबसे बड़ा सुरक्षा उल्लंघन था। असांजे पर पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के दौरान विकीलीक्स द्वारा गुप्त अमेरिकी दस्तावेज़ों को बड़े पैमाने पर जारी करने के लिए अभियोग लगाया गया था। इन दस्तावेजों को चेल्सी मैनिंग ने लीक किया था। मैनिंग, एक पूर्व अमेरिकी सैन्य खुफिया विश्लेषक हैं जिन पर अमेरिका के जासूसी अधिनियम के तहत मुकदमा भी चलाया गया था। 7,00,000 से अधिक दस्तावेजों के इस संग्रह में डिप्लोमेटिक केबल और युद्ध के मैदान के विवरण शामिल थे। इनमें 2007 का एक वीडियो भी शामिल था जिसमें एक अमेरिकी अपाचे हेलीकॉप्टर इराक में संदिग्ध विद्रोहियों पर फायरिंग कर रहा था, जिसमें एक दर्जन लोग मारे गए थे।

असांजे के खिलाफ आरोपों ने उनके कई समर्थकों में आक्रोश पैदा कर दिया था। उन्होंने तर्क दिया है कि विकीलीक्स के प्रकाशक के रूप में असांजे को उन आरोपों का सामना नहीं करना चाहिए जो आमतौर पर सरकार के कर्मचारियों के खिलाफ लगाए जाते हैं, जो जानकारी चुराते या लीक करते हैं। ऑस्ट्रेलियाई सरकार के प्रवक्ता ने कहा, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज़ ने स्पष्ट कहा है कि असांजे का मामला बहुत लंबा खिंच गया है और उन्हें लगातार जेल में रखने से कुछ भी हासिल नहीं होने वाला है।

असांजे को पहली बार 2010 में ब्रिटेन में एक यूरोपीय गिरफ्तारी वारंट पर गिरफ्तार किया गया था, जब स्वीडिश अधिकारियों ने कहा था कि वे उनसे यौन-अपराध के आरोपों पर पूछताछ करना चाहते हैं। इन आरोपों को बाद में हटा दिया गया था। वह स्वीडन में प्रत्यर्पण से बचने के लिए इक्वाडोर के एम्बेसी में चले गए थे, जहां वह सात साल तक रहे। उन्हें 2019 में एम्बेसी से बाहर निकाला गया और जेल में डाल दिया गया। वह तब से लंदन की बेलमार्श जेल में है, जहां से वह लगभग पांच सालों से अमेरिका में प्रत्यर्पण के लिए लड़ रहे थे।

चीन पर भड़का यूरोप, रूस को युद्ध में हथियार देने के मामले में दे दी बड़ी सजा, 19 चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध

ब्रुसेल्स, एजेंसी। यूरोपीय संघ ने सोमवार को चीन पर बड़ा एक्शन लेते हुए 19 चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगा दिया है। इन कंपनियों पर यूक्रेन में रूस को युद्ध के लिए हथियार सप्लाई करने का आरोप है। यूरोपीय संघ के आधिकारिक जर्नल में प्रकाशित सूची में हांगकांग में स्थित कई कंपनियों के साथ-साथ दो दिग्गज ग्लोबल सैटेलाइट कंपनियां भी शामिल हैं। चीन ने पश्चिमी देशों के इन आरोपों को बेबुनियाद बताया है और कहा है कि वह रूस के सैन्य अभियान का समर्थन नहीं कर रहा है।रूस के खिलाफ प्रतिबंधों की कड़ी में यूक्रेन में युद्ध में सीधे रूस के सैन्य-औद्योगिक परिसर का समर्थन करने के आरोप में 61 नई कंपनियों को सूची में जोड़ा गया है। अब इस सूची में कुल 675 कंपनियां हो गई है। इन कंपनियों पर उन सामानों और तकनीकी चीजों की बिक्री पर कठोर प्रतिबंध लगाए गए हैं जिनका उपयोग रूस के डिफेंस और सिक्योरिटी सेक्टर को बढ़ाने के लिए किया जा सकता है।

अक्टूबर में, एएफपी की एक जांच से पता चला कि रूस की कंपनी वैगनर ने 2022 में दो सैटेलाइट को खरीदने और उनकी तस्वीरों को इस्तेमाल करने के लिए चीनी फर्म बीजिंग युनज़े टेक्नोलॉजी के साथ 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक के कॉन्ट्रैक्ट पर हस्ताक्षर किए थे। दो उच्च-रिज़ॉल्यूशन वाले उपग्रह चांग गुआंग सैटेलाइट टेक्नोलॉजी के थे, जो एक प्रमुख ग्लोबल सैटेलाइट कंपनी है, जिसे यूरोपीय संघ की प्रतिबंधित सूची में जोड़ा गया है। दूसरी कंपनी हेड एयरोस्पेस टेक्नोलॉजी थी, जो सैटेलाइट इमेज बेचती है और वैगनर समूह को आपूर्ति करने के लिए 2023 में अमेरिका की प्रतिबंधित सूची में डाल दी गई थी।

भले ही चीन रूस को सीधे हथियार न दे, लेकिन अमेरिका और यूरोप उस पर मास्को के सैन्य उद्योग को टूल्स और उपकरण बेचने का आरोप लगाते हैं। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने इन दावों को झूठी सूचना बताकर खारिज कर दिया है। सोमवार को यूरोपीय संघ की सूची में जोड़ी गई 61 संस्थाओं में से लगभग आधी रूस-आधारित कंपनियाँ हैं। 19 चीनी कंपनियों के अलावा, इसमें तुर्की की नौ, किर्गिस्तान की दो, भारत की एक, कजाकिस्तान की एक और संयुक्त अरब अमीरात की एक कंपनी भी शामिल है।

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ने माना- मुल्क में सुरक्षित नहीं हैं अल्पसंख्यक, लगाए आरोप

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सोमवार को स्वीकार किया कि अल्पसंख्यकों को धर्म के नाम पर लक्षित हिंसा का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इसके कारण पाकिस्तान को दुनियाभर में शर्मिंदगी का सामना करना पड़ रहा है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय असेंबली के सत्र के दौरान आसिफ ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि हर दिन अल्पसंख्यकों की हत्या हो रही है। वे इस्लाम की आड़ में सुरक्षित नहीं हैं। मैं अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के मुद्दे पर बात करना चाहता हूं, लेकिन विपक्ष मेरे प्रयासों को रोक रहा है।

आसिफ ने जोर देकर कहा कि संवैधानिक सुरक्षा के बावजूद पाकिस्तान में इस्लाम के अंतर्गत आने वाले छोटे संप्रदायों सहित कोई भी धार्मिक अल्पसंख्यक सुरक्षित नहीं है। उन्होंने अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव का आह्वान किया, जिसमें इस बात पर प्रकाश डाला गया कि हिंसा के कई पीड़ितों का ईशनिंदा के आरोपों से कोई संबंध नहीं था, लेकिन उन्हें व्यक्तिगत प्रतिशोध के कारण निशाना बनाया गया। पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने कहा कि देश में छोटे संप्रदाय भी सुरक्षित नहीं हैं, जो एक शर्मनाक स्थिति है। हम अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए एक प्रस्ताव पेश करने का इरादा रखते हैं। हमारा संविधान अल्पसंख्यक अधिकारों की गारंटी देता है, जबकि विभिन्न स्थानों पर हिंसा की घटनाएं हो रही हैं।

एलन मस्क बने 12वें बच्चे के पिता, कहा ढिंढोरा नहीं पीटता फिरूंगा, करीबियों को पता था

वाशिंगटन, एजेंसी। दुनिया के सबसे अमीर शख्स में से एक एलन मस्क इस साल 12वें बच्चे के पिता बन गए हैं। इसके साथ ही उन्होंने उन रिपोर्टस पर भी बोला है जिनमें कहा गया था कि इस जानकारी को छिपाने की कोशिश की। उन्होंने सोशल मीडिया साइट ङ्क पर, जिसके वे मालिक हैं, कहा कि न्यूरालिंक की एक्जीक्यूटिव शिवोन ज़िलिस के साथ उनका नया बच्चा कोई राज नहीं है। उन्होंने कहा है कि उनके दोस्तों और परिवार के सदस्यों को इस बारे में पता है।

अरबपति एलन मस्क इस दौरान मजाक के मूड में भी नजर आए। मस्क ने चुटकी लेते हुए कहा कि प्रेस विज्ञप्ति जारी करके यह घोषणा करना कि वह और ज़िलिस एक बच्चे को जन्म देने वाले हैं, बहुत अजीब होता। मस्क ने पेज सिक्स से कहा, जहां तक 'गुप्त रूप से पिता बनने' की बात है, तो यह भी झूठ है। हमारे सभी दोस्त और परिवार के लोग जानते हैं। प्रेस

विज्ञप्ति जारी न करना, जो कि अजीब होता, इसका मतलब राज नहीं है। यह ज़िलिस के साथ एलन मस्क का तीसरा बच्चा और मस्क के 12वां बच्चा है। हालांकि मस्क ने अभी तक नए बच्चे का नाम और लिंग नहीं बताया है।

सभ्यता के सामने सबसे बड़ा खतरा जन्म दर में गिरावट है : एक समाचार आउटलेट से बात करते हुए एलन ने जनसंख्या में गिरावट और जन्म दर में गिरावट पर अपनी चिंता भी जताई। एलन मस्क ने कहा, कई देश पहले से ही रिप्लेसमेंट दर से काफी नीचे हैं, और कुछ सालों में और भी देशों में यह देखने को मिलेगा। यह एक तथ्य है, कोई मनगढ़ंत थ्योरी नहीं है। मस्क ने आगे कहा, इस वक्त 2.1 बच्चे रिप्लेसमेंट रेट है, और जाहिर है कि पूरी दुनिया इस से और नीचे आने वाली है। 2022 में एलन मस्क ने कहा था कि अब तक सभ्यता के सामने सबसे बड़ा खतरा जन्म दर में गिरावट है और उन्होंने बड़े परिवारों का समर्थन किया था।

टेस्ला के दिग्गज एलन मस्क ने इससे पहले नवंबर 2021 में ज़िलिस के साथ जुड़वां बच्चों स्ट्राइडर और एज़्योर का स्वागत किया था। कुछ ही समय बाद, उन्होंने और ऑल्ट-पॉप गायिका ग्रिम्स ने सरोगेट के माध्यम से एक्सा डार्क साइडरेल को जन्म दिया। एक्सा, जिसे वाई के रूप में भी जाना जाता है, के बारे में खुलासा वैनिटी फेयर के एक लेख में हुआ था, जब मैगजिन के साथ ग्रिम्स के इंटरव्यू के दौरान बच्चा रोने लगा था।

फिलहाल 36 वर्षीय ग्रिम्स और एलन मस्क बीच अपने तीन बच्चों की कस्टडी को लेकर कानूनी विवाद चल रहा है। एलन मस्क को अपने 4 वर्षीय बेटे, एक्स के साथ विभिन्न कार्यक्रमों में सार्वजनिक रूप से देखा गया है। उन्हें फरवरी में लास वेगास में सुपर बाउल, मार्च में जर्मनी में टेस्ला प्लांट और हाल ही में इस महीने की शुरुआत में फ्रांस में कैन लायंस फेस्टिवल में एक साथ देखा गया था। एलन मस्क अपनी पूर्व पत्नी जस्टिन मस्क के साथ जुड़वाँ बच्चों ग्रिफिन और विवियन के साथ-साथ एक ट्रिपलेट काई, सैक्सन और डेमियन के भी पिता हैं।

पाकिस्तान में तीन बार टूटी महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा, अब करतारपुर गुरुद्वारे में लगाने की तैयारी

इस्लामाबाद, एजेंसी। सिख साम्राज्य के संस्थापक कहे जाने वाले महाराजा रणजीत सिंह को सीमा के दोनों तरफ मानने वाले लोग हैं। एक तरफ सिख समुदाय उन्हें अपने नायक के तौर पर देखता है तो वहीं पाकिस्तान में भी एक वर्ग उन्हें पंजाब सूबे को स्थापित करने वाला मानता है। हालांकि महाराजा रणजीत सिंह कट्टरपंथियों के भी निशाने पर रहे हैं। इसी के चलते लाहौर के किले में स्थापित उनकी प्रतिमा को तीन बार तोड़ा जा चुका है। उनकी प्रतिमा को स्थापना के बाद से ही लगातार तीन बार तोड़ा जा चुका है, लेकिन अब इसे लेकर पाकिस्तान ने नई तैयारी की है।

अब महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा को करतारपुर साहिब गुरुद्वारे के परिसर में स्थापित किया जाएगा। यह गुरुद्वारा भारत से लगती सीमा के पास बना है। 26 जून को महाराजा रणजीत सिंह की 185वीं पुण्यतिथि है। इस मौके पर ही उनकी स्थापना की जाएगी। फिलहाल भारत से सिख समुदाय के 450 लोग पाकिस्तान में हैं, जो महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि मनाने के लिए पहुंचे हैं। उन्होंने 19वीं सदी में

पंजाब में शासन किया था और उन्हें सिख साम्राज्य का पहला महाराजा माना जाता है। लाहौर में स्थित फकीर खाना संग्रहालय के डायरेक्टर फकीर सैयद सैफुद्दीन इस प्रोजेक्ट को देख रहे हैं और महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा तैयार करा रहे हैं।

महाराजा की मूर्ति को उपद्रवियों ने तोड़ दिया था और वह 80 फीसदी तक क्षतिग्रस्त हो गई थी। सैफुद्दीन के पूर्वज महाराजा रणजीत सिंह के दरबार में थे। सैफुद्दीन ने कहा, मेरा महाराजा रणजीत सिंह के प्रति प्यार और सम्मान रहा है।

इसलिए मैंने इस प्रोजेक्ट को लिया। महाराजा की प्रतिमा को बनवाने में 27 लाख रुपये की लागत आई है और कई साल का समय लगा है। इस प्रतिमा को हम करतारपुर साहिब गुरुद्वारे को दान करने का फैसला लिया है। लाहौर के फकीर खाना संग्रहालय में 2019 में महाराजा रणजीत सिंह की प्रतिमा लगाई गई थी।

दक्षिण कोरिया: बैटरी फैक्ट्री में भीषण विस्फोट, मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर हुआ 22

सियोल, एजेंसी। दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल के समीप, लिथियम बैटरी बनाने वाली फैक्ट्री में सोमवार को आग लग जाने से कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में ज्यादातर प्रवासी चीनी श्रमिक थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अग्निशमन अधिकारियों ने एक प्रत्यक्षदर्शी के हवाले से बताया कि आग सुबह करीब 10:30 बजे सियोल के दक्षिण में स्थित ह्वासोंग शहर में फैक्ट्री की दूसरी मंजिल पर बैटरियों में विस्फोट होने के बाद लगी। जिस समय यह घटना हुई, उस वक्त श्रमिक बैटरियों की जांच और पैकेजिंग कर रहे थे। अधिकारियों ने कहा कि आग लगने के कारणों की जांच की जाएगी।

स्थानीय अग्निशमन अधिकारी किम जिन-यंग ने बताया कि मृतकों में 18 चीनी, दो दक्षिण कोरियाई और एक व्यक्ति लाओस का नागरिक था। उन्होंने कहा कि मृतकों में से एक की नागरिकता का पता नहीं चल सका है। किम ने बताया कि फैक्टरी में काम करने वाले एक व्यक्ति से संपर्क नहीं हो पाया है और बचावकर्मी घटनास्थल पर तलाश अभियान जारी रखे हुए हैं। उन्होंने बताया कि आठ घायलों में से दो की हालत गंभीर है। आग एरिसेल नामक कंपनी के स्वामित्व वाली एक फैक्टरी की इमारत में लगी।

किम ने बताया कि जो लोग मृत पाए गए वे संभवतः सीढ़ियों के रास्ते बाहर नहीं निकल पाए। उन्होंने कहा कि अधिकारी इस बात की जांच करेंगे कि क्या फैक्ट्री में आग बुझाने के उपकरण थे और क्या वे चालू हालत में थे। उन्होंने बताया कि आग लगने के समय फैक्ट्री में कुल 102 लोग काम कर रहे थे। प्रधानमंत्री हान डक-सू और गृह एवं सुरक्षा मंत्री ली सांग-मिन ने घटनास्थल का दौरा किया। प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, हान ने अधिकारियों को मृतकों के रिश्तेदारों को सरकारी सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया।

पाकिस्तान के वकील का दावा: देश में खतरनाक स्तर तक बढ़े भीड़ के राक्षस

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान में भीड़ द्वारा की जाने वाली हत्या के मामलों में वृद्धि की निंदा करते हुए शिक्षाविद और वकील मुनीब कादिर ने इसे एक 'खतरनाक मानसिकता' बताया, जो किसी व्यक्ति की हत्या को न्याय सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका मानती है। कादिर शुक्रवार को अपनी पुस्तक के विमोचन समारोह में बोल रहे थे।

अपनी पुस्तक 'पेइंग द प्राइसः एक्सप्लोरिंग रिलीजियस एक्सट्रीमिज्म, मिसोगिनी, ट्रांसफोबिया एंड क्लास अपाथाइड इन प्रेजेंट-डे पाकिस्तान' का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि हमने स्वात में जो देखा, वह वही भीड़ की मानसिकता थी, जिसके कारण भीड़ इकट्ठा होती है, एक व्यक्ति को प्रताड़ित करती है क्योंकि उन्हें लगता है कि उस व्यक्ति के अपराध अकथनीय हैं

और उसकी मौत न केवल सही है बल्कि न्याय सुनिश्चित करने का एकमात्र तरीका है।

अपने बयान में कादिर ने दिसंबर 2021 में पंजाब प्रांत के सियालकोट में प्रियंता कुमारा दियावदाना की भीड़ द्वारा हत्या की इसी तरह की घटना का जिक्र किया। घटना के बारे में बताते हुए कादिर ने कहा, सियालकोट की घटना में शामिल लोगों को अपने किए पर गर्व था, उन्हें लगा कि उन्होंने जो किया वह हमसे बड़ा है। इसमें सैकड़ों लोग शामिल थे, उन्होंने पहले उसके कपड़े फाड़े और फिर उसे जिंदा जला दिया, और जलते हुए पीड़ित के साथ सेल्फी ली। ऐसा इसलिए था क्योंकि उन्हें लगा कि यह एक मील का पत्थर है और वे इसे आने वाली पीढ़ियों को भेजेंगे, यह कहते हुए कि देखो मैं वहां था। वे बिल्कुल भी शर्मिंदा नहीं थे, बल्कि गर्वित थे। कादिर ने धार्मिक स्वतंत्रता की अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग का जिक्र करते हुए सवाल किया कि पाकिस्तान को हर साल धार्मिक स्वतंत्रता सूचकांक में अपनी रैंकिंग गिरने पर क्या फर्क पड़ता है, क्योंकि लोगों को इसी पर गर्व है। कादिर ने कहा कि मैंने खुद देखा कि ईद के दौरान पुलिस बेबुनियाद तरीके से अहमदिया मुसलमानों पर छापेमारी कर रही थी। ये गैर-सरकारी तत्व नहीं थे, और हम अच्छी तरह जानते हैं कि किसके इशारे पर ऐसा किया जा रहा था। इसी तरह सरगोधा में ईसाई समुदाय के साथ जो हुआ, वह भी जगजाहिर है। उन्होंने कहा कि उस दिन सिर्फ़ एक प्रियंता कुमारा जल रही थी, लेकिन उस आगजनी में कम से कम 400 लोग शामिल थे। यह हमारे देश में मौजूदा अनुपात है, हर अहिंसक व्यक्ति के लिए 400 लोग खून के प्यासे लोग हैं, जो आपको मारने के लिए तैयार हैं, और इस कमरे में बैठा हर व्यक्ति संभावित शिकार और संभावित खतरा है।

उन्होंने कहा कि कभी-कभी मैं सोचता हूँ कि क्या यह सरकार है जो बहुसंख्यक भीड़ के ऐसे राक्षस को पालती है, जिसे छोड़ दिया गया है या यह भीड़ है जो सरकार को पालती है, जो अब हमारे घरों तक पहुँच गई है, और अब अगर प्रशासन सही काम करने की कोशिश भी करता है, तो इस बात की संभावना है कि राक्षस मालिक पर ही हमला कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

त्रीसा और गायत्री अमेरिकी ओपन में करेंगे भारतीय चुनौती की अगुआई

● भारतीय जोड़ी को मिली दूसरी वरीयता

नई दिल्ली, एजेंसी। ओलंपिक में एक महीने से भी कम समय बचा है और ऐसे में पेरिस जाने वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पीवी सिंधू, एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष डबल्स जोड़ी तथा अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की महिला डबल्स टीम ने टूर्नामेंट में नहीं खेलने का फैसला किया है।

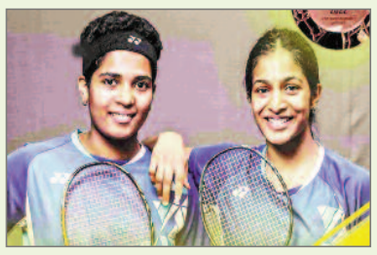

भारतीय टीम त्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की अगुआई में मंगलवार से शुरू हो रहे अमेरिकी ओपन बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन टूर्नामेंट में खेलने उतरेगी। त्रीसा और गायत्री की महिला डबल्स जोड़ी पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई कर चुके खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगे। ओलंपिक में एक महीने से भी कम समय बचा है और ऐसे में पेरिस जाने वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पीवी सिंधू, एचएस प्रणय, लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष डबल्स जोड़ी तथा अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की महिला डबल्स टीम ने टूर्नामेंट में नहीं खेलने का फैसला किया है।

त्रीसा-गायत्री को मिली दूसरी वरीयता- मई-जून में सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उपविजेता रही विश्व की 24वें नंबर की भारतीय जोड़ी त्रीशा और गायत्री को इस सुपर 300 टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता मिली है।

ओलंपिक में भारत के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जेएसडब्ल्यू ग्रुपप ने पेरिस में प्रदर्शनी का आयोजन किया

पेरिस, एजेंसी। जेएसडब्ल्यू समूह ने पेरिस में एक प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ रविवार को ओलंपिक दिवस मनाया, जो ओलंपिक आंदोलन के संस्थापक पियरे डी कूबर्टिन के जीवन और विरासत का जश्न मनाता है, साथ ही मेजबान शहर पेरिस में खेलों में भारत की उपस्थिति के 100 साल पूरे होने का जश्न भी मनाता है। जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की चेयरपर्सन, श्रीमती संगीता जिंदल और इंस्पायर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट के संस्थापक, पार्थ जिंदल के साथ

आईओसी के अध्यक्ष, थॉमस बाक, संस्कृति मंत्री, मैडम रचिदा दाती, फ्रांस गणराज्य में भारत के राजदूत जावेद अशरफऔर पियरे डी कूबर्टिन फैमिली एसोसिएशन की अध्यक्ष श्रीमती एलेक्जेंड्रा डी नवासेले प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगी, जो पेरिस के 7वें एरोनडिसेमेंट के टाउन हॉल में आयोजित की जाएगी और सितंबर में पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन पैरालंपिक खेल के अंत तक चलेगी। इस अवसर पर, संगीता जिंदल ने कहा कि जेएसडब्ल्यू समूह पेरिस में जीनियस ऑफ स्पोर्ट प्रदर्शनी में ओलंपिक में भारत के 100 साल के आयोजन का समर्थन करते हुए प्रसन्न है। इस अनूठी प्रदर्शनी के माध्यम से, हम पियरे डी कूबर्टिन के जीवन और विरासत और भारत की उल्लेखनीय ओलंपिक यात्रा और सफलता के 100 वर्षों का जश्न मनाते हैं। हम पियरे डी कूबर्टिन के दृष्टिकोण और विश्वास को साझा करते हैं कि खेल में सीमाओं को पार करके और शांति और दोस्ती की भावना में लोगों को एक साथ लाकर दुनिया को अलग तरह से बदलने की क्षमता है।

8 छक्के, 41 बॉल और 92 रन..., लगा दी रिकॉर्ड्स की झड़ी

रोहित शर्मा बने सिक्सर किंग

अमेरिका और वेस्टइंडीज की मेजबानी में खेले जा रहे टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सुपर-8 में भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रनों से करारी शिकस्त दी. इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में एंट्री कर ली है. मुकाबले में प्लेयर ऑफ द मैच भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को चुना गया. रोहित शर्मा ने मैच में 19 गेंदों पर फिफ्टी जड़ी. हालांकि वो अपना शतक पूरा नहीं कर सके, लेकिन उन्होंने 41 गेंदों पर 92 रनों की आतिशी पारी खेली. इस दौरान रोहित ने 8 छक्के और 7 चौके जमाए. रोहित की इस पारी और मैच जीतने के बाद रिकॉर्ड्स की झड़ी लग गई है.

रोहित ने बनाए कई धांसू रिकॉर्ड्स

रोहित ने टी20 इंटरनेशनल में अपने 200 छक्के पूरे कर लिए हैं और वो ऐसा करने वाले वर्ल्ड के पहले क्रिकेटर बन गए. रोहित ने एक और ऐतिहासिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है.
रोहित टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बन गए हैं. इस मामले में उन्होंने पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम को पछाड़ दिया.
आइए देखते हैं मैच में बने इसी तरह के कुछ दमदार रिकॉर्ड्स के बारे में...

टी20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा रनों का रिकॉर्ड

रन	खिलाड़ी	देश
4165 रन	रोहित शर्मा	भारत
4145 रन	बाबर आजम	पाकिस्तान
4103 रन	विराट कोहली	भारत
3601 रन	पॉल स्टर्लिंग	आयरलैंड
3531 रन	मार्टिन गुप्टिल	न्यूजीलैंड

सबसे ज्यादा छक्कों का रिकॉर्ड

सिक्स	खिलाड़ी	देश
200	रोहित शर्मा	भारत
173	मार्टिन गुप्टिल	न्यूजीलैंड
137	जोस बटलर	इंग्लैंड
134	ग्लेन मैक्सवेल	ऑस्ट्रेलिया
132	निकोलस पूरन	वेस्टइंडीज

बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टी20 इंटरनेशनल मैच जीत का रिकॉर्ड

रन	खिलाड़ी	मैच
48 जीत	रोहित शर्मा	60 मैच
48 जीत	बाबर आजम	85 मैच
45 जीत	ब्रायन मसाबा	60 मैच
44 जीत	ओएन मोर्गन	72 मैच

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए सबसे तेज फिफ्टी का रिकॉर्ड

गेंद	खिलाड़ी	वर्सेस	स्थान	वर्ष
12	युवराज सिंह	इंग्लैंड	डरबन	2007
18	केएल राहुल	स्कॉटलैंड	दुबई	2021
19	रोहित शर्मा	ऑस्ट्रेलिया	ग्रॉस आइलेट	2024

टी20 वर्ल्ड कप में बतौर कप्तान हाइएस्ट स्कोर

रन	खिलाड़ी	खिलाफ	वर्ष
98	क्रिस गेल	भारत	2010
92	रोहित शर्मा	ऑस्ट्रेलिया	2024
88	क्रिस गेल	ऑस्ट्रेलिया	2009
85	केन विलियमसन	ऑस्ट्रेलिया	2021

टी20 वर्ल्ड कप में भारत के लिए हाइएस्ट स्कोर

रन	खिलाड़ी	खिलाफ	स्थान	वर्ष
101	सुरेश रैना	साउथ अफ्रीका	ग्रॉस आइलेट	2010
92	रोहित शर्मा	ऑस्ट्रेलिया	ग्रॉस आइलेट	2024
89*	विराट कोहली	वेस्टइंडीज	वानखेड़े	2016
82*	विराट कोहली	ऑस्ट्रेलिया	मोहाली	2022
82*	विराट कोहली	पाकिस्तान	मेलबर्न	2022

एक टीम के खिलाफ इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के

रन	खिलाड़ी	खिलाफ
130	क्रिस गेल	इंग्लैंड
130*	रोहित शर्मा	ऑस्ट्रेलिया
88	रोहित शर्मा	वेस्टइंडीज
87	क्रिस गेल	न्यूजीलैंड
86	शाहिद आफरीदी	श्रीलंका

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की धमाकेदार जीत

इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया, 27 मार्च को इंग्लैंड-भारत के बीच होगा सेमीफाइनल मैच

सेंट लूसिया, एजेंसी। टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के अपने आखिरी सुपर-8 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराकर वनडे वर्ल्डकप की हार का बदला पूरा कर लिया। रोहित शर्मा की धुआंधार 92 रनों की पारी ने इस जीत की नींव रखी।

वेस्टइंडीज के सेंट लूसिया में ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मिचेल मार्श ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया। भारतीय टीम ने इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए 20 ओवर में 205 रन बनाए। रोहित शर्मा ने 41 गेंदों पर 92 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 8 छक्के शामिल थे। उनका स्ट्राइक रेट 224 रहा और एक समय उनका स्ट्राइक रेट 300 तक पहुंच गया था। रोहित के अलावा सूर्यकुमार यादव ने 31 रन, शिवम दुबे ने 28 रन और हार्दिक पंड्या ने 27 रन बनाकर टीम के स्कोर को मजबूत किया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने 4 ओवर में केवल 14 रन देकर एक विकेट लिया, जबकि अन्य गेंदबाज महंगे साबित हुए।

ऑस्ट्रेलिया की पारीः 206 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पावरप्ले में 65/1 का स्कोर बनाया। अर्शदीप सिंह ने पहले ही ओवर में डेविड वॉर्नर को आउट कर दिया। ट्रैविस हेड ने 76 रन बनाए, लेकिन अन्य बल्लेबाज भारतीय गेंदबाजों के सामने टिक नहीं सके।

गेंदबाजों का शानदार प्रदर्शन

अर्शदीप सिंह ने टिम डेविड, मैथ्यू वेड और डेविड वॉर्नर के महत्वपूर्ण विकेट लिए। जसप्रीत बुमराह ने ट्रैविस हेड को पवेलियन भेजा, जबकि अक्षर पटेल ने मार्कस स्टोयनिस को आउट किया। कुलदीप यादव ने ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मार्श के विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

मैच का निर्णायक मोड़

19 ओवर के बाद ऑस्ट्रेलिया का स्कोर 177/7 था, जिसमें मिचेल स्टार्क और पैट कमिंस क्रीज पर थे। भारतीय गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और ऑस्ट्रेलिया की टीम को 24 रन से हार का सामना करना पड़ा।

सेमीफाइनल में मुकाबला

इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है, जहां उनका मुकाबला इंग्लैंड से होगा। भारतीय टीम की यह जीत न केवल वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए महत्वपूर्ण थी।

टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया बाहर

पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा अफगानिस्तान

किंग्सटाउन, एजेंसी। राशिद खान की कप्तानी में अफगानिस्तान की टीम ने इतिहास रच दिया है। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। यह पहली बार है जब अफगानिस्तान की टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।

अफगानिस्तान की इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया का सफर इस टूर्नामेंट में खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलिया 2021 में टी20 विश्व कप की चैंपियन बनी थी। लेकिन, इस बार उसका सफर सुपर-8 में ही थम गया है। बांग्लादेश के खिलाफ राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। अफगानिस्तान ने पांच विकेट के नुकसान पर 115 रन बनाए। टीम के लिए रहमानुल्लाह गुरबाज ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। जबकि अंतिम ओवरों में राशिद खान ने 10 गेंदों में महत्वपूर्ण 19 रन बनाए और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। मैच के दौरान 4 बार बारिश ने खलल डाला। इसलिए बांग्लादेश की पारी में एक ओवर की कटौती की गई। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश के सामने 116 रन का लक्ष्य रखा था। लेकिन, डकवर्थ लुईस नियम के तहत ओवर घटाकर बांग्लादेश को 19 ओवर में 114 रन का नया टारगेट मिला।

जवाब में बांग्लादेश की टीम के विकेट लगातार गिरते रहे। अकेले लिटन दास ही टीम के लिए लड़ते रहे। लिटन ने 54 रन बनाए, लेकिन दूसरे छोर पर कोई बल्लेबाज नहीं टिक सका।

बयां करने के लिए शब्द नहीं...

सेमीफाइनल में कदम रखते ही खुशी से गदगद हुए कप्तान राशिद

किंग्सटाउन, एजेंसी। राशिद खान की कप्तानी वाली अफगानिस्तान ने टी20 वर्ल्ड कप 2024 के सेमीफाइनल में जगह बना ली. अफगानिस्तान ने विश्व कप के सुपर-8 के आखिरी मुकाबले में बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में कदम रखा. यह पहला मौका रहा, जब अफगानिस्तान किसी भी वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची.

इस जीत के बाद राशिद इतने खुश दिखाई दिए कि उनके पास उसे बयां करने के लिए शब्द भी नहीं बचे. राशिद खान ने ऐतिहासिक जीत के बाद कहा, यह एक टीम के रूप में हमारे लिए सेमीफाइनल में पहुंचना सपने जैसा है. यह इस बारे में कि जिस तरह हमने टूर्नामेंट की शुरुआत की थी. जब हमने न्यूज़ीलैंड को हराया वहीं से भरोसा आया.

यह अविश्वसनीय है, मेरे पास मेरी फीलिंग को बयां करने के लिए शब्द नहीं हैं. घर पर सभी इस बड़ी उपलब्धि के लिए खुश हैं. हमें जिन्होंने सेमीफाइनल में पहुंचाया वह सिर्फ ब्रायन लारा हैं और और हमने इस सही साबित किया.

वसीम अकरम ने बढ़ाया सस्पेंस

पाकिस्तान का दौरा करेगी टीम इंडिया !

नई दिल्ली, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 की मेजबानी पाकिस्तान के पास है। लेकिन सवाल यह है कि क्या भारतीय टीम पाकिस्तान का दौरा करेगी या फिर एशिया कप 2023 की तरह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के जरिए आयोजित किया जाएगा। तमाम अटकलों के बीच पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर वसीम अकरम ने इस मुद्दे पर बातचीत की है। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान में किया जाएगा और इसमें मेजबान पाकिस्तान को छोड़कर सात देश भाग लेंगे। इन सात देशों में भारत, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड और अफगानिस्तान शामिल हैं। अकरम ने बताया कि मुझे उम्मीद है कि भारतीय टीम चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आएगी। पूरा देश सभी टीमों का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। एक यादगार टूर्नामेंट के लिए हम उनका तहे दिल से स्वागत करेंगे। हमारे पास बेहतरीन सुविधाएं हैं और हम नए स्टेडियम बनाने पर काम कर रहे हैं। चेयरमैन ने लाहौर, कराची और इस्लामाबाद में नए स्टेडियमों पर काम शुरू कर दिया है, इसलिए मेरा मानना है कि यह एक शानदार टूर्नामेंट होगा और पाकिस्तान को क्रिकेट की बेहतरी के लिए इस टूर्नामेंट की जरूरत है।

कसूर में नजर आएंगी उर्वशी रौतेला

रोमांस के साथ डर का तड़का लगाएगी फिल्म

एक्टर -निर्माता आफताब शिवदासानी काफी समय के बाद एक रोमांटिक, हॉरर-ड्रामा के साथ हिंदी सिनेमा में वापसी की तैयारी कर रहे हैं, जिसका टाइटल कसूर है। आफताब को आखिरी बार 2019 की हिंदी फिल्म सेंटर में देखा गया था। इस फिल्म के लिए उर्वशी रौतेला भी आफताब के साथ आई हैं और फिल्म में काम करने के लिए तैयार हैं। हालांकि, इन दिनों अभिनेत्री अपनी फिल्म जेएनयू को लेकर चर्चा में चल रही हैं। आफताब शिवदासानी के साथ उर्वशी रौतेला के शामिल होने से फिल्म कसूर की कास्टिंग और भी दिलचस्प होती जा रही है। प्रैक्टिकल प्रोडक्शन के निर्माता आसिफ शेख ने पुष्टि की है कि उर्वशी रौतेला आगामी म्यूजिकल रोमांस-हॉरर फिल्म कसूर में आफताब शिवदासानी के साथ अभिनय करेंगी। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म की शूटिंग जारी है जो इन दिनों उत्तराखंड के देहरादून और ऋषिकेश में हो रही है। वे वाइब शॉट्स के लिए उत्तराखंड की पहाड़ियों को कवर करना चाहते हैं. कसूर एक मनोवैज्ञानिक डरावनी कहानी है, जो तीन पात्रों के इर्द-गिर्द घूमती है।

प्रशंसकों से जुड़ने के लिए एक मोबाइल प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं बिग बी

मेगास्टार अमिताभ बच्चन अपने फैंस से जुड़ने के लिए एक मोबाइल प्लेटफॉर्म पर काम कर रहे हैं। इस प्लेटफॉर्म के जरिए वह अपने दूर-दराज के प्रशंसकों से भी कनेक्ट हो सकेंगे। अमिताभ बच्चन ने लिखा, रविवार को एक विशेष मोबाइल प्लेटफॉर्म बनाने पर काम किया गया, ताकि सभी प्रशंसकों और शुभचिंतकों से जुड़ा जा सके। हर रविवार को मुंबई में अपने घर के गेट के बाहर अपने प्रशंसकों से मिलने वाले अभिनेता ने बताया कि उनका शुरुआती प्रयास सफल नहीं रहा। उन्होंने कहा, कोशिश की, लेकिन यह काम नहीं हुआ, इस पर काम करने के लिए और अधिक प्रयास करने होंगे। सोशल मीडिया पर हमेशा अपडेट रहने वाले बिग बी नियमित रूप से अपने प्रशंसकों के साथ अपने काम और निजी जीवन के बारे में बातें शेयर करते रहते हैं। वहीं अमिताभ नाग अश्विन द्वारा निर्देशित अपनी अगली फिल्म कल्कि 2898 ई. की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

सलीम खान ने बताई वजह, बोले....

शादी से क्यों घबराते हैं सलमान खान

बॉलीवुड के चहेते भाई जान आखिर कब करेंगे शादी, कब सजेगा सेहरा उनके माथे पर यह सवाल उनके फैंस हजारों बार कर चुके हैं। हर साल सलमान खान के फैंस सोचते हैं इस साल तो वे शादी जरूर करेंगे, लेकिन सिवाय निराशा उनके हाथ कुछ नहीं लगता है।

वहीं इन दिनों सलमान खान के पिता सलीम खान का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है जिसमें वे सलमान खान की शादी के बारे में खुलकर बातें करते नजर आ रहे हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या वजह है कि 58 साल के सलमान अब भी अविवाहित हैं।

शादी से डरते हैं

सलीम खान अपने बेटे सलमान खान के बारे में बातें करते हुए कहते हैं, सलमान बेहद सरल स्वभाव के इंसान हैं। वे आसानी से रिश्ते में बंध जाता है लेकिन शादी करने की हिम्मत नहीं जुटा पाते हैं। वे मन से एकदम सीधे हैं इसलिए तुरंत ही किसी की तरफ आकर्षित हो जाते हैं, लेकिन शादी की हिम्मत वे नहीं जुटा पाते हैं क्योंकि उन्हें लगता है शायद वह लड़की उनके घर को नहीं संभाल पाएगी।

सलीम खान अपनी बात जारी रखते हुए कहते हैं, सलमान एक ऐसी महिला को जीवनसाथी बनाना चाहते हैं जो परिवार के लिए समर्पित हो।

वे सोचते हैं कि जैसी उनकी मां हैं कोई वैसी लड़की मिले जो अपने पति और परिवार के प्रति प्रतिबद्ध रहे। अब आज के जमाने में ऐसी लड़की कहां से मिलेगी जो घर संभाले, बच्चों को संभाले, उनका होमवर्क करवाए। सलमान को एक ऐसी लड़की चाहिए जो उनके परिवार को बांध कर रख सके।

सलमान के पुराने रिश्ते और ब्रेकअप

सलमान खान भले ही अभी तक अविवाहित हैं, लेकिन उन्होंने कई अभिनेत्रियों को डेट किया है। आप की अदालत में उन्होंने खुद एक बार कहा था कि, मेरे जो भी ब्रेकअप होते हैं उसके लिए जिम्मेदार मैं खुद हूं। अगर एक या दो के साथ हुआ रहता तो शायद उनमें गलती होती, लेकिन जब सबके सब आपको छोड़ कर चली जाएं तब ख्याल आता है कि कहीं कमी आप में तो नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो वे संगीता बिजलानी से लेकर सोमी अली और कैटरीना कैफ तक डेट कर चुके हैं।

ऑक्सीजन चैंबर में सोया करते थे किंग ऑफ पॉप

माइकल जैक्सन, 150 साल तक जिंदा रहने की थी ख्वाहिश

दुनिया में न जाने कितने ही पॉप स्टार्स हुए, लेकिन किंग ऑफ पॉप का खिताब केवल माइकल जैक्सन को मिला। वे आज भले ही इस दुनिया में नहीं हैं, लेकिन उनके फैंस के दिलों में वे हर रोज धड़कते हैं। जब माइकल जैक्सन स्टेज पर परफॉर्म करते थे तब उनके फैंस उनकी आवाज और उनके डांस मूव्स में खो जाते थे। 25 जून 2009 को वे हार्ट अटैक की वजह से इस दुनिया को छोड़ कर चले गए थे। किंग ऑफ पॉप माइकल जैक्सन का जन्म 29 अगस्त, 1958 को अमेरिका के इंडियाना प्रांत के गैरी शहर में हुआ था। वे बचपन से ही म्यूजिक में रुचि रखते थे। बाद में वे अपने भाई के संग पॉप बैंड 'जैक्सन फाइव' का हिस्सा बने। माइकल जैक्सन अपने पहले ही एलबम 'थ्रिलर' से ही धूम मचा दिया था। माइकल जैक्सन आज भी अपने डांस मूव्स के लिए याद किए जाते हैं। पूरी दुनिया उनके डांस की दीवानी थी। जब वे स्टेज पर आते थे फैंस दांतों तले उंगलियां दबा लेते थे। माइकल जैक्सन के 45 डिग्री टिल्ट डांस मूव को लेकर पूरी दुनिया में बहस छिड़ गई थी कि आखिर वे ऐसे कैसे डांस कर लेते हैं। बाद में पता चला कि उनके जूते खास तरह से डिजाइन किए जाते थे जिसकी वजह से वे टिल्ट होकर डांस कर पाते थे।

माइकल जैक्सन ने अपने शरीर और चेहरे के साथ कई एक्सपेरिमेंट किया था। उन्होंने कई बार प्लास्टिक सर्जरी भी करवाया था। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो माइकल 150 वर्ष तक जीने की ख्वाहिश रखते थे। वे ऑक्सीजन चैंबर में सोया करते थे, लेकिन फिर भी वे 50 साल की आयु में इस दुनिया को छोड़ कर चले गए।

माइकल जैक्सन के नाम 23 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हैं। वहीं, माइकल जैक्सन अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी अक्सर सुर्खियां बटोरते रहे। उन्होंने 1994 में लिसा मेरी प्रिसले से शादी की थी। उनकी यह शादी अधिक दिनों तक नहीं चली। दोनों का 19 महीने के बाद ही तलाक हो गया। इसके बाद पॉप स्टार साल 1997 में नर्स डेबी रोव के साथ दोबारा शादी के बंधन में बंधे और उनकी यह शादी भी दो साल में टूट गई।

राष्ट्रगान नहीं गाने पर ट्रोल हुए नवाजुद्दीन

बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म रौतू का राज को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, इस बार वे एक और वजह के कारण सुर्खियां बटोर रहे हैं। दरअसल, अभिनेता का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद यूजर्स लगातार उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इसके साथ ही लोग उनकी हरकत पर भी भड़कते हुए नजर आ रहे हैं। ट्रोलिंग के कारण ही नवाजुद्दीन अब एक्स पर ट्रेंड भी कर रहे हैं। हालांकि, कई यूजर्स अभिनेता के समर्थन में भी आए। ऐसे में क्या है वह वीडियो और इसकी वजह से अभिनेता को ट्रोल क्यों होना पड़ रहा है? चलिए बताते हैं आपको पूरा मामला।

नवाजुद्दीन ने नहीं गाया राष्ट्रगान

दरअसल, नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों सुनीता रजवार द्वारा दायर किए गए दो करोड़ रुपये के मानहानि के मुकदमे के कारण भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। मानहानि के मुकदमे के बीच नवाजुद्दीन सिद्दीकी का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में अभिनेता मंच पर अन्य लोगों के साथ खड़े हैं। इस दौरान सभी राष्ट्रगान गा रहे थे, लेकिन नवाजुद्दीन राष्ट्रगान नहीं गा रहे थे। हालांकि, अभिनेता मंच पर सावधान की मुद्रा में खड़े नजर आए। ऐसे में वीडियो देख रहे लोगों का कहना है कि नवाजुद्दीन ने राष्ट्रगान न गाकर उसका अपमान किया है। सोशल मीडिया पर यह वीडियो तेजी से साझा किया जा रहा है। कैप्शन में लिखा जा रहा है कि यह चौंकाने वाला वीडियो है, जिसमें नवाजुद्दीन सिद्दीकी राष्ट्रगान नहीं गा रहे हैं और ना ही उसका सम्मान कर रहे हैं।

जल्द ओटीटी पर डेब्यू करने वाली हैं जैकलीन

जैकलीन फर्नांडीज हिंदी सिनेमा की कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वह अभी तक एक सशक्त अभिनेत्री के रूप में अपनी पहचान स्थापित नहीं कर सकी हैं। अभिनेत्री इन दिनों अपनी डेब्यू ओटीटी सीरीज को लेकर व्यस्त चल रही हैं। उन्हें उम्मीद है कि वह बतौर अभिनेत्री इस सीरीज से दर्शकों के बीच अपनी एक पुख्ता पहचान बना पाएंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक,अभिनेत्री की इस डेब्यू वेब सीरीज को जियो सिनेमा ने आर्थिक रूप से समर्थन दिया है, जिसका शीर्षक गोट रखा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस म्यूजिकल ड्रामा की शूटिंग लगभग समाप्त हो चुकी है। जैकलीन की इस डेब्यू सीरीज का पूरा नाम ग्रेटेस्ट् ऑफ ऑल टाइम्स है। इसमें मुख्य अभिनेता के तौर पर नील नितिन मुकेश भी नजर आने वाले हैं। हालांकि, वह जैकलीन के सामने एक चुनौतीपूर्ण किरदार में नजर आएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार, जैकलीन इसमें डांस का प्रशिक्षण देने वाली एक महिला के किरदार में होंगी। वहीं, नील इसमें संगीत सिखाने वाले एक शिक्षक के रूप में नजर आएंगे। पूरी सीरीज में दोनों के बीच उनकी अपनी-अपनी कला को लेकर एक दूसरे से प्रतियोगिता दिखाई जाएगी। इस सीरीज में कई नए कलाकार भी नजर आएंगे।

कन्नप्पा में शूटिंग एक्सपीरियंस को लेकर बोले अर्पित रांका

जैसा सोचा था, वैसा ही हुआ

एक्टर अर्पित रांका अपकमिंग फैंटेसी फिल्म कन्नप्पा में खलनायक कालमुख का किरदार निभाते नजर आएंगे। उन्होंने फिल्म में रोल मिलने पर अपनी खुशी जाहिर की और सुबह-सुबह शूटिंग के एक्सपीरियंस को शेयर किया। फिल्म का हिस्सा बनना उनके लिए सपने के सच होने जैसा है। अर्पित ने कहा कि मैं बहुत खुश था। कभी-कभी हम खुशी के चलते सो नहीं पाते, तो कभी टेंशन के कारण। लेकिन पहली बार मैंने एक्सपीरियंस किया कि खुशी आपको जगाए भी रख सकती है।

एक्टर ने आगे बताया कि पूरी रात मैं शूटिंग करने के लिए बहुत एक्साइटेड था। हमने सुबह 7 बजे शूटिंग की। शूटिंग बहुत अच्छी रही, जैसा कि सोचा गया था। यह शानदार था। इस फिल्म में कई सुपरस्टार हैं। चाहे वह प्रभास हों, मोहनलाल हों, अक्षय कुमार हों या आर. सरथ कुमार, इस फिल्म में कई प्रमुख कलाकार हैं। मैं ज्यादा कुछ शेयर नहीं कर सकता। यह फिल्म ऐसी है, जिसे मैं जिंदगी भर नहीं भूल सकता।

अर्पित ने कहा कि हर एक्टर फिल्म में एक अच्छी भूमिका निभाने का सपना देखता है। उन्होंने कहा कि मेरे लिए तीन साल के ब्रेक के बाद, एक ड्रीम कास्ट वाली फिल्म का हिस्सा बनना सपने के सच होने जैसा है। ऐसी फिल्म में रोल मिलना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। मेरा किरदार कालमुख, जैसा कि आपने कन्नप्पा के टीजर में देखा होगा, नेगेटिव है।

न्यूयॉर्क को आखिर क्यों 96 किलो वजन वाला शहर बुलाती हैं सारा अली खान

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। इन दिनों वह फिल्मों की शूटिंग से ब्रेक लेकर अमेरिका के न्यूयॉर्क में छुट्टियां मना रही हैं। इस शहर को वह 96 किलो वजन वाला शहर बुलाती हैं। सारा ने न्यूयॉर्क ट्रिप से अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की। उन्होंने व्हाइट क्रॉप टॉप और रेड शॉर्ट्स के साथ स्नीकर्स में अपनी फोटो इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट की। फोटो में वह कॉफी पीते हुए नजर आ रही हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, उस शहर में वापस आना शानदार है, जहां मेरा वजन 96 किलो था। एक्ट्रेस ने उन दिनों को याद किया, जब वह न्यूयॉर्क के कोलंबिया यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही थीं और तब उनका वजन 96 किलो था। पॉलीसिस्टिक ओवेरियन डिजीज (पीसीओडी) की वजह से उनके लिए वजन घटाना काफी मुश्किल था। सारा ने कॉफी विद करण के छठे सीजन में इस बारे में खुलकर बात की। बॉलीवुड में डेब्यू करने से पहले, सारा ने कार्डियो, पिलेटीज और योग जैसे रेगुलर वर्कआउट किए और उसके बाद वजन कम करने के लिए सिंपल डाइट फॉलो की। सारा ने दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत स्टारर 2018 की फिल्म केदारनाथ से इंडस्ट्री में एंट्री की थी। इसके बाद वह रणवीर सिंह के साथ सिंबा में नजर आई। फोर्ब्स इंडिया ने 2019 के लिए टॉप 100 सेलेब्स की लिस्ट जारी की जिसमें सारा 66वें नंबर पर थीं।

'मिर्जापुर' के लोकप्रिय होने से पहले हम सिर्फ 'कलाकार' थे : पंकज त्रिपाठी

मिर्जापुर सीरीज में कालीन भैया का किरदार निभाने वाले फेमस एक्टर पंकज त्रिपाठी ने कहा कि शो के चर्चित होने से पहले उन्हें और अन्य सितारों को सिर्फ एक कलाकार के रूप में जाना जाता था। पंकज ने कहा कि मिर्जापुर ने मेरे करियर में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।विशेष रूप से इंटरव्यू के दौरान पत्रकार अक्सर हमें स्टार कास्ट कहकर बोलते हैं, लेकिन मिर्जापुर के वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होने से पहले, हम केवल शो के कास्ट थे। कलाकारों में अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुग्गल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पैनयुली, हर्षिता शेखर गौड़, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा भी शामिल हैं। पंकज आज जिस स्टारडम का आनंद ले रहे हैं, उसका श्रेय मिर्जापुर को देते हैं। उन्होंने कहा कि यह मिर्जापुर ही है, जिसने हमें स्टार बना दिया। सीजन-1 के बाद, प्रशंसकों, खासकर महिलाओं से मुझे जो प्रतिक्रिया मिली, उसने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। इससे मुझे एहसास हुआ कि कालीन भैया किसी भी अन्य डॉन से अलग है, जिसे भारतीय दर्शकों ने कभी सेल्युलाइड पर देखा है।